इफिसुस कलीसियायी काल

जैफरसनविले, इन्डियाना यू. एस. ए.

५ दिसम्बर, १९६० (संध्या)

1 प्रभु आपको आशीष दे! कोई यहाँ पर है जो एक- - एक डोड़गी, एक नई डोड़गी कार जिसका नम्बर डब्लू. एक्स. 2129 है, चला रहा है, उसने उसे वहाँ सड़क के पार खड़ा किया है; उसने उसकी बत्तियाँ, हैड़ लाइटें तथा सभी लाइटें जली छोड़ रखी हैं, और यदि कोई ऐसा है जो उसे चला रहा है, तो क्यों, वह चुपचाप चला जाये, और अपनी लाइटें बुझा दें। यह सड़क की आठवीं स्ट्रीट के ठीक बांयी ओर खड़ी हुई है। मेरा अंदाजा है, कि यह डब्लू. एक्स. 2129, नम्बर न्यू एलबनी का है। वह लाल रंग की डोड़गी, नई डोड़गी कार है जो कम से कम 59 या 60 का मॉडल है जो वहाँ पर खड़ी हुई है। और मैं नहीं जानता था, कि यहाँ पर कोई ऐसा अंदर है या कोई ऐसा है जो बस.. या जो कहीं ओर से आया है जिसकी वह कार है। और वह एक अच्छी कार है। यह बिलकुल ठीक बात है, यह ऐसी ही है। अब मैं यह कहने नहीं जा रहा हूँ कि कोई महिला उसे भूल गयी है, क्योंकि मैं भी ऐसा कर बैठता हूँ।

2 खैर, आज रात्रि फिर से सभा में वापस आने के लिए और वचन के चौगिर्द एक साथ मिलकर संगति करने के इस शानदार समय को पाने के लिए निश्चय ही एक बहुत अच्छी बात है। क्या आप इसका आनन्द ले रहे हैं? (मंड़ली कहती है, ''आमीन''-सम्पा.) ओह यह सही बात है, हमारा बस एक बहुत अच्छा, एक शानदार समय चल रहा है। और अब हम भरोसा कर रहे हैं, कि परमेश्वर ही इसे ज़ारी रखने के लिए हमारी सहायता करेगा। अब, देखिए, मेरा एक भाई गया और उसने एक श्यामपट लेकर यहाँ पर लगाया। परन्तु यह.. यह बहुत छोटा है, यह काफी ऊँचे तक नहीं पहुँचता है। अत: ठीक है, कल हम इसे यहाँ ऊपर और ऊपर टांगेंगे और ऐसा करेंगे, कि यह... मैं उन विभिन्न बातों को चित्रित करना चाहता हूँ जिन्हें मैं समझता हूँ, ताकि आप बस हो सके... आप सुनिश्चित हो सकें, कि आप वास्तव में इसे समझते हैं।

3 वहाँ थी एक.... पिछली रात को या कल ऐसा हुआ था, कि यहाँ पर मेरी छोटी लड़की सारा थी, वह बड़ी भोली और प्यारी सी है। और उसकी माँ और मैं कागज के एक छोटे से टुकड़े पर दृष्टि कर रहे थे; और वह मेरे लेखों को उतार रही थी। और उसने सारी बातों को : यशायाह और मत्ती तथा हर एक हवाले को लिख लिया था। और कागज के अंत में उसने लिखा हुआ था, "और....और मृत्यु... कब्र पर उसकी और अधिक विजय नहीं रही है; और मृत्यु के डंक को तो उखाड़ फेंका गया है।" वह लगभग सात साल की है।

और इसके बाद उसने प्रकाशितवाक्य लिखने की बजाये ''प्रकाशनों की पुस्तक लिखा हुआ था। ठीक है, ये यही दिखाता है, कि कैसे भी हो वे कुछ समझने में- कुछ जानने में रुचि रखते हैं; क्या वे इसकी रुचि नहीं रखते हैं? मैं सोचता हूँ कि यह भाई कोलिन्स की छोटी लड़की है जो वहाँ पीछे बैठी हुई है; उसने लिखा हुआ था, "प्रकाशन?'' क्या उन्होंने....भाई नेविल कहते हैं, उन्होंने लिखा हुआ था: "प्रकाशनों का दिन' । वे उससे सहमत हो रहे थे। मैं सोचता हूँ कि हम सब इससे सहमत हैं।

4 ठीक है, हमारा एक अच्छा समय चल रहा है। परमेश्वर हमें आशीष दे रहा है। जब मैं बच्चों को स्कूल छोड़ चुका, तो उसके बाद मैं अध्ययन करने के लिए एक कमरे में चला गया, और मैं बस अभी थोड़ी देर पहले ही बाहर निकल कर आया हूँ। मेरा एक शानदार समय चल रहा था, और कल रात को मैंने काफी अधिक देर तक अध्ययन किया था।

और सुबह के लगभग ढाई बजे कुछ लोग उत्तरी क्षेत्र से आयें, उन्होंने मुझे पा लिया था..मैं उन्हें मिल गया था, ताकि उस छोटी लड़की के लिए प्रार्थना करें जो मर रही थी। और मैं सुनिश्चित हूँ, कि परमेश्वर उसे भला-चंगा होने देगा। वे सुदूर, बैड़फोर्ड इन्डियाना से सफ़र करके आये थे, ताकि वे उस समय उस छोटी लड़की के लिए प्रार्थना करवाने के लिए अनुरोध करें। कल रात दो पुरुष प्रार्थना सभा में थे और वे सारा रास्ता तय करके वहाँ पहुँचे और फिर सारा रास्ता तय करके वापस यहाँ पर आये, इसके बाद शायद वे सारी रात भर सफर करके फिर से वापस आ रहे हों। और अत: यह जानना एक अच्छी बात है कि लोगों का परमेश्वर पर उस प्रकार से भरोसा है, और वे परमेश्वर पर विश्वास करते हैं।

5 ओह, यह एक महान दिन है जिसमें हम रह रहे हैं। और अब हम इन कलीसियायी कालों पर और अधिक बातें पाने की आशा कर रहे हैं। अब, हम प्रत्येक रात्रि को थोड़ा जल्दी सभा आरम्भ करने की कोशिश कर रहे हैं, जिससे कि हम आपको थोड़ा जल्दी छोड़ सकें। क्या आपको यह बेहतर लगता है? और इससे ऐसा होगा, कि जिन लोगों को काम करना है, वे घर पहुँच सकते हैं -ताकि वे काम करने के लिए जा सके। कल रात्रि को हम नौ बजकर पाँच या दस मिनट पर बाहर निकल गये थे, या कम से कम मैंने इतने समय तक संदेश समाप्त कर दिया था।

और आज रात्रि हम अपने साथ इसी प्रकार से इन सब आयें हुए प्रचारकगणों को अंदर पाकर आनन्दित हैं। और मैं भाई जूनियर जैकसन, भाई कारपेंटर , तथा उन दूसरे भाइयों को जो वहाँ की कलीसियाओं से हैं, तथा उन दूसरे भाइयों को जो यहाँ प्रचार मंच पर हैं तथा जो यहाँ बाहर सभा में हैं, देखता हूँ।

6 और आज ही मुझे बताया गया था, कि मेरा एक बहुत ही अमूल्य मित्र जो मेरे साथ प्रचार-कार्य के क्षेत्रों में था—भाई और बहन एन्ड्रो जो सुदूर घने चाइना प्रांत से हैं, कल रात सभा में थे। हमारा इसी गत वर्ष जमैका

में एक साथ क्या ही शानदार समय रहा था। हमारा एक महान समय रहा था; मैं वहाँ पर उनके घर पर था। और ओह, यदि.... मुझे हैरत है कि क्या भाई और बहन एन्ड्रो, आज रात्रि यहाँ पर.. सभा में उपस्थिति हैं ? यह इमारत बिलकुल ठीक से नहीं बनायी गयी; अतः .... जी हाँ, वे पीछे बैठे हुए हैं। भाई और बहन एन्ड्रो, मुझे आश्चर्य है कि क्या आप एक क्षण के लिए अपने पैरों पर खड़े हो जायेंगे। प्रभु आपको आशीषित करे।

हम आपको देखकर बहुत खुश हैं, भाई और बहन एंड्रयू। जब मैं पिछले साल वहाँ पर था, तो मैंने उन्हें यहाँ आने के लिए आमन्त्रित किया था।

7 अब, मैं यह बात उनकी उपस्थिति में नहीं कहने जा रहा हूँ मैं बहुत कुछ कहने जा रहा था, परन्तु अब मैं इसे नहीं कहूँगा। परन्तु ये वे हैं जिन्हें मैं सच्चा मिशनरी कहता हूँ। यदि वे कल रात यहाँ पर आते हैं, तो मैं चाहता हूँ, कि इससे पहले की हम अंदर आयें वे कुछ शब्द कहें। मैं चाहता हूँ, कि आप सुनें, कि प्रचार-कार्य-के क्षेत्रों का क्या अर्थ होता है।

जब वे सुदूर उन पिछड़े हुए इलाकों में इतने अंदर थे, कि उनके पास कुछ भी नहीं रहा था... के ..खैर... वे थे.... मैं साचता हूँ, कि ऐसा वर्षों वर्षों पहले की बात है, जब वे वहाँ उन सुदूर इलाकों में थे, और यहाँ तक था कि उन्होंने वर्षों वर्षों तक मोटरगाड़ी या रेलगाड़ी, या ऐसा ही अन्य कुछ भी नहीं देखा था। और बहन किस प्रकार से अपनी रोटियाँ...से बनाती थी... और कैसे वह उन्हें पिसती थी। और अब, ..ये एक सच्चे मिशनरी हैं। भाई एन्ड्रो के पास सुई धागा था, और वे एक चिकित्सक थे, जब वे चीर-फट गये थे, तो उन्होंने उनकी सिलाई की थी। और मैं सोचता हूँ, जब बच्चा.... बच्चे उनके पास आते तो शायद बहन उनके लिए एक दाई थी, और भाई एन्ड्रो एक चिकित्सक। वे बस

उन पर निर्भर करते थे।

8 और फिर जब इंग्लैड़ में मिशनों ने, पिन्तेकोस्तल मिशनों ने कह दिया, कि वे बाहर के क्षेत्रों में जाने के लिए बहुत बूढ़े हो गये हैं, (मैं बस आपको यह बताऊँगा, कि वे कितने अधिक मिशनरी हैं।) वे कोई आराम कुर्सी पकड़ पर उस पर बैठने नहीं जा रहे थे; वे वापस अपने निज स्थान पर, वापस जमैका गये और अब वे बाहर वहाँ पर एक मिशनरी हैं। मुझे और भाई फ्रैंड सोथमैन को यहाँ पर उनके यहाँ जाने का और उनसे मुलाकात करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ था; और उन्होंने हमें क्या ही सुंदर समय दिखाया था। वे हमारे प्रति उतने मधुर थे जितने कि मधुर मसीही हो सकते हैं।

और मैं आपको बताता हूँ; मैं यह... से नहीं कह रहा हूँ... बजाये इसके कि मैं उनके चले जाने के बाद उन्हें फूलों का गुलदस्ता हूँ मैं तो उन्हें इस समय ही एक गुलाब की पुष्पकलिका दूंगा। मैं आपको बताता हूँ, कि वे सचमुच में एक मसीही हैं। और मैंने अपनी पत्नी को बताया था, कि बहन एन्ड्रो उन मधुरतम्, सर्वाधिक भली मसीही स्त्रियों में से एक हैं जिससे कभी व्यक्ति ने भेंट की हो। वे बस ऐसी हैं... उनका चरित्र भी मसीह के अंदर ढल चुका है; और भाई एन्ड्रो का भी। अतः मैं सुनिश्चित हूँ, कि यदि आप यह देख सकते हैं, कि कौन ऊपर खड़ा हुआ है, तो मैं इस सारी कलीसिया से यह चाहूँगा, कि आप उनसे हाथ मिलायें, और इससे पहले कि वे चले जायें आप उनकी बातें सुनें।

9 अब, प्रभु ने चाहा, तो कल हम क्यों ... कल रात को हम इस दूसरे कलीसियायी काल को आरम्भ करने जा रहे हैं। आज रात्रि हम पहले कलीसियायी काल पर अध्ययन करना आरम्भ करने जा रहे हैं। मैं सुनिश्चित हैं, कि परमेश्वर ने हमारे लिए अपने खज़ाने में एक आशीष रखी हुई है। और स्मरण रखिए, जैसा कि मैंने पहले ही कह दिया था, जहाँ तक... जहाँ तक धर्मशास्त्र के ज्ञान वाली बात का सम्बंध है, हो सकता है, कि कभी-कभार हम इन बातों पर असहतम हों। और मैंने अपनी अधिकतर तारिखें-तीथियाँ उन प्रमाणिक इतिहासकारों से ली हैं, जिनका सचमुच में किसी एक ही पक्ष की ओर रुझान नहीं रहा था, यह चाहे जो कुछ भी था- कलीसियाओं ने क्या किया था, उन्होंने तो बस सच्चाई को ही कलमबद्ध किया था। और मैंने.... जहाँ तक अनुवाद के दिव्य पहलू की बात है। मैंने इसे स्वयं अपने ऊपर उस प्रकार से लेने का-उस प्रकार से करने का यत्न किया है जैसा कि मैं इसे अच्छे से अच्छा कैसे करना है जानता हूँ।

और यदि मैं कभी थोड़ा सा रुखा, या कटु, या इसी प्रकार से ही थोड़ा सा बोलता हूँ ,तो मेरा उसे कहने का उस प्रकार से अभिप्राय नहीं होता है। जो मुझे जानते हैं, उनमें से प्रत्येक जानता है, कि मेरा वैसा करने का तात्पर्य नहीं होता है। मैं तो बस यह चाहता हूँ ..... परन्तु जिससे मैं अपनी बात आपके अंदर आत्मसाध कर दें -यह ऐसा ही होता है जैसे लकड़ी के किसी बोर्ड के अंदर किसी कील को गाड़ना। यदि आप वहाँ पर उस पर तनिक हल्के से ही चोट करते हैं, तो वह गड़ती नहीं है। आपको तो उस पर कसकर चोट मारनी होती है और उसे ज़ोर से गाड़ना होता है। और यही है वह जो मैं करने का प्रयास कर रहा हूँ। अत: यह ऐसा नहीं है, कि मैं आपसे असहमत होने का ही प्रयास करेंगा, क्योंकि मैं सभी नामधारी कलीसियाओं तथा ऐसी ही और दूसरी संस्थाओं के विषय में बोलता हूँ; अत: इससे तो ऐसा तो नहीं होता है ....कि ....

10 जैसा कि मैंने हमेशा ही कहा है, यह वैसा ही है जैसे मवेशियों पर छाप करना। मुझे याद है जबकि मैं वर्षों पहले एक दिन बैठा हुआ था, जब वे... पशुओं की गिनती कर रहे थे; वे मवेशियों को जंगल के अंदर ले जा रहे थे, और मैं उन मवेशियों की उस ओर खदेड़ने में सहयता कर रहा था जिसे वे "मवेशियों को जमा करने वाला बाड़ा" कहते थे- जहाँ हेयर फोर्ड ऐसोसियेशन मवेशियों को ट्रबलसम रीवर वैली में चराया करती थी। और मैं वहाँ पर काठी के खांचे में अपने पांवों को डालें बैठा हुआ वनपालक (रेंजर) को देख रहा था जबकि वह इन मवेशियों को मवेशियों को जमा करने वाले उस बाड़े में से होकर जाते हुए देख रहा था। अब आपको करना होता है... ऐसा इसी लिए करना होता है, जब आप उन्हें सरकारी जगह पर चारने के लिए ले जा रहे होते हैं, और आपको एक टन भूसा उठना पड़ता है, इससे पहले कि आप एक गाय को चारागाह में रख सके। और हर एक पशु-फार्म को ही इतना अधिक भूसा उगाना पड़ता है, और इतने ही मवेशियों को जमा करना होता है, इसके बाद ही वे उन्हें वहाँ ले जा सकते होते हैं।

11 अब देखिए, वे सभी प्रकार की छाप (ब्रांड़) वाले मवेशियों को लिए हुए वहाँ से जा रहे थे। उनमें से कुछ पर तो "बार एक्स' की छाप थी। श्रीमान ग्रीम्स वहाँ पर हमसे ठीक आगे थे, उनके पास 'डायमंड़-टी' छाप वाले मवेशी थे ; उनके एक सिरे पर टी और एक सिरे पर डायमंड़ खूदा हुआ था। वहाँ पर उस ट्रबल-सम रीवर वैली के ठीक मुहाने पर लैज़ी-के छापवाले मवेशी थे। हमारे 'तुर्की-ट्रैक' वाले मवेशी थे। हमारे ठीक नीचे ट्रीपोड़ छाप वाले मवेशी थे। और वहाँ पर सभी प्रकार के ब्रांड़ वाले मवेशी फाटक में से होकर जा रहे थे।

और मैंने ध्यान देकर देखा कि वनपालक ने उन ब्राड़ों पर कभी भी बहुत ध्यान नहीं दिया था ; उसने उनपर कदाचित कोई दृष्टि नहीं डाली थी। कभी कभी तो वे ब्रांड़ मवेशी गाय के बांयी ओर होते थे, अत: वह उस ब्रांड़ को नहीं देख सकता था। परन्तु वह तो एक बात के प्रति सुनिनिश्चत था, कि कोई भी गाय वहाँ से होकर तब तक न जायें जब तक के उस पर उसकी नस्ल वाला निशान— उसके लोहू वाला निशान उसके कान पर न लटका हुआ हो। ब्रांड़ से बहुत अधिक फर्क नहीं पड़ता था, परन्तु यह तो लोहू वाला (नस्ल वाला) निशान था जिससे फर्क पड़ता था।

और मैं सोचता हूँ, कि बिलकुल ठीक ऐसा ही न्याय पर होगा। इससे कोई मतलब नहीं है कि आप पर कौन सी ब्रांड़ है, परन्तु वह तो लोहू का ही निशान देखेगा। "जब मैं लोहू देदूंगा, तो मैं तुम्हें छोड़ दूंगा।'

(भाई ब्रन्हम जीनी से माइक्रोफोन व्यवस्था के विषय में बातचीत करते हैंसम्पा.) अब, क्या जीनी, मैं क्या कुछ गलत हूँ, क्या मैं गलत हूँ? इसे फिर से व्यवस्थित कर दिया है ! यह बिलकुल ठीक है। ऐसा तो दो जनों की स्थिति में बदलाव के कारण ही है; क्या यह ठीक है? बिलकुल ठीक है; यह बिलकुल ठीक है। भाई जीनी आपका धन्यवाद हो।

12 अब, आज रात्रि हम फिर से शीघ्र ही बाहर निकलने की चेष्टा कर रहे हैं जिससे कि हम कल रात्रि को वापस आ सकें, और इन कलीसियायी कालों का अध्ययन कर सकें। और मैं आपको बताता हूँ, कि मेरे लिए उन कुछ महान बातों को जो समय की राह के छोर पर पायी जाती हैं, संजोय कर रख पाना कठिन होता है; मैं तो उन्हें बस एक रात में ही बाहर निकालने की कोशिश करता हूँ। आप जानते हैं, मेरा इसी प्रकार का ही स्वभाव है, लेकिन मुझे तो उन्हें हर एक रात्रि तक अपने पास ही सम्भालकर रखना होता है।

अब इससे पहले कि हम इस महान पुस्तक का खुलासा करना आरम्भ करें मुझे हैरत है, कि क्या हम अपनी मुद्रा को बदलने के लिए एक क्षण के लिए खड़े हो सकते हैं ; और ऐसा है जबकि हम खड़े होते हैं तो जो खड़े हो सकते हैं वे खड़े हो जायें। आइये अब हम विनीतपूर्वक अपने सिरों को प्रार्थना के लिए झुकायें।

13 हमारे स्वर्गीय पिता, हम अपने विश्वास को बिना हिलाये-डुलाये आपके महान पवित्र सिंहासन की ओर एक बार फिर से आ रहे हैं- हम इस लिए ही आ रहे हैं, क्योंकि हमें ऐसा करने की आज्ञा दी गयी है। हम यह नहीं कह सकते हैं, कि हम किसी निश्चित कलीसिया या किसी नामधारी कलीसिया, या इस वाली कलीसिया के नाम में, या हम अपने निज नाम में आ रहे हैं; क्योंकि हम इस बात में सुनिश्चित न होते, कि

हम परमेश्वर के संग यह सुनना - सुनना कर सकते थे या नहीं। परन्तु जब यीशु ने हमें बताया, "तुम मेरे नाम से मेरे पिता से जो चाहे माँगो, मैं उसे करूंगा," तो फिर हम यह जानते है, कि जब हम यीशु के नाम में आते हैं, तो आप हमारी प्रार्थना सुनने जा रहे है, पिता।

हम बहुत आनन्दित होते हैं जबकि हम उन शहीदों के विषय में पढ़ते हैं जो पिछले समय में हुए, किस प्रकार से उन्होंने अपने ही लोहू से अपनी गवाही पर मोहर की; इसके बाद, पिता; इससे हमें यह अनुभव होता है, कि हम तो इस दिन में बहुत थोड़ा ही कर रहे हैं। प्रभु, और मैं आप से प्रार्थना करता हूँ, कि आप हमारी बेध्यानी को क्षमा करेंगे; जैसा कि हम आपके काम करने के विषय में बेध्यानी करते हैं। और हम प्रार्थना करते हैं, कि आप हमें नये सिरे से फिर से अभिषेक देंगे जैसा कि हम आपका वचन पढ़ते हैं, और हम उस सतावे को देखते हैं जो कि उन पिछले गुज़रे दिनों में रहा ताकि जीवते परमेश्वर की इस महान लाल अर्गावानी कलीसिया का दरिया बनाया जायें।

14 स्वर्गीय पिता, मैं आप से यह प्रार्थना माँगता हूँ, कि आज रात्रि आप ही हम से बातें करें, क्योंकि हम नहीं जानते हैं, कि क्या कहना है। हम तो बस बाट जोह रहे हैं और यहाँ पर इस प्रार्थना को माँग रहे हैं, क्योंकि हम परमेश्वर की उपस्थिति में उसकी कलीसिया में हैं, और हम यह मांगते हैं, कि पवित्र आत्मा से जो इन लोगों के ऊपर है आज रात्रि वह अपनी सामर्थों को एक साथ आपस में मिलायेगा, और हर एक हृदय के अन्दर सुसमाचार को उंडेल डालेगा; कि हमें उस युग के लिए जो आगे आनेवाला है नयी दृढ़ता और स्थिरता प्रदान करे। प्रभु, यह प्रदान कीजिए; क्योंकि हम अंजीर के पेड़ को अपनी कोपलें उगाते हुए देखते हैं, और इस्राएल एक राष्ट्र बनता चला जा रहा है; और अन्यजातियों के दिन समाप्त होते चले जा रहे हैं, और उनके चंद दिन ही शेष रहे हैं।

और हम महान छुड़ानेवाले, हमारे प्रभु यीशु मसीह के आगमन की बाट जोह रहे हैं। प्रभु, हमारे मध्य में विचरण कीजिए। जैसा कि यह आज रात्रि कहा गया, कि "आप दीवटों के मध्य में चलते हैं," प्रभु वैसे ही आप आज रात्रि हमारे मध्य में चलें ; और हमारे हृदयों को उन बुराइयों की चेतावनियाँ दीजिए जो आगे आनेवाली हैं। और आप हमें अपने वचन की समझ प्रदान करें, क्योंकि हम यह यीशु के नाम में मांगते हैं। आमीन! आप बैठ सकते हैं।

15 अब जैसा कि मैंने कहा था , प्रत्येक रात्रि जितना मुझसे सम्भव है मैं पेपर पर लिखी बातों को- समयों, स्थानों, तथा ऐसी ही और दूसरी बातों को जितना सम्भव हो सकेगा उतना अधिक से अधिक लेने का यत्न कसँगा ; क्योंकि यह एक ऐतिहासिक घटना है जिसकी ओर हम अग्रसर हो रहे हैं। यह एक ऐतिहासिक घटना है और अब हम इसका अध्ययन करते हुए आगे बढ़ रहे हैं, और इसकी तुलना इस समय से भी कर रहे हैं।

अब, रविवार की सुबह और रविवार की दोपहर .... या बल्कि रविवार की संध्या को हमारा एक शानदार समय रहा था। मैं सुनिश्चित हूँ, कि हमारा एक ऐसा ही समय रहा था। स्वयं मेरा भी एक शानदार समय रहा था।

16 और प्रकाशितवाक्य का.. अब, हम किसका अध्ययन कर रहे हैं? यीशु मसीह के प्रकाशितवाक्य का ! और हमें ज्ञात हुआ था कि परमेश्वर ने प्रकाशन दिया था, और उसने क्या दिखाया था कि वह कौन था? सारे प्रकाशनों में सबसे पहली बात हमने यह जानी , कि परमेश्वर ने यह विदित कराया था, कि वह कौन था ; वह यीशु ही था जो त्रिएकता का कोई तीसरा व्यक्ति नहीं था ; वह तो पूर्णता में ही त्रिएकता था: वही पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा था। और यही प्रकाशन था। और ठीक उसी एक ही अध्याय में ही यह चार बार कहा गया था, वही सर्वशक्तिमान परमेश्वर था ; वही वह है जो था, जो है, और जो आनेवाला है; वह दाऊद का मूल और शाख है।

17 अब, इसके बाद हम यह मालूम करते हैं, कि हम इन बातों में ही सारे मामले को स्पष्ट करने का प्रयास करते हैं ; क्योंकि मैं नहीं जानता हूँ, कि हम इसे फिर से कभी कब सुनेंगे ; हो सकता है शायद कभी नहीं, जबतक कि समय शेष नहीं रहता और अनन्तता में विलीन नहीं हो जाता।

और अब देखिए, जैसा कि मैंने कहा है; बहुतेरे ऐसे भाई-बन्धु, शिक्षक होगें जो इसे बोलने-बतलाने के लिए मुझसे कहीं अधिक श्रेष्ठ हो; और हो सकता है कि शायद उन्हें इसका मुझसे कहीं अधिक बेहतर अनुवाद मिल सकता हो ; लेकिन परमेश्वर ने तो इसे करने के लिए मेरे हृदय पर रखा है; और इस लिए यदि मैं बिलकुल ठीक ठीक वह नहीं बताता हूँ, जो मैंने सोचा है, कि सही है, तो फिर तो मैं एक पाखंड़ी ठहरूंगा। समझे?

अतः मैं...मैं सभी समय परमेश्वर के सम्मुख यह बात स्पष्ट करना चाहता हूँ, कि मैं वैसा ही कह सकें जैसाकि पौलुस ने कहा था, "मैं आंसू भर कर तुम्हें दिन और रात चेतावनी देने से न झिझका, ताकि कलीसिया खड़ी रहे। इसके बाद भी यदि कोई नाश होता है, तो उसका लोहू मेरे हाथों पर नहीं होगा ; क्योंकि मैं तो उस समय सभी लोगों के लोहू से रहित होना चाहता हूँ। अत: यदि आप मुझसे असहमत हो रहे होते हैं, और ऐसा एक अच्छी मैत्रीपूर्ण मनोस्थिति से होता है, तो यह एक अच्छी बात होगी। अब, परन्तु हो सकता है, परमेश्वर कोई ऐसी बात प्रकट करेगा जो हम सब की एक साथ सहायता करेगी।

18 अब देखिए, सबसे पहली बात हम देखते हैं, कि उसने स्वयं अपने आपको प्रकट किया था। अब हम समझते हैं, कि वह कौन है।

अब देखिए, जैसा कि मैंने आगे चलकर पानी के छिडके जाने और बपतिस्मे में पिता, पुत्र, और पवित्र आत्मा के नाम का उपयोग करने के विषय में टिप्पणी की थी.... चूंकि यह एक कैथोलिक बपतिस्मा है, और यह प्रेटिस्टेन्टों का बपतिस्मा या नये नियम का बपतिस्मा नहीं है; अत: मैं आशा करता हूँ, कि मैंने इस बात को स्पष्ट कर दिया है। और मैंने किसी भी व्यक्ति से यह पूछा था, कि वह मुझे पवित्रशास्त्र का कोई भी ऐसा लेख दिखाये जहाँ बाइबिल में कभी किसी व्यक्ति का जब तक कि लौदीकियायी संध नहीं बन गया- जहाँ उन्होने कैथोलिक कलीसिया बनायी थी, तब तक कहाँ किसी व्यक्ति का कभी पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम में बपतिस्मा हुआ था; मेहरबानी करके आप मुझे यह दिखायें। और मैं अपनी पीठ पर "झूठा भविष्यद्वक्ता' लिखकर सारी सड़क पर से होकर गुजरूंगा। अब देखिए, मैंने यह टिप्पणी कठोर बनने के लिए नहीं की ; वरन इसी लिए की ताकि आपको दिखाऊं कि यह सच्चाई है। समझे?

19 अब देखिए, इसके बाद बाइबिल उसको यहां पर प्रकट करती है ; कि वही सर्वशक्तिमान परमेश्वर है जो हमारे मध्य में देहधारी हुआ। समझे ? पिता नहीं; पुत्र नहीं; पवित्र आत्मा नहीं; वह तीन ईश्वर नहीं या एक ऐसा परमेश्वर नहीं है जिसके तीन टुकड़े किये गये हो। वह तो एक ही परमेश्वर है जो तीन कार्य स्थितियों में कार्य करता है : पितृत्व, पुत्रत्व, और पवित्र आत्मा । परमेश्वर अदन की वाटिका वाली स्थिति की ओर फिर से वापस आ रहा है, वह अपना मार्ग फिर से मानव हृदय के अंदर बनाने का यत्न कर रहा है कि उसके अंदर वास करे; और हम फिर से उसके साथ परमेश्वर के पुत्र और पुत्रियाँ हों ; जो कि परमेश्वर हमारे ऊपर, परमेश्वर हमारे मध्य में; परमेश्वर हमारे अंदर वाली अवस्था है। यही तो अन्तर है। समझे?

और अब उन बातों को देखिए... और बाइबिल ही उसे प्रकट करती है, और इसके विषय में प्रकाशितवाक्य के पहले ही अध्याय में पूरी तरह से कहा गया है; और यह बाइबिल में, नये नियम में एक मात्र ऐसी पुस्तक है जो नये नियम का एक सम्पूर्ण संग्रह है; और यही एक

मात्र ऐसी पुस्तक है जिस पर यीशु ने अपनी निज मोहर लगायी है। और सबसे पहली बात ये यही कहती है, कि उसने यही कहा था, "धन्य है वह जो इसे पढ़ता है, और जो इसे सुनता है। और इसके अंत में उसने कहा था, यदि कोई इसका कोई भी भाग बाहर निकालें, या इसमें कुछ जोड़े, तो उसका भाग भी जीवन की पुस्तक में से बाहर निकाला जायेगा।" अत: जो कोई इसमें से कुछ निकालता है उसके लिए एक स्राप ठहराया गया है।

यह तो यीशु मसीह का सम्पूर्ण प्रकाशन ही है। अत: यदि हम उसे तीन बनाते हैं, तो आप जानते हैं कि क्या होता है; देखिए, आपका नाम ही बाहर निकल जाता है।

20 और कोई भी, कोई भी प्रोटिस्टेन्ट, कोई भी आरम्भिक कलीसिया क़भी भी तीन ईश्वरों पर विश्वास नहीं करती थी। नीसियन कॉन्सिल में यह एक बहुत बड़ा मुद्दा था ; और जैसा कि कहा जाये, इससे एक प्रकार से दोनों प्रकार की शाखाएँ बाहर निकलीं। त्रिएकता के अनुयायी; त्रिएकता को मानने वाले वे लोग जो त्रिएकता पर विश्वास करते थे; वे आखिरकार कैथोलिक कलीसिया के रुप में परमेश्वर को तीन व्यक्ति बना रहे थे। और वहीं पर एक ऐसा झंड़ था जिसने विश्वास किया था, कि परमेश्वर एक ही है; और वे दूसरी ओर अग्रसर हो गये थे, ताकि वे एक परमेश्वरवादी हो जायें। वे दोनों ही गलत थे।

परमेश्वर नहीं हो सकता.... ना तो यीशु अपना ही निज पिता हो सकता है; और ना ही यीशु का पिता हो सकता है; और चूँकि वह... ना तो ऐसा है कि तीन ईश्वर हों। यह...यह तो काम ही नहीं कर सकता। क्योंकि यदि उसका एक पिता था और उसका वह पिता उसके अलावा कोई और मनुष्य था; तो फिर तो वह था.... और पवित्र आत्मा ही कोई वह कोई दूसरा वाला है; तब तो वह एक नाज़ायज़ औलाद ठहरा।

और बाइबिल कहती है, कि पवित्र आत्मा उसका पिता था। और यदि हमारे पास पवित्र आत्मा है, तब तो यह पवित्र आत्मा नहीं है, वरन यह तो पिता ही है जो हमारे अंदर पवित्र आत्मा के नाम से है और हमारे अन्दर उस कार्य स्थिति का उपयोग कर रहा है; क्योंकि यह तो एक बार को उस मनुष्य के अंदर था जो आत्मा कहलाता था; वही वापस आता है और अब ठीक वही यहोवा परमेश्वर हमारे अंदर है। समझे?

21 कोई तीन ईश्वर नहीं है।

तीन ईश्वर तो प्रतिमापूजक, और मूर्तिपूजकों में ही होते हैं; और वहीं से ही इसे लाया गया था। और यदि आप इस सप्ताह भर ठहरे रहते हैं और प्रतिकूल प्रभाव डालने के लिए ठहरे नहीं रहते हैं, परन्तु आप इतिहास में से इस पर दृष्टि डालते हैं, और इसे इतिहास से ग्रहण करते हैं तो आप जान सकते हैं। आप ठीक उन्हीं इतिहासों को लें जिन्हें मैं लेता हूँ, या आप किसी भी... किसी भी इतिहास को लें। आइये हम इस बात को जान लें, कि सारे इतिहास ठीक एक ही बात पर सहमत होते हैं। उन इतिहासकारों को तो किसी एक ही पक्ष से कोई सरोकार नहीं था, उनकी रुचि तो उन सच्चाइयों का उल्लेख करने में ही थी; जो घटित हुआ था।

और देखिए, कि वह चीज़ किस प्रकार से रेंगती हुई लूथरन के ज़रिये अंदर आ गयी, और फिर वैसली से होते हुए आगे बाहर निकलकर आयी, और फिर इन अंत के दिनों में - वह अर्थात् पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम में बपतिस्मा उज़ागर होता है; बस आप उस पर दृष्टि डालकर देखिएगा जहाँ यह अंधेरे कालों में कैथोलिक कलीसिया के अंदर आया, और लूथर से होकर बाहर निकलकर आया, और वैसली से होकर आगे बढ़ता गया; और अंत में वैसली और लौदीकिया के मध्य में इसे बेनकाब होना था। यह सच है।

और अब देखिए, यह सब इतिहास के ही तथ्य हैं, और ना केवल इतिहास के ही वरन बाइबिल के भी तथ्य हैं।

22 और अब, आज रात्रि हम उन सात कलीसियायी कालों की ओर बढ़ रहे हैं। जो कि वे सात कलीसियाऐं थी जो कि इस पुस्तक के लिखे जाने से भी पहले एशिया माइनर में थीं। उस समय में ये जो कलीसियाऐं थीं उन में अवश्य ही इन आगे आनेवाले कलीसियायी कालों के गुण-चरित्र थे; क्योंकि ऐसा है.... वहाँ पर इससे भी अधिक और भी कलीसियाऐं थीं ; उस समय वहाँ पर कुलुस्सियों की कलीसिया तथा दूसरी कई कलीसियाएं थीं लेकिन परमेश्वर ने उन कलीसियाओं को उनके गुण-चरित्र के कारण ही लिया ।

अब, हमने यह मालूम किया है, कि वह जो सोने की सात दीवटों के मध्य में खड़ा हुआ था, उसके एक हाथ में सात तारे थे। और उसने इन तारों के विषय में पहले ही अध्याय के बीसवें पद में कहा था, कि वे सात कलीसियाओं के सात दूत हैं।

23 अब देखिए, उन्होंने बाइबिल के इस प्रकाशितवाक्य को नहीं समझा था। क्योंकि उनके लिए इससे क्या भला होता, कि वे दृष्टि लगाये रहते और बाट जोहते रहते; यदि वे जानते होते कि मसीह के आगमन से पहले हज़ारों वर्ष होंगे? यह उन्हें नहीं दिया गया था।

और मैं तुम लोगों से जो यहाँ पर हों, तुम कैथोलिकों से, तुम लूथरनों से, तुम मैथोडिस्टों से तथा और दूसरे ऐसे ही लोगों से यह कहता हूँ, कि यह अर्थात् यह उजियाला जो आज वचन पर है मार्टिन लूथर को नहीं दिया गया था। ना ही यह जॉन वैसली को दिया गया था। जॉन वैसली ने पवित्रीकरण का प्रचार किया था जिसे लूथर ने उपेक्षित करके छोड़ दिया था। और उजियाला वैसे ही आता है जैसी हमें उसकी आवश्यकता होती है। परमेश्वर उसे कहता है, और वह हम पर दृष्टिपात होता नहीं है, क्योंकि यह हमारी आंखों से तब तक के लिए छिपा रहता है जब तक कि परमेश्वर ही इसे हम पर प्रकट न कर दे।

मुझे आश्चर्य है, कि जब हम यहाँ से बाहर निकलकर जायेंगे, तो यह क्या होगा? जी हाँ, मैं इस बात में बहुत अधिक आश्वस्त हूँ, कि उसके विषय में बहुत बहुत, बहुत कुछ होगा, जिसके विषय में हम कुछ नहीं जानते हैं। यह सच है। यदि हम प्रकाशितवाक्य की ही पूरी की पूरी पुस्तक लेते हैं, तो वहाँ हमें सात मोहरें मिलती हैं। उन्हें पुस्तक के पीछे मोहरबंद किया गया था। यहाँ तक है कि वह नहीं है.... वह पुस्तक में लिखी हुई भी नहीं हैं। और उन मोहरों का इन कलीसियायी कालों के दौरान खुलासा होना है; और परमेश्वर के अन्तिम सात भेदों को प्रकट किया जाना है। मैं तो चाहूँगा, कि मैं तो बस सारी सर्दियाँ इसके लिए रखें और हम बस इसका अध्ययन करते चले जायें। जी हाँ श्रीमान! सात कलीसियायी काल....

24 जैसा कि दानिय्येल ने सात गर्जन के शब्द सुनें थे और उसे लिखने के लिए मना किया गया था, और यूहन्ना ने भी वैसे ही शब्द सुनें थे, और इस पुस्तक पर मोहर की गयी थी; और इस पुस्तक को पीछे से सात मोहरों के द्वारा मोहरबंद किया गया था। परन्तु इन दिनों में इन मोहरों को खुलना है; और परमेश्वर के गुप्त मनोरथ पूरे हो। जायेंगे। दूसरे शब्दों में यह है, परमेश्वर अपनी कलीसिया पर प्रकट होगा; तीन मनुष्यों के रुप में नहीं ; वरन एक ही व्यक्ति के रुप में। परमेश्वर के भेद का खुलासा होगा; और जब उसका पूरी तौर से खुलासा हो जाता है, तो सात गुप्त भेद कलीसिया पर प्रकट हो जायेंगे, क्योंकि वहाँ पर सच्ची कलीसिया पवित्र आत्मा की प्ररेणा में जी रही होगी; और वह उसके अंदर -बाहर विचरण कर रहा होगा, और इस बात का चिन्ह दिखा रहा होगा, कि वह जीवता है और हमारे मध्य में है, हमारे मध्य में वास कर रहा है ; और तब हम उस जीवते मसीह की जो हमारे मध्य में वास कर रहा होता है अराधना उपासना कर रहे होते हैं।

25 आप कभी भी बड़ी बड़ी कलीसियाओं और बड़ी बड़ी बातों की राह न देखें। जब हम इसका अध्ययन करते हुए इस पिन्तेकोस्तल युग पर पहुँचेंगे, तो आप निश्चित रुप से देखेंगे, कि वे कहाँ पर नाश हुए। "लौदीकियायी" कलीसिया का ही अर्थ, "धनी, किसी चीज की आवश्यकता नहीं- किसी चीज की घटी नहीं होता है ; और वे यह नहीं जानते हैं, कि वे तुच्छ, नंगे, कंगाल, और अंधे हैं, और वे यह जानते भी नहीं हैं। समझे? वे अपार धन-दौलत, और बड़ी बड़ी इमारतों के तथा ऐसी ही और दूसरी वस्तुओं के पीछे हो लिये थे; जबकि सच्ची कलीसिया हमेशा ही जगत की खुरचन के जैसी ही रही है। उन से लोगों के द्वारा नफ़रत की गयी, उन्हें बाहर निकाल दिया गया; वे परदेशी होकर वहाँ कहीं भी रहें जहाँ वे रह सकते थे।

आप ज़रा इब्रानियों का 11 अधयाय पढकर देखें, और उसके अन्तिम छ: या आठ वाक्यांश लेकर देखें; कि कैसे वे रेगिस्तानों में भटकते फिरे, और....और भेड़ों की खाल और बकरियों की खाल ओढ़े इधर-उधर मारे मारे फिरे, वे बेसहारा, और दुखी-पीड़ित और सताये हुए थे। वे लोग जो वहाँ पर थे.... वे लोग जो वहाँ पर थे न्याय के दिन उन लोगों की गवाही के सामने हमारी गवाही कैसे टिकेगी ? समझे?

26 अब, इस कलीसियायी काल में..... हमारे पास सात कलीसियाऐं हैं। अब, मैं उन्हें चित्रित करना चाहता हूँ। मैं नहीं सोचता हूँ कि आप उन्हें यहाँ से देख सकते हैं; हो सकता है, कि आप में से कुछ इसे देख सकते हों। मुझे इस बात में बहुत अधिक संदेह है; लेकिन मैं इसे फिर भी चित्रित करने का यत्न कराँगा (मैं जानता हूँ कि आप जो यहाँ नीचे बैठे हैं इसे नहीं देख सकते हैं।) मैं इन सात कलीसियायी कालों को बनाऊँगा। मैं इसे अपने हाथ में पकड़े रहूँगा जिससे आप इसे समझ जायें।

इसका आरम्भ होता है- कलीसिया का आरम्भ पिन्तेकुस्त पर हुआ था। क्या कोई इस बात से इंकार कर सकता है? जी नहीं! कलीसिया की पिन्तेकुस्त पर पिन्तेकुस्त वाली आशीषों के साथ ही शुरुआत हुई थी; और उसे यीशु के लोहू के द्वारा तब तक के लिए ठहराया गया था, कि वह तब तक चलती रहे जब तक कि अन्तिम दिन में ठीक वही संदेश और ठीक वही आशीषे काम न कर रही हों। उसकी अपनी कलीसिया को दी गयी उसकी अन्तिम आज्ञा मरकुस 16 में पायी जाती है। सारे जगत में जाकर सुसमाचार का प्रचार करो; जो विश्वास करे उनके ये चिन्ह होंगे।" किसको सुसमाचार का प्रचार करो? "सारी सृष्टि को'; चाहे काला, भूरा, पीला, श्वेत; चाहे जो कोई भी प्राणी हो—सुसमाचार का प्रचार हर एक प्राणी को किया जाना है। और जो विश्वास करे उनके ये चिन्ह होंगे।"

अब, आज रात्रि हम इसका सावधानी से अध्ययन करते हुए आगे बढ़ रहे हैं, हम ने आज रात्रि बस इसमें से काटकर निकालना आरम्भ ही किया है, हम प्रत्येक रात्रि को इसमें से ऐसा बड़ा एक टुकड़ा काटकर तब तक आगे बढ़ते जायेंगे जब तक कि हम अपने वाले कलीसियायी काल पर नहीं आ जाते हैं।

अब, हमें यह मालूम होता है, कि वह उसकी आज्ञा थी।

27 अब देखिए, पहला कलीसियायी काल इफिसुस कलीसियायी काल था। दूसरा कलीसियायी काल स्मुरना था। तीसरा कलीसियायी काल पिरगुमन था। चौथा कलीसियायी काल थुआतीरा था। पांचवाँ कलीसियायी काल सरदीस था। और छठवां कलीसियायी काल फिलेदिलफिया था। और सातवां कलीसियायी काल लौदीकियायी काल था।

अब देखिए, प्रथम कलीसियायी काल लगभग सन् 53 ईसवीं में तब आरम्भ हुआ था जब पौलुस ने इफिसुस में कलीसिया की स्थापना की थी। अपने प्रचार-कार्य के क्षेत्र के कार्य की यात्रा दौरान—दौरान ही उसने इफिसुस में.... में कलीसिया की स्थापना की थी, जो कि इफिसुस की कलीसिया कहलायी थी और वह इसका तब तक याजक (चरवाहा) रहा जब तक कि सन् 66 में उसका सिर कलम न कर दिया गया था...इस प्रकार से वह लगभग बाइस वर्षों के लिए इफिसुस की कलीसिया का चरवाहा रहा। हमें बताया गया है, कि उसकी मृत्यु के बाद संत पौलुस... या संत यूहन्ना दिव्य इस कलीसिया का याजक हुआ और वह इसे आगे बढ़ता हुआ इस काल के अंदर लेकर आया; और यह कलीसियायी काल सन् 170 ईसवीं तक विद्यमान रहा।

28 इफिसुस कलीसियायी काल जो कि सन् 53 ईसवीं से लेकर सन् 170 ईसवीं तक रहा, उसके बाद स्मुरना कलीसियायी काल आरम्भ हुआ जो कि सन् 170 से सन् 312 ईसवीं तक विद्यमान रहा। इसके बाद पिरगुमन कलीसियायी काल आता है; और पिरगुमन कलीसियायी काल सन् 312 ईसवीं में आरम्भ हुआ और सन् 606 ईसवीं तक विद्यमान रहा। इसके बाद थुआतीरा कलीसियायी काल आया, और थुआतीरा का कलीसियायी काल सन् 606 ईसवीं में आरम्भ होकर सन् 1520 ईसवीं तक चला, जो कि अंधरे काल भी रहा।

और इसके बाद सरदीस कलीसियायी काल सन् 1520 ईसवीं में आरम्भ हुआ और सन् 1750 तक कायम रहा। और यह लूथरन कलीसियायी काल भी कहलाया। इसके बाद सन् 1750 ईसवीं से जो अगला काल आया वह फिलेदिलफिया कलीसियायी काल, अर्थात् वैसली वाला काल था; इसका आरम्भ सन् 1750 में हुआ और यह सन् 1906 ईसवीं तक कायम रहा। और सन् 1906 में लौदीकियायी काल आरम्भ हुआ, और मैं नहीं जानता हूँ कि इसकी समाप्ति कब होगी। परन्तु मैं यह पूर्वानुमान बताता हूँ, कि यह सन् 1977 तक समाप्त हो जायेगा। मैं यह पूर्वानुमान ही बताता हूँ, प्रभु ने मुझे नहीं बताया है; लेकिन मैं उस दर्शन के आधार पर जो मुझे कुछ वर्षों पहले दिखाया गया था यह पूर्वानुमान बता रहा हूँ; दर्शन की उन सात बातों में से पाँच बातें तो पूरी हो चुकी हैं....पाँच पहले ही से पूरी हो चुकी हैं...

29 यहाँ इस कलीसिया में कितने ऐसे हैं जिन्हे वह दर्शन स्मरण है? निश्चय ही ! कहा था, कि यहाँ तक कि कनैडी का इस अन्तिम चुनाव में किस प्रकार से चयन होगा। स्त्रियों को किस प्रकार से मतदान (वोट) डालने का अधिकार प्रदान किया जायेगा। किस प्रकार से रोसावेल्ट संसार को युद्ध में झोंकेगा। किस प्रकार से मिसलौनी इथोपिया जायेगा; और यह उसका पहला आक्रमण होगा, और वह उसे अपने अधिकार में ले लेगा; यही उसका अंत होगा; इसके बाद वह मृत्यु को प्राप्त होगा। किस प्रकार से इन बड़े बड़े वादों (Isms) का उदय होगा, और इन सब का साम्यवाद में विलय हो जायेगा; हिटलरवाद, और मिसलौनीवाद, और नाज़ीवाद तथा ऐसे ही और दूसरे वाद वापस जाकर साम्यवाद में विलीन हो जायेंगे।

और इसके विषय में इसके 11 वर्ष पहले ही बता दिया गया था—यह कह दिया गया था कि हम जर्मन के साथ युद्ध करेंगे; और जर्मन कांकरीट की दीवार मैगोनाइट लाइन के अंदर किलाबंद होगा। यह बिलकुल ठीक उसी प्रकार से ही घटित हुआ था। कहा गया था, कि फिर उसके बाद ऐसा होगा... ऐसा होगा कि विज्ञान इतनी अधिक उन्नत हो जायेगी, कि वे एक ऐसी कार का अविष्कार करेंगे, कि कारें सभी समय "अंडाकार होती चली जायेंगी। और यह दर्शन ठीक यहाँ पर वहाँ उस अनाथालय में बताया गया था जहाँ अब चर्च ऑफ क्राइस्ट खड़ा हुआ है। शायद चार्ली कूरन आज रात्रि इस इमारत में हैं...उस समय उस स्थान पर रहा करता था।

एक रविवार की सुबह लगभग सात बजे इसे दिखाया गया था। और इसने कहा था, "इसके बाद ऐसा होगा, कि वे एक ऐसी कार का अविष्कार करेंगे जिसमें उन्हें स्टेरिंग व्हील की भी आवश्यकता नहीं होगी; उसे किसी प्रकार की सामर्थ के द्वारा नियन्त्रित किया जायेगा।" अब यह उनके पास है। अब यह उनके पास है; यह चुम्बकीय सामर्थ के द्वारा ; रडार के द्वारा नियन्त्रित होती है। यहाँ तक कि उनके पास नहीं होता....उसे तो आपको रडार के द्वारा वहाँ के लिए जहाँ पर आप जा रहे होते हैं। व्यवस्थित कर देना होता है; और वह अपने आप ही

चलती रहती है, आपको उसे चलाना नहीं पड़ता है।

30 अब देखिए; वहाँ इसमें यह कहा गया था, उस समय में संयुक्त राज्य में एक बड़ी स्त्री उठ खड़ी होगी।" और वह सुसज्जित और सुंदर थी; परंतु वह हृदय से क्रूर थी। जिस कागज पर मैंने इस दर्शन को लिखा था वह भी पीला पड़ चुका है- उस पर मैंने कोष्टक में लिखा था, "शायद यह कैथोलिक कलीसिया है।" और महिलाओं को वोट डालने का अधिकार प्रदान करना इस देश के लिए एक गलत आदमी का चुनाव करने में सहायता करेगा। और यही है वह जो उन्होंने किया है। यह बिलकुल सच है। अब देखिए, यह कहा गया था, "यह तो बस शुरुवात ही होगी।' अब, इसने एक और बात कही थी... इसके तुरन्त बाद ही मैंने देखा था, कि यह देश जलता हुआ राख का ढ़ेर बन गया है, और बस चकनाचूर हो गया है।

अब यदि वे बातें घटित हो चुकी हैं, तो ये दूसरी बातें भी घटित होंगी। हम हैं.... पर...यही कारण है कि मैं यहाँ पर रहते हुए इसे लेने का और इसे इन लोगों पर जो यहाँ जैफरसनविले में हैं दर्शाने का प्रयास कर रहा हूँ; क्योंकि मैं बहुत ही जल्द फिर से प्रचार-कार्य के क्षेत्रों में घूसने का निश्चय कर रहा हूँ; और मैं नहीं जानता हूँ कि मुझे किस समय बुला लिया जाये या उठा लिया जाये। मैं— मैं ... हम वह नहीं जानते हैं- और मैं इस बात में सुनिश्चित होना चाहता हूँ कि मैंने.... यह हो जाये, कि कलीसिया उस घड़ी को जान जायें जिसमें हम रह रहे हैं; क्योंकि सर्वशक्तिमान परमेश्वर मुझे इसके लिए उत्तरदायी ठहरायेगा।

31 अब, अब देखिए, वहाँ पर दिये गये पवित्र वचनों के अनुसार इन कलीसियाओं में से हर एक कलीसिया के पास एक दूत था। और जो दूत था... कितने लोग यह जानते हैं, कि "दूत" का क्या अर्थ होता है? इसका अर्थ "संदेशवाहक होता है; यह एक सुसमाचारदूत होता है। और वहाँ — वहाँ उन सात कलीसियाओं के लिए सात दूत थे, जिसका अर्थ यह है कि उनके पास सात संदेशवाहक थे। अब देखिए, और वे उसके हाथ में के तारे थे। और उसके हाथ में ये जो बारह- - ये जो सात तारे हैं उन्हें रात के इस समय में जिसमें कि हम रह रहे हैं उसकी उपस्थिति के उजियाले को वैसे ही चमकाना होता है जैसे तारे पृथ्वी पर सूर्य का उजियाला चमकाते हैं; और ऐसा उजियाला करते हैं कि हम चल फिर सकते हैं, और रात के समय में भी इधर-उधर जा सकते हैं।

अब, इसके बाद हमें यह विदित होता है,कि इस समय के दौरान उन में से प्रत्येक दूत का अपना एक स्थान और स्थिति होती है। और भाइयों आज रात्रि हम इसे नहीं लेंगे, क्योंकि हम पहली कलीसिया के दूत को जानते हैं; परन्तु इन दूसरी कलीसियओं के दूतों को इतिहास से ढूंढ़ निकालकर आपके सामने रखना एक बहुत ही भेदपूर्ण और शानदार बात होगी।

पहली कलीसिया का दूत संत पौलुस था; उसने ही इसकी स्थापना की थी, वह परमेश्वर का सुसमाचारदूत था। इफिसुस की कलीसिया का दूत संत पौलुस था। कलीसिया...

अब वह कारण जो मैंने...

32 अब, हो सकता है, कि आप इन दूसरे वालों पर मुझसे असहमत हों; परन्तु मैं दिव्य प्ररेणा के अन्र्तगत कई कई दिनों तक तब तक बाट जोहता रहा जब तक कि मैंने यह अनुभव न कर लिया, कि पवित्र आत्मा ने ही मुझे छून लिया और मुझे अभिषिक्त न कर दिया। यही कारण है, कि मैं इन्हें जानता हूँ। और मैंने इन पुरुषों पर जिन्हें लिया गया है गहन दृष्टि डाली है। यदि आप एक इतिहासकार है, तो.... ठीक जिन पुरुषों को मैंने यहाँ पर लिया है, और जिन्हें मैं प्रकाशन के द्वारा जानता हूँ वे कलीसिया के लिए दूत थे और उनके पास ठीक वैसी ही सेवकाई थी जैसी कि इनके पास आरम्भ में थी। और यह सेवकाई बदल नहीं सकती है; इसे तो सभी समय ही पिन्तेकुस्त वाली सेवकाई ही रहना चाहिए।

33 अब, यहाँ पर जो इतिहासकार बैठे हुए हैं वे मुझसे इस पुरुष पर असहमत होने जा रहे हैं। परन्तु स्मुरना की कलीसिया के विषय में मैं कहूँगा, कि यह इरेनियस ही है। जिसे मैं जानता हूँ, कि वह उस दिन का दूत था। पोलीकार्प ; आप में से बहुतेरे कहेंगे, कि वह पोलीकार्प था ; वरन बनाये इसके कि आप यह कहें कि यह वही था। परन्तु जहाँ तक धर्म की बात है पोलीकार्प संस्था की ओर तथा कैथोलिक मत की ओर बहुत अधिक झुक गया था।

परन्तु इरेनियस एक ऐसा पुरुष था जो अन्यान्य भाषाओं में बोलता था; और उसके पास परमेश्वर की सामर्थ थी, और उसके पास चिन्ह थे। ऐसा ही था। वह परमेश्वर का उजियाला दिखानेवाला एक दूत था; और पोलीकार्प के क्रूस पर मर जाने के बाद या उसकी हत्या हो जाने के बाद, उसका कत्ल हो जाने के बाद इरेनियस ने जो कि उसके शिक्षार्थियों में से एक था उस उजियाले को जलाये रखा था। और पोलीकार्प संत पौलुस ... या संत यूहन्ना का शिष्य था। और उसके बाद इरेनियस ने उसका स्थान लिया, और वह उजियाला लेकर आया।

34 और पिरगुमन के.. के उजियाले का दूत महान संत मार्टिन था। मैं नहीं सोचता हूँ, कि यीशु मसीह के अतिरिक्त - पृथ्वी पर संत मार्टिन को छोड कर कभी पृथ्वी पर उससे अधिक महान व्यक्ति रहा हो। सामर्थ ! उसको जान से मारने वाला जब उसका सिर काटने के लिए उसके पास आया, (वह चिन्हों, और आश्चर्यकर्मों, और पिन्तेकुस्त वाली आशीषों पर विश्वास करता था।) और जब वे उसके पास आयें, तो वे उसे जान से मारने जा रहे थे, जब मारने वाले ने उसका वस्त्र पीछे को खींचा, और उसकी गर्दन उनकी ओर पकड़ी, और जब घात करनेवाले ने उसका सिर काट डालने के लिए अपनी तलवार बाहर निकली, तो परमेश्वर की सामर्थ ने उसे उसके पीछे से धक्का देकर मारा, और वह उससे यह पूछने के लिए.... अपने घुटनों पर रेंगता हुआ सा चलकर आया....?...वह उस कलीसिया का दूत था।

उसके विषय में और दूसरी भी बातें हैं। देखिए, कैसे उसने... उसके भाइयों में से एक को फाँसी दे दी गयी थी; और वह उसे ढूंढ़ने की कोशिश करने के लिए पथ पर था; वह यह देखने के लिए कि क्या घटित हुआ है पथ पर था। और जब वह वहाँ पहुँचा, तो वे उसे फांसी पर चढ़ा चुके थे। और वह वहाँ पर मरा हुआ खींचा हुआ पड़ा था, उसकी आंखें उसके कपाल में से बाहर की ओर निकल आयीं थीं। वह अंदर चलकर उसके पास पहुँचा, और वह अपने घुटनों पर गिर गया, और उसने अपनी देह उसके ऊपर एक घंटे के लिए पसार दी, और प्रार्थना करता रहा। और परमेश्वर की सामर्थ उस मनुष्य पर आयी, और उसने उसका हाथ पकड़ कर उसे ऊपर उठाया, और वह उस प्रकार से उसके साथ बाहर निकलकर गया।

यह ठीक वैसे ही इतिहास है जैसे कि जॉर्ज वाशिंगटन,अब्राहम लिंकन, या किसी और के विषय में इतिहास होता है। यह इतिहास है। जी हाँ, श्रीमान, संत मार्टिन पिरगुमन की कलीसिया के लिए दूत था; जबकि इसके बाद कलीसिया का वैवाहिक गठबंधन लोगों को कैथोलिकवाद के पीछे ले गया था।

35 थुआतीरा की..की कलीसिया का... का दूत कोलम्बा था। सरदीस की कलीसिया का— मृत कलीसिया का... दूत.. "सरदीस' शब्द का अर्थ "मरा हुआ होता है-यह एक नाम के साथ, उसके नाम के साथ नहीं, वरन एक नाम के साथ बाहर निकल कर आयी। परंतु तेरा एक नाम है कि तू जीवता है (तू नाम का तो जीवता कहलाता है) पर तू है मरा हुआ।" आप देखिए, कि वे उस दिन में बपतिस्में को किस प्रकार से

लेकर आये। देखिए, वह इससे ही निकलकर आया था। सरदीस की कलीसिया का दूत मार्टिन लूथर था जो कि पहला सुधारक हुआ।

फिलेदिलफिया की कलीसिया का दूत अर्थात् सुसमाचारदूत जॉन वैसली था। और लौदीकिया की— की कलीसिया का दूत अभी तक मालूम नहीं है। किसी दिन वह मालूम वह जायेगा। परन्तु शायद वह ..... पृथ्वी पर ....(टेप में रिक्त स्थान-सम्पा.) जिसके कान हों,.....(टेप में खाली जगह- सम्पा.) जान लीजिए, कि यही वह काल है जिसमें हम रह रहे हैं। परमेश्वर ही इसका न्याय करेगा।

36 अब| देखिए, अब ध्यान दीजिए; और अब हम पवित्र वचनों पर आयेंगे, हम फिर से पहले कलीसियायी काल पर आयेंगे। अब मैं चाहूँगा... मेरे पास यहाँ पर कुछ छोटी छोटी बातें लिखी हुईं हैं, जिन्हें मैं चाहूंगा कि आप बड़े ही ध्यानपूर्वक सुनें।

पहली कलीसिया; इफिसुस की कलीसिया के, उस कलीसिया के काम - वे प्रेम रहित काम थे जिनके लिए परमेश्वर ने उनकी भर्त्सना की थी। उनका प्रतिफल जीवन का वृक्ष था। स्मुरना की कलीसिया एक ऐसी कलीसिया थी जिसे सताया गया था, जो कलेश में से होकर गुज़री थी; उसका प्रतिफल था: जीवन का मुकुट। तीसरा कलीसियायी काल पिरगुमन कलीसियायी काल था; यह झूठी शिक्षा का काल था जिसमें शैतान झूठ बोल रहा था, शैतान पोप-सम्बन्धी शासन की नेव रख रहा था, कलीसिया और सत्ता का वैवाहिक गठबंधन हो रहा था। इसका प्रतिफल था: गुप्त मन्ना और एक श्वेत पत्थर। थुआतीरा कलीसियायी काल पोप के अधिपत्य का, अंधेरे कालों का काल था। इस काल का प्रतिफल था: जाति- जातियों पर अधिकार व शासन और भोर का तारा। यह अल्पमत या छोटा झुण्ड ही था जो इसमें से होकर गुज़रा।

37 सरदीस की कलीसिया का काल सुधार का काल था। महान मिशनरी कार्य का काल... मिशनरी कार्य का नहीं—परंतु गुप्त नाम थे ; उनके अपने नाम थे। और प्रतिफल था: श्वेत वस्त्र और जीवन की पुस्तक (जिसे न्याय पर आना है) में नाम। हमने इसका , जीवन की पुस्तक का किसी और दिन अध्ययन किया था। आपका न्याय जीवन की पुस्तक के द्वारा ही होना है। वे पवित्र लोग जो बदल गये हैं और उसके बगैर उठा लिये गये हैं वे उस पर नहीं ज़ाते हैं।

फिलेदिलफियायी कलीसियायी काल भाईचारे की प्रीति का काल था, एक महान कार्यभार का काल था ; और महान मिशनरी कार्य का काल था, खुले द्वार का काल था। और प्रतिफल था: एक..एक खम्भा। इस काल के दौरान- -दौरान ही परमेश्वर के नामों (लोगों) को प्रकट होना था। इसका समापन सन् 1906 ईसवीं के आसपास हुआ था। यह बिलकुल ठीक बात है।

लौदीकियायी काल ऐसी नीममर्ग, धनी कलीसिया का काल था जिसके पास चीज़ों की बढ़ती थी; और जिसे कोई घटी नहीं थी, परन्तु वह तुच्छ, कंगाल, और अभागा, और नंगा था। और जो उस काल में जय पाये उसके लिए प्रतिफल यह था: कि प्रभु के साथ सिंहासन पर बैठेगा।

38 अब, आज रात्रि शुरुआत करने के लिए- ताकि आपको आज रात्रि की सभा के विषय में थोड़ा सा दिखायें, हम दूसरा अध्याय, आर्थात् पहला कलीसियायी काल लेने जा रहे हैं। अब हम... उसने प्रकट किया था; और हम जानते हैं कि वह कौन है, वह परमेश्वर है।

अब जैसाकि मैंने कहा था, यह कलीसियायी काल लगभग सन् 53 ईसवीं में आरम्भ होकर सन् 170 तक रहा। और इफिसुस एशिया के तीन बड़े नगरों में से एक था, और यह बहुदा मसीही विश्वास का तीसरा नगर कहलाता था (पहला यरुशलेम था, दूसरा अंताकिया था, और तीसरा इफिसुस था) यह महान वाणिज्य और व्यापार का नगर था... इसमें रोमी सत्ता थी। इसकी भाषा ग्रीक थी।

इतिहासकार यह विश्वास करते हैं कि यूहन्ना, मरियम, अंद्रियास, और फिलिप्पुस को- इन सभों को यहाँ पर मिट्टी दी गयी थी। और इफिसुस अपनी सुंदरता के लिए विख्यात था।

39 इफिसुस में मसीहियत वहाँ पर थी जहाँ पर यहूदी थे। और इसकी स्थापना सन् 53 या सन् 55 ईसवीं के लगभग की गयी थी। वहाँ पर मसीहियत पौलुस के द्वारा बोयी गयी थी। बाद में संत पौलुस ने इफिसुस में तीन वर्ष व्यतीत किये थे। पौलुस की शिक्षा ने इफिसुस में रहनेवाले विश्वासियों पर बड़ा गहरा प्रभाव डाला था।

इसके बाद, तीमुथियुस इफिसुस की कलीसिया का पहला बिशप हुआ। पौलुस ने इफिसुस की कलीसिया को पत्री लिखी थी। पौलुस के समय में यह एक महान कलीसिया थी। "इफिसुस" का अर्थ होता है, "इफिसुस' शब्द का अर्थ होता है, "छोड़ दो, विश्राम करो - पिछड़ा हुआ, विश्वास में पिछड़ा हुआ।"

परमेश्वर ने इसे ''विश्वास में पिछड़ी हुई कलीसिया'' कहा था। परमेश्वर ने... परमेश्वर ने उनके कामों पर, उनके पहले कामों पर, उनके परिश्रम पर, और उनके धैर्य पर गौर किया था। परमेश्वर ने उन्हें उनके रहन-सहन के कारण ...उनके पहले से प्रेम को छोड़ देने के कारण, पिछड़ जाने के कारण, और उजियाले को और अधिक थामे न रहने के कारण उलहाना दिया था।

इफिसुस बहकावे में आयी हुई- बहकी हुई कलीसिया नहीं थी; परन्तु वह सिद्ध प्रेम में निरन्तर बने न रहने के कारण विफल हो गयी थी।

40 इफिसुस का सारांक्ष यह है, कि उसके फल थे: प्रेमहीनता, और धर्मत्याग की ओर अग्रसरता। प्रतिज्ञाएँ यह थीं: इफिसुस के कलीसियायी काल में जयवंत हुए संतों के लिए स्वर्गलोक देने की, जीवन का वृक्ष देने की प्रतिज्ञा की गयी थी।

यहाँ पर एक सुंदर बात है। उत्पत्ति की पुस्तक में जीवन के वृक्ष का तीन बार उल्लेख किया गया है, और प्रकाशितवाक्य में भी जीवन के वृक्ष क़ा तीन बार उल्लेख किया गया है। उत्पत्ति में... में सबसे पहली बार इसका वर्णन यह किया गया था, कि यह अदन की वाटिक़ा में था, और मसीह ही वह वृक्ष था। प्रकाशितवाक्य में इसका तीन बार वर्णन किया गया; यह स्वर्ग लोक में मसीह था। ओह, यह असीम है। प्रभु ही आशीष प्रदान करे।

41 अब हम इफिसुस के पहले अध्याय से... दूसरे अध्याय के पहले पद से, इफिसुस की कलीसिया की शुरुवात करते हैं।

> *इफिसुस की कलीसिया के दूत को यह लिख, जो सातों तारे अपने दहिने हाथ में लिये हुए है, और सोने की सातों दीवटों के बीच फिरता है, वह यह कहता है:*

इस समय पर यूहन्ना सुसमाचारदूत है। जो सोने के सात चिरागदानों के बीच चल फिर रहा था वह सर्वशक्तिमान परमेश्वर यीशु मसीह है। वह क्या कर रहा है? उसने यह नहीं कहा था, कि वह एक चिरागदान के मध्य में ही चल फिर रहा था, वरन वह तो उन सातों के मध्य ही चल फिर रहा था। यह क्या दर्शाता है? - कि वह कल, आज और युगानुयुग एक सा है; और वह हर एक काल में हर एक विश्वासी के लिए एक सा है। वह प्रत्येक कलीसियायी काल में, और प्रत्येक व्यक्ति के पास पवित्र आत्मा के साथ आता है: वह कल, आज और युगानुयुग एक सा है।

42 ..."अपने दहिने हाथ में लिये हुए हैं...." "दहिने हाथ' का अभिप्राय उसका अधिकार और सामर्थ' है। वह अपने दाहिने हाथ में, अपने नियंत्रण में सातों कलीसियायी कालों के सातों दूतों को लिये हुए है। ओह, मुझे यह बात अच्छी लगती है। वह उसे, अर्थात् मसीह को इन कलीसियायी कालों में से होकर चलता फिरता देखता है; और वह इन अंधेरे कालों में से होकर ; इन प्रत्येक कालों में से होकर स्वयं अपनी अपने लोगों पर पहचान करा रहा होता है, जबकि कलीसिया औपचारिक होती चली गयी, और जबरन बाहर निकाल दी गयी; तो कोई किसी एक पथ पर बढ़ता चला गया, और कोई दूसरा किसी दूसरे पथ पर बढ़ता चला गया; परंतु वह छोटी कलीसिया अल्पमत में ही थी जो वचन पर अभी भी टिकी रही; और मसीह उनके द्वारा काम कर रहा था, और अपने वचन की पुष्टि कर रहा था उसको बिलकुल ठीक ठीक आपस में एक साथ मिलाता जाता है।

43 जब आप इसका अध्ययन करने लगते हैं, तो जो कुछ भी आज हमारे पास है। वह कैसे हमारे पास हुआ उसे देखना बहुत सरल हो जाता है।

अब देखिए, यहाँ आरम्भ में.... मैं सोचता हूँ, कि आप सब इस ऊँचाई तक देख सकते हैं। यहाँ पर एक कलीसियायी काल है जो कि पिन्तेकुस्त वाला काल था। ये दूसरा कलीसियायी काल, तीसरा कलीसियायी काल, चौथा कलीसियायी काल, पाँचवां कलीसियायी काल, छठवां कलीसियायी काल, सातवां कलीसियायी काल है। अब, यदि आप इस पर बड़े ही ध्यानपूर्वक दृष्टि करते हैं, तो आप देखते हैं, कि कलीसिया की शुरुआत पिन्तेकुस्त पर हुई थी। कितने लोग इस बात का विश्वास करते हैं? आप निगाह डालकर देखें कि पिन्तेकुस्त पर क्या हुआ था; इसके बाद आप कलीसिया पर दृष्टि जमायें रखें जबकि वह आगे बढ़ती चली जाती है। यह बस शैने- शैने करके थोड़ा और, थोड़ा और, थोड़ा और, थोड़ा और प्रकाशहीन होती चली गयी; यह बस ऐसे आगे बढ़ती चली गयी, कि असली सच्ची कलीसिया उससे बाहर ही निकलकर चली जाती है।

अब देखिए, मसीह... इससे कोई मतलब नहीं है, कि कलीसिया कितनी छोटी है, "जहाँ कहीं दो या तीन मेरे नाम से इकट्ठा होंगे, उनके बीच में मैं होऊँगा"। जब वे एक साथ मिलकर किसके नाम में जमा होते हैं? क्या मैथोडिस्ट के नाम में? क्या बैपटिस्ट के नाम में? क्या पिन्तेकोस्तल के नाम में? यीशु के नाम में । जहाँ कहीं दो या तीन यीशु के नाम में एकत्र होते हैं, इससे कोई मतलब नहीं है कि यह कितना छोटा है.... और अंत के दिनों में तो वे इतने अधिक छोटे होंगे, कि उसने कहा था, कि उसे जल्दी आना होगा, और काम को छोटा करना होगा, अन्यथा कोई भी प्राण स्वर्ग पर उठाये जाने के लिए बाकी न रहेगा। "जहाँ कहीं दो या तीन मेरे नाम से इकट्ठा होते हैं।'

44 अब देखिए, सबसे पहले दौर में प्रेरित थे। अब हम देखते हैं, इसकी यह अर्थात् पिन्तेकुस्त शुरूआत है। ठीक वही परमेश्वर चारों ओर चल फिर रहा था और सभी कालों के दौरान ठीक एक से ही चिन्ह प्रकट हो रहे थे; क्योंकि वह हर एक कलीसियायी काल के मध्य में चल फिर रहा था। और वह किसको आशीषित कर रहा था ? अपने लोगों को जो उसके नाम में एकत्र होते थे। मैं चाहता हूँ, कि आप इस पर दृष्टि लगाये हुए देखते रहें, जबकि हम इस कलीसिया का अध्ययन करते हुए चले जाते हैं। इस कलीसिया के पास यीशु का नाम था। इस कलीसिया के पास यीशु नाम था। इस कलीसिया के पास यीशु नाम था। और इस वाली कलीसिया ने इसे खो दिया था।

लूथरन काल की कलीसिया अर्थात् यह वाली कलीसिया इसके साथ- इस को लिये हुए बाहर निकलकर आयी, "तेरा एक नाम है कि तू जीवित है- तू नाम का तो जीवता कहलाता है,पर तू है मरा हुआ। और यही सिलसिला चलता रहा, जबतक कि इस काल का अंत नहीं हो जाता; और इस वाले और इस वाले काल के बीच में एक खुला द्वार स्थापित हुआ,जो उस नाम को कलीसिया के पास फिर से वापस लेकर आया। अब आप दृष्टि डालें, और देखें कि क्या यह सच है, जबकि हम इसका पवित्र वचनों में से होकर अध्ययन कर लेते हैं। उन कालों के बीच में...

45 अब देखिए, कल रात को मैं इस व्यवस्था को यहाँ ऊपर व्यवस्थित करने का यत्न करूंगा जिससे कि हम सब इसे देख सकें। और हो सकता है कि कल दोपहर बाद मैं यहाँ पर आऊँ, और ...के लिए... कुछ एक... उन कुछ योजनाओं को चित्रित करूँ जिनके विषय में मैं आप से बातचीत करना चाहता हूँ। और यदि आप में से किसी के पास इतिहास है, तो आप उसे अपने साथ लेकर आ जायें। या आप उन लेखों-टिप्पणियों को उतार लें, और पुस्तकालय या कहीं और जाकर इतिहास लेकर उसका अध्ययन करें, और देखें कि क्या यह सही है।

46 अब, आप पहला पद देखें; वह क्या करने जा रहा है? वह उनका अभिवादन कर रहा है।

> *इफिसुस की कलीसिया के दूत...(यूहन्ना)... को यह लिख, कि जो सातों तारे अपने दहिने हाथ में लिये हुए है, और जो सोने की सात दीवटों के बीच फिरता है वह यह कहता है कि[;*

यह एक अभिवादन है। अब, आप दूसरा और तीसरा पद देखें, वह यहाँ पर उनकी प्रशंसा करता है।

> *मैं तेरे काम, और परिश्रम, और तेरा धीरज जानता हूँ, और यह भी, कि तू बुरे लोगों को देख नहीं सकता और जो अपने आप को प्रेरित कहते हैं, और हैं नहीं, उन्हें तू ने परख कर झूठा पाया।*

देखिएगा, वह धर्मत्याग तो इस पहले काल में ही पहले ही से स्थापित होना शुरु हो गया था; यह वहाँ पर पहले ही से शुरु हो चुका था, क्योंकि वे उस चुनी हुई और सच्ची कलीसिया को जो बाइबिल के नियमों और आज्ञाओं का पालन करना चाहती थी, और उन वचनों को मानना चाहती थी जिन्हें यीशु ने अपनी गवाही में कहा था, अलग हटाने लगे थे।

कुछ घटित होना आरम्भ हो गया था। और वहाँ पर झूठे शिक्षक उठ खड़े हुए थे; ऐसे ऐसे लोग उठ खड़े हुए थे जो उस गलत शिक्षा को सिखा रहे थे जो वचन के विपरीत थी, और वे वचन के अंदर कोई बात जोड़ने का और कोई बात उसके अन्दर लाने का यत्न कर रहे थे।

यही कारण है , कि उसने कलीसिया को यह प्रकाशन दिया था और कहा था, जो कोई इसमें से कुछ निकालें, या इसमें कुछ जोड़े, तो उसका भाग जीवन की पुस्तक में से बाहर निकाला जायेगा।" भाई , वह तो नाश हो चुका।

आप बस परमेश्वर के वचन से कोई खिलवाड या हस्ताक्षेपबाज़ी न करें। इससे कोई मतलब नहीं है कि यह किसको चोट पहुँचाता है; या यह क्या चोट पहुँचाता है, कैसे भी हो इसे ठीक वैसा ही कहें जैसा यह है। जिस रीति से यह लिखा हुआ है यह ठीक वैसा ही है। हमें किसी और दूसरी बड़ी बात की कोई आवश्यकता नहीं है, हमें किसी पादरी, या अन्य किसी व्यक्ति की कोई आवश्यकता नहीं है; कि वह हमारे लिए इसका अनुवाद करे। पवित्र आत्मा ही परमेश्वर का अनुवादक है। वही अनुवाद करता है।

47 अब, यदि आप ध्यान देते हैं, तो आप देखते हैं, कि वे बुराइयों से दूर हट रहे थे; और उन्हें ढूंढ़ निकाल रहे थे जो झूठे नबी थे। इसके बाद वे झूठे प्रमाणित हो गये थे, कि वे भक्ति का भेष धरे हुए थे....देखिएगा, कि उस समय के अन्त्रतगत कलीसिया किस प्रकार से गुनगुनी होती चली गयी थी? वे पवित्र आत्मा की प्रेरणा में होकर लोगों को परखने लगे थे, ऐसा करने लगे थे, कि लोग उनका मज़ाक उड़ायें।

ठीक है, क्या यीशु ने नहीं कहा था,' धन्य हो, तुम जब वे तुम्हें धर्म के लिए-धर्म के कारण सतायें '' ? उसने कभी भी औपचारिक, या गुनगुने होते चले जाने के लिए नहीं कहा था। उसने तो कहा था, '' आनन्दित रहो, और खूब आनन्दित रहो; क्योंकि उन्होंने तो उन भविष्यद्वक्ताओं को जो तुम से पहले हुए सताया।'' उसने ऐसा मत्ती पाँच के पहाड़ी पर दिये उपदेश में कहा था, "धन्य हो तुम' !

क्योंकि आप प्रभु यीशु से प्रेम करते हैं, इसलिए लोग आपका मज़ाक उड़ाते हैं, और उनका उस प्रकार से आपको कहना- आपका मज़ाक उड़ाना आपके लिए एक आशीष ही है। वे तो केवल हैं... जब वे आपको कोस रहे होते हैं, तो वे परमेश्वर की आशीषों को आपके पास नीचे लेकर आ रहे होते हैं। यह तो उन पर उल्टा आकर पड़ता था जैसे यह उस समय में बालाम पर उल्टा आकर पड़ा था। यह— यह उन पर ही उल्टा आकर पड़ता है।

जब वे आपका मसीही होने के कारण मखौल उड़ाते हैं, तो यह प्रतिज्वलन उनपर ही आकर उल्टा पड़ता है, और परमेश्वर आपको एक आशीष देता है; क्योंकि, धन्य हो, तुम जब लोग तुम्हें मेरे नाम के कारण सतायें।".उसके नाम के कारण सताये जाने पर "धन्य हो तुम।।

48 अब हमें यह मालूम होता है, कि वे भक्ति का भेष आरम्भ करना चाहते थे और भक्ति का भेष धरना चाहते थे।

अब, मैं ठीक यहीं पर रुक सकता हूँ, और कोई बात कह सकता हूँ: मैं यह यकीन करूंगा, कि क्या आपने ध्यान दिया है, कि हर एक बेदारी ने.... अब, प्रचारक बंधुगणों, इसे परख कर देखिएगा। हर एक बेदारी ठीक वैसे ही जुड़वा उत्पन्न करती है। जैसे रिबका और याकूब ने उत्पन्न किये थे; एसाव और याकूब उत्पन्न किये थे; मेरा अभिप्राय है कि यह याकूब की बजाये यह इसहाक है- - इसहाक और रिबका हैं। इसहाक और रिबका ने जुड़वा उत्पन्न किये थे। उनका पिता पवित्र था; उनकी माता पवित्र थी। परन्तु उनके दो बालक : एसाव और याकूब उत्पन्न हुए थे।

अब देखिए, वे दोनों ही धार्मिक थे। जब एक अच्छे सिद्धांतवादी के रुप में कार्य-कलाप करने की बात आती है, तो शायद एसाव याकूब से सभी तरह से एक बेहतर लड़का था। क्या आप यह जानते थे? याकूब तो बस एक ऐसा छोटा लड़का था जो सभी समय अपनी माँ के इर्द-गिर्द ही चिपका रहता था। परन्तु एसाव बाहर निकला, और उसने काम किया; वह बाहर गया और हिरन का गोश्त लेकर आया, और अपने अंधे बाप को जो कि एक नबी था दिया; उसने उसकी देखभाल करने का यत्न किया था।

परन्तु याकूब के दिमाग में तो केवल एक ही बात थी :वह तो उस पहलौठेपन के अधिकार को पाना चाहता था। उसने इस बात की परवाह नहीं की थी, कि उसे यहाँ-वहाँ कब तक चिपके रहना है, या उसे क्या कुछ करना है, उसके जीवन में तो बस एक ही मुख्य बात थी,वह थी- पहलौठेपन के अधिकार को पाना। और एसाव ने इसे तुच्छ जाना था।

49 अब, क्या आप स्वाभाविक मनुष्य को, दुनियावी मनुष्य को नहीं देख सकते हैं? जब बेदारी आती है... हर एक बेदारी में से दो प्रकार के लोग ही बाहर निकल कर आते हैं। वहाँ पर एक तो दुनियावी मनुष्य होता है जो आगे बढ़ता है, और वह वेदी पर ऊपर जायेगा, और कहेगा,"जी हाँ, श्रीमान, मैं मसीह को अपना निज उद्धारकर्ता करके ग्रहण करता हूँ।" और वह बाहर जायेगा और वह क्या करेगा- उसको क्या हो जाता है?

सबसे पहली बात आप जानते हैं, कि वह किसी अच्छी ठंडी, औपचारिक कलीसिया के साथ जुड़ जायेगा ; क्योंकि वह सोचता है, "अच्छा, यदि मैं कलीसिया में शामिल हो जाता हूँ, तो मैं तो वैसे ही एक अच्छा इंसान हो जाता हूँ जैसे मुझ से अगला व्यक्ति एक अच्छा इंसान है। क्या मैं वैसा ही अच्छा नहीं हूँ जैसे फंला- फेला है? इससे क्या फर्क पड़ता है जब तक कि मैं कलीसिया से जुड़ा रहता हूँ, और अपना अंगीकार करता रहता हूँ?"

क्यों, यही तो सारा का सारा अंतर ही था। आपको तो नये सिरे से जन्म लेना ही होता है। आपको तो उस जन्मसिद्ध अधिकार (पहलौठेपन के अधिकार) को ही पाना होता है। और याकूब ने इस बात की परवाह नहीं की थी, कि उसका कितना अधिक उपहास उड़ाया गया था। वह तो बस उस पहलौठेपन के अधिकार को ही पाना चाहता था; और उसने इसे कैसे पाया था उसने इस बात की परवाह नहीं की थी।

50 अब, बहुतेरे लोग इस जन्मसिद्ध अधिकार को पाना नहीं चाहते हैं, क्योंकि वे सोचते हैं कि यह कोई अप्रिय, तुच्छ चीज है। वे वेदी पर घुटने होना और थोड़ा सा रोना नहीं चाहते हैं, या वे थोड़ा सा भोजन तथा- - तथा और कोई दूसरी चीज छोड़ना नहीं चाहते हैं। वे.. वे.. वे.. ऐसा करना नहीं चाहते हैं। आप जानते हैं कि अनेकों महिलाएं जो ढेर सारा श्रृंगार किये हुए होती है वे सोचती हैं, कि यदि वे रोयेंगी, तो हो सकता है उनका श्रृंगार ही धुल जाये, और उन्हें फिर से श्रृंगार करना पड़े। क्यों, वे.. वे...यह ऐसा ही होता है। और मेरा ऐसा कहने में यह तात्पर्य नहीं हैं। कि मैं अजीब सा हो जाऊँ। मैं आशा करता हूँ, कि यह इस प्रकार से नहीं लगता है। परन्तु सच्चाई तो यही है कि वे इसे पाना ही नहीं चाहते हैं।

वे नये सिरे से होने वाला जन्म नहीं चाहते हैं, क्योंकि नये सिरे से जन्म का होना एक प्रकार से गंदगी से भर हुआ होता है। यह तो किसी भी दूसरे जन्म के जैसा ही होता है। कोई भी जन्म गंदगी से भरा घिनौना सा ही होता है; मैं इसकी परवाह नहीं करता हूँ, कि यह कहाँ पर होता है। चाहे यह सुअर के दड़बे में हो, या किसी खलिहान में हो, या किसी चिकित्सालय के गुलाबी सजे धजे कक्ष में ही क्यों न होता हो; यह तो घिनौना सा ही होता है।

और वैसे ही नये सिरे से जन्म होना घिनौना सा होता है। आमीन! यह आप से उन कामों को करवायेगा जिन्हें आपने करने का सोचा भी नहीं था: आप एक कोने में खड़े हो जायेंगे, और ढप्पली बजायेंगे, या गायेंगे:- "परमेश्वर का जयजयकार होवे ! परमेश्वर की स्तुति होवें !" क्यों, आप तो एक पागल इंसान के जैसे ही व्यवहारआचारण करेंगे। यही है वह जो इसने प्रेरितों के साथ किया था; यही है वह जो इसने कुंवारी मरियम के साथ किया; इसने उससे ऐसा आचरण-व्यवहार करवाया था, कि मानो वे मदिरा के नशे में हों। वह समाज में एक घिनौनापन सा ही थी, परन्तु जीवन उत्पन्न होने के लिए तो घिनौनेपन की ही आवश्यकता होती है। आमीन!

51 जब तक कि कोई चीज मर-खप और सड़गल नहीं जाती है, तब तक उसमें से जीवन बाहर निकलकर नहीं आ सकता है। जब तक कि कोई मनुष्य अपने विचारों में मर-खप और सड़ गल नहीं जाता है मसीह उसके हृदय के अंदर आ नहीं सकता है। जब तक आप अपने विषय में ऐसा सोचने की चेष्टा कर रहे होते हैं, "अब, यदि मैं वेदी पर चलकर जाऊँगा, और कहूँगा, हाँ, प्रभु, मैं.. मैं एक भला इंसान हूँ, मैं तुझे ग्रहण करूंगा। मैं अपना दसवांश दूंगा; मैं यह करूंगा' ; तो आपको ठीक वहीं पर अपने विचारों के लिए मर खप जाना और सड़ गल जाना होता है। यह हो कि पवित्र आत्मा ही आप पर अपना अधिकार कर ले, और वह आप के साथ जो चाहे वह करे। इसी प्रकार की ही घिनौनी स्थिति में आप आ जायें। यह बात भंयकर तो लगती है, पर यह धर्म विरोधी बात नहीं लगती है । यह तो सच्चाई ही है। यही एक मात्र तरीका है जो मैं जानता हूँ कि कैसे किसी बात को तीखे शब्दों में कहूँ जो आप उसे समझ जायें।

उस दिन के जाने-मानें यहूदियों के झुंड़ के लिए इससे अधिक अभद्र बात क्या थी, कि वे इन लोगों को वहाँ पर बुदबुदाते हुए होठों वाली हालत में बाहर आते हुए देखें? क्या आप जानते हैं कि बुदबुदाना क्या होता है? (भाई ब्रहम करके दिखाते हैं कि बुदबुदाना क्या होता है- सम्पा.) ... और वे अन्यान्य भाषाओं में बोल रहे थे, और मदिरा पीये हुए लोगों के जैसे व्यवहार कर रहे थे। (भाई ब्रन्हम करके दिखाते हैं, कि मदिरा पीया हुआ इंसान किस प्रकार व्यवहार कर रहा होता है- सम्पा.) बिलकुल ठीक यही है वह जो वे कर रहे थे। वे घिनौने से, अभद्र से दिखायी पड़ते थे। और उसने कहा था, "क्या ये सारे के सारे लोग नई मदिरा के नशे में हैं?"

52 परन्तु जब एक जन एक प्रकार से अपने आपे में आ गया, तो वह बोला,

तुम लोग यह जान लो और कान लगाकर मेरी बातें सुनो; जैसा तुम समझ रहे हो; ये नई मदिरा के नशे में नहीं हैं। परन्तु उसने सीधे ही वचन का हवाला देकर कहा, "यह वह बात है जो योएल नबी के द्वारा कही गयी थी, कि परमेश्वर कहता है, कि अंत के दिनों में ऐसा होगा, कि मैं अपना आत्मा सब मनुष्यों पर उंडेलूंगा।' इसी रीति से ही वह कलीसिया पहले पहल जन्मी थी।

कितने लोग यह विश्वास करते हैं, कि परमेश्वर अनन्त है? फिर तो वह बदल नहीं सकता है। और यदि आरम्भ में उसका कलीसिया के लिए ऐसा विचार था, तो अंत में भी उसके पास ठीक उसी प्रकार की ही कलीसिया होगी। वह बदल नहीं सकता है।

अत: आप किसी भी प्रकार से इसके बदले में हाथ मिलाने को या छिड़काव को या किसी और चीज को विकल्प के रुप में अपनाकर बदलने जा रहे हैं, जबकि इस प्रकार की कोई भी बात हुई ही नहीं थी? हर एक प्रेरित उसी का ही अनुकरण करता हुआ आगे बढ़ता चला गया था।

53 जब वे यह सब कुछ कर चुके , तो उसके बाद ही... पवित्र आत्मा उनके ऊपर उतर चुका था। और पतरस ने कहा था, "क्या हम जल को रोक सकते है, कि देखो, कि उन्होंने ठीक वैसे ही बपतिस्मा पाया है जैसा हमने आरम्भ में पाया था?" और उसने उन्हें प्रभु यीशु के नाम में बपतिस्मा लेने की आज्ञा दी थी। यह सच है।

पौलुस और आगे गया, और उसने लोगों को जयजयकार करते हुए पाया; उनका एक बड़ा समय चल रहा था; बैपटिस्टों का एक झुंड़ परमेश्वर की स्तुति - बढ़ाई कर रहा था; और उसने कहा था, उसने प्रेरितों के काम के 19 वें अध्याय में कहा था, "क्या जब से तुमने विश्वास किया, तुम ने पवित्र आत्मा पाया?"

उन्होंने कहा, "हम नहीं जानते हैं, कि क्या पवित्र आत्मा भी होना है?

उसने पूछा, तुम्हारा कैसे बपतिस्मा हुआ था?"

उन्होंने कहा, "हमें ठीक उस मनुष्य, यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले ने बपत्सिमा दिया है जिसने यीशु को बपतिस्मा दिया था।

उसने कहा, "ठीक है, मगर यह और अधिक काम नहीं करेगा।" समझे? पतरस ने पिन्तेकुस्त के दिन इसे मोहरबंद कर दिया था। उसके पास कुंजी थी। समझे? वह बोला, "यह और अधिक काम नहीं करेगा, तुम्हें तो फिर से बपतिस्मा लेना होगा।" अत: उसने फिर से उन्हें प्रभु यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा दिया; और उसने उनके ऊपर अपने हाथ रखें, और उनके ठीक उसी प्रकार के ही फल थे जैसे उनके आरम्भ में थे। पवित्र आत्मा उन पर उतरा और वे अन्यान्य भाषाएँ बोलने और भविष्यवाणी करने लगे।

54 अब देखिए, उस काल के दौरान इसी प्रकार की सच्ची कलीसिया रही थी।

अब देखिए, यह ठीक यहीं पर आरम्भ में ही शुरु हो गयी थी। "मैं तेरे धैर्य को जानता हूँ। तू बहुत धीरजवंत हैं। मैं यह जानता हूँ....अब, स्मरण रख, मैं वही हूँ जो दीवटों के बीच में चलता फिरता है। मैं तेरे काम, और तेरा धीरज, और तेरा परिश्रम, और तेरा प्रेम तथा ऐसी ही और दूसरी बातों को जानता हूँ। मैं वह सब कुछ जानता हूँ जो तू ने किया है। और मैं... मैं जानता हूँ तूने उन लोगों को जो अपने आप को भविष्यद्वक्ता, और प्रेरित कहते हैं, परखा है और पाया है कि वे झूठे हैं।"

ओह, यह बात बहुत ही स्पष्ट है, क्या यह नहीं है? मैं इसके लिए उत्तरदायी नहीं हूँ; वही इसके लिए उत्तरदायी है। उसने कहा था कि वे झूठे थे।

55 परन्तु बाइबिल में कहा गया है, "मनुष्यों को परखो। यदि तुम्हारे बीच कोई आत्मिक जन, या भविष्यद्वक्ता हो, या कहता हो, कि वह ऐसा है, तो मैं अपने आपको उस पर प्रकट करूंगा। मैं उससे दर्शनों में और स्वप्नों में बातें कहँगा। और यदि जो वह कहे वह घटित हो, तो तुम उसकी सुनना; उससे भय न खाना (समझे?) क्योंकि यह मैं ही हूँ जो उसके साथ हूँ। परन्तु यदि वह न घटित हो तो तुम उसकी न सुनना; क्योंकि उसके पास मेरा वचन नहीं हैं।" देखिए, यदि वह परमेश्वर का वचन होता है, तो वह घटित होता है।

अब, देखिए, उन्होंने पाया था, कि वे लोग बाइबिल के अनुसार नहीं चल रहे थे। देखिए, वे तो कुछ और ही बनने की कोशिश कर रहे थे (मैं चाहता हूँ, कि अब आप अपनी समझ का टोप धारण कर लें जबकि हम अब इन कुछ ही मिनटों में इन स्वर्णिम कथनों पर आते हैं।) अब देखिए, उसके बाद उसने कहा था, "मैं यह देखता हूँ.....कि तेरे पास धैर्य है, और तू उनके लिए धीरज धरे हुए है। तूने उन्हें परखा और पाया कि वे प्रेरित नहीं हैं।"

56 अब, जैसा कि मैंने आरम्भ में ही कह दिया था, और इससे पहले कि हम इस पर फिर से बातें करना आरम्भ करें, मैं यह कहता हूँ, कि हर एक बेदारी एक जुड़वाओं को ही उत्पन्न करती है।। एक तो आत्मिक जन होता है, और दूसरा संसार का एक दुनियायवी जन होता है, जो कहता है, "मैं कलीसिया में शामिल हुआ हूँ। मैं तो किसी के भी जैसे ही भला हूँ।" और यही है वह जो इस बेदारी ने उत्पन्न किया। यही है वह जो प्रत्येक बेदारी उत्पन्न करती है। यही है वह जो लूथर की बेदारी ने उत्पन्न किया, यही है वह जो इरेनियस की बेदारी ने उत्पन्न किया, यही है वह जो संत मार्टिन की बेदारी ने उत्पन्न किया, यही है वह जो कोलम्बा की बेदारी ने उत्पन्न किया , यही है वह जो जॉन वैसली की बेदारी ने उत्पन्न किया, और यही है वह जो पिन्तेकोस्तल बेदारी ने उत्पन्न किया। यह बिलकुल सच बात है।

आप देखते हैं, कि वे किस प्रकार से बीज की ओर लौट गये, और उन्होंने अपनी अपनी कलीसियाऐं बना डालीं, और अलग अलग निकल कर चल पड़े, और बड़ी बड़ी आलीशान इमारतें बना लीं, और (ओह, मेरे खुदा!) वे ऊपर खड़े होते हैं, और प्रेरितों की मत-शिक्षा का जाप करते हैं, मैं पवित्र रोमन कैथोलिक कलीसिया पर, और संतों की सहभागिता पर विश्वास करता हूँ।" और कोई भी वह मनुष्य जो संतों की सहभागिता पर विश्वास करता है वह प्रेतात्मावादी है। वह कोई भी संस्था जो मरे हुओं से सहभागिता करती है, वह शैतान की ही ओर से है। यह बिलकुल सच है।

हमारे पास मनुष्यों और परमेश्वर के बीच केवल एक ही बिचवाई है जो कि यीशु मसीह मनुष्य है। यह सच है। यही है जो पतरस ने कहा था।

57 और तुम प्रिय कैथोलिक लोगों, तुम उसे अपना पोप कहते हो; और पतरस पहला पोप होने के कारण यीशु के साथ चला था, ...और फिर उसी ने कहा था, मनुष्य और परमेश्वर के बीच और कोई बिचवाई है ही नहीं।" और आज ये हैं; आज आपके पास दसयों हजारों और दूसरे हैं।

यदि कलीसिया अचूक-अटल है, और बदलती नहीं है, तो फिर क्यों यह इतनी अधिक बदल गयी है? और तुम्हारी सारी मिस्साएं - प्रार्थनाऐं लैटिन भाषा में होती है, जिससे यह नहीं बदलें। क्या घटित हुआ? तुम्हें बाइबिल में कहाँ कभी प्ररितों की शिक्षा मिलती है? यदि प्रेरितों की कभी कोई शिक्षा थी, तो वह यह थी, "मन फिराओ, और तुम में से हर एक अपने अपने पापों की क्षमा के लिए यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले।" मैंने उन्हें किसी और मतशिक्षा को जानते हुए या कभी किसी और बात का जाप करते हुए नहीं सुना।

58 परन्तु जब इस पवित्र रोमन कलीसिया" की बात आती है, तथा इन दूसरी सभी संस्थाओं की बात आती है, तो वे कहते हैं, "सर्वशक्तिमान पिता परमेश्वर, जो स्वर्ग और पृथ्वी का उद्धार करता है। यह व्यर्थ की बात है। यह सच है। यह बाइबिल में नहीं पाया जाता है। पवित्र वचनों में ऐसी कोई बात नहीं है। यह तो बनायी हुई मतधारणा ही है जिसे उन्होंने ही बनाया है, परन्तु यह है... उनकी सारी प्रार्थनाऐं तथा सभी कुछ बनायी हुई चीजें ही हैं।

अब जब हम अध्ययन करते हुए यहाँ पर आ पहुँचते हैं, तो हम आज देख सकते हैं, कि हमारे प्रोटिस्टेन्ट बाहर निकलकर उन्हीं के पीछे पीछे हो लिये थे। और यह बिलकुल ठीक वैसा ही है जैसा बिली ग्राहम ने रविवार को कहा था, लोग इतनी अधिक गलत भ्रांति में रह रहे हैं, कि वे सोचते हैं कि वे बिलकुल ठीक हैं, जबकि वे गलत ही होते हैं।" यह सही बात है। यह सच है। मैं खुश हूँ, कि मैं हूँ.... वास्तव में मैं यह जानता हूँ, कि बिली ग्राहम ने वहाँ पर जॉर्ज जैफरिस के अन्र्तगत पवित्र आत्मा पाया था ; परन्तु इन दिनों में से किसी दिन वह उसमें से बाहर निकलकर आएगा। परमेश्वर ठीक इस समय वहाँ पर उसका उपयोग कर रहा है, क्योंकि वह उस सम्राज्य को हिला सकता है जिसके अंदर शायद और कोई दूसरा प्रवेश नहीं कर सकता है। लेकिन आप उसका प्रचार करना देख सकते हैं, कि वहाँ उसके पीछे कोई न कोई बात है, क्योंकि हाथ मिलानेवाले इन बैपटिस्टों में से कुछ लोग यहाँ पर हैं। जी हाँ, श्रीमान !

59 अब देखिए:

मैं तेरे काम, ... और तेरा धीरज जानता हूँ,... और यह भी कि तू..

अब आइये हम देखें, मैं आ पहुँचा हूँ.....

मैं तेरे काम, और परिश्रम, और तेरा धीरज जानता हूँ, और यह भी, कि तू बुरे लोगों को तो देख नहीं सकता; और जो अपने आपको

प्रेरित कहते हैं, और हैं नहीं, उन्हें तू ने परख कर झूठा पाया।

उन्होंने पाया था, कि वे झूठे हैं। उन्होंने यह कैसे पाया था? क्योंकि वे वचन का हवाला नहीं दे रहे थे। अब, यदि कोई मनुष्य कहता है, कि.... यदि बाइबिल इब्रानियों के 13: 8 में कहती है, कि यीशु मसीह कल, आज, और युगानुयुग एक सा है, और कोई मनुष्य कहता है, "ओह, आश्चर्य कर्मो के दिन तो बीत चुके हैं, तो वह मनुष्य झूठा है।

यदि बाइबिल कहती है, "मन फिराओ, और तुम में से हर एक अपने अपने पापों की क्षमा के लिए यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले' ; और बाइबिल में हर एक जगह ठीक यही बात कही गयी है, और बाइबिल में जिस किसी व्यक्ति का बाइबिल के समय में... में कभी बपतिस्मा हुआ था, तो उसका यीशु मसीह के नाम में ही बपतिस्मा हुआ था। और फिर भी कोई इंसान लोंगों को बपतिस्मा देने के लिए जल का छिड़काव करने का, या इसी प्रकार का अन्य कुछ करने का कार्यभार देता है, तो वह इंसान झूठा है; वह एक झूठा भविष्यद्वक्ता मालूम होता है।

मैं आशा करता हूँ, कि मैं किसी की भी भावनाओं को चोट नहीं पहुँचा रहा हूँ; परन्तु मैं... भाई, आप... आप... आप इससे कोई खेल तमाशा नहीं कर सकते हैं; यह तो दस्ताने उतारने का और सुसमाचार सम्भालने का समय है। समझे? यही सच्चाई है।

60 अब, आप ही मुझे इससे अलग कोई बात दिखायें। मुझे दिखायें कि कैथोलिक कलीसिया को छोड़कर कहाँ किसी व्यक्ति का कभी किसी और रीति से बपतिस्मा हुआ था। समझे?

यदि आपका उस प्रकार से ही बपतिस्मा हुआ है, तो फिर तो आप मसीही कलीसिया के अंदर नहीं हैं, आप तो कैथोलिक कलीसिया के अंदर ही हैं, क्योंकि आप का उस प्रकार से बपतिस्मा हुआ है। उनका अपना कैटेकिज़म कहता है, "रविवार को आने वाले एक जन ने पूछा, क्या प्रोटिस्टेन्टों में से कोई उद्धार पायेगा?"

कहा, "उनमें से बहुतेरे उद्धार पायेंगे, क्योंकि उन्होंने हमारा वाला ही बपतिस्मा तथा इसी प्रकार की और दूसरी बातें पायी हुईं हैं।" कहा, "वे बाइबिल के विषय में दावा करते हैं, और बाइबिल यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा देने के विषय में बातें करती है; और हम इसे वहाँ से ले चुके हैं, और हमने वहाँ पर पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा रख दिया है और उन्होंने उसे हटा डाला"| निश्चित

यह एक मसीही बपतिस्मा नहीं है; यह तो एक कैथोलिक बपतिस्मा ही है। क्या आपने एक रात मुझे यह कहते हुए सुना था, "क्या कभी आपने एक मसीही बपतिस्मा लिया है?" मसीही बपतिस्मा तो मसीह के नाम में, यीशु मसीह के नाम में ही होता है; यह किसी उपाधि में नहीं होता है।

61 अब, तीसरा पद देखिए,.... बिलकुल ठीक है, दूसरा और तीसरा पद देखिए। अब तीसरा पद देखिएं

और तू धीरज धरता है, और मेरे नाम के लिए दुख उठाते उठाते थकता नहीं।

"मेरे नाम के लिए! क्या आपने ध्यान दिया कि उनके पास धीरज था? उन्होंने किस के लिए परिश्रम किया था? उसके नाम के लिए! देखिए, क्या वह नाम उस कलीसिया में कायम रहा था ? अब इस पर निगाह लगाइयें। जब हम इस सप्ताह अध्ययन करते हुए आगे बढ़ते हैं, तो आप देखिएं कि वह कैसे धूमिल होता चला गया, और किसी दूसरे नाम में परिवर्तित होता चला गया। समझे? "तेरे पास मेरे नाम के लिए धीरज है, और तू ने मेरे नाम के लिए परिश्रम तथा इसी प्रकार का और काम किया है।" उसने.... उन्होंने उसके नाम के लिए परिश्रम किया

था। यीशु मसीह के नाम को किसी भी कलीसिया से ऊपर रखने के लिए, किसी भी दूसरी चीज से ऊपर रखने के लिए उन्होंने परिश्रम किया था, कि यह अव्वल हो और....

और बाइबिल कहती है, और जो कुछ भी करो—वचन से या काम से जो कुछ भी तुम करो, उसे यीशु मसीह के नाम से करो। क्या यह सही है? " जो कुछ भी तुम वचन या काम से करते हो"- यदि आप विवाह करते हैं, किसी मनुष्य का विवाह करते हैं, और यदि वे अपने विवाह के विषय में धर्मसंकोच या पापशंका में हैं, तो आप उनका बिलकुल भी विवाह न करें। समझे? यदि आप स्वतन्त्र रुप से यह नहीं कह सकते हैं कि "मैं तुम्हें यीशु मसीह के नाम में पति और पत्नी घोषित करता हूँ, तो आप उनका विवाह न करें, आप उन्हें जाने दें। यह बिलकुल ठीक बात है। यदि आप उन्हें बपतिस्मा देना चाहते हैं, तो आप उन्हें यीशु मसीह के नाम में ही बपतिस्मा

62 यदि आपके पास करने के लिए कोई ऐसा काम है जिसे आप यीशु मसीह के नाम में नहीं कर सकते हैं, तो आप उसे छोड़ दें। यदि आप से कोई कहें, ज़रा सी शराब पी लो", और आप ऐसा यीशु के नाम में नहीं कर सकते हैं, तो आप उसे रहने दें। कोई कहें, "जरा थोड़ा सा ताश खेल लो, और आप ऐसा यीशु मसीह के नाम में नहीं कर सकते हैं, तो अत: आप उसे रहने दें- आप उसे न करें। यदि आपकी ब्रीज पार्टी में कोई छोटा सा भद्दा सा मज़ाक कहने की कोई बात हों, और आप उसे यीशु मसीह के नाम में नहीं कह सकते हैं, तो अत: आप उसे रहने दें। समझे? आप आधेअधूरे कपड़े यीशु के नाम में नहीं पहन सकते हैं, अत: आप उन्हें न पहनें।

मैं ऐसी ही और दूसरी बातें कहता रह सकता हूँ; लेकिन हम... आप जानते हैं, कि मैं किसके विषय में कह रहा हूँ। यह बिलकुल ठीक बात है। आप वैसा नहीं कर सकते हैं। जो कुछ भी आप उसके नाम में नहीं कर सकते हैं, आप उसे न करें, क्योंकि उसने कहा था, "वचन से या काम से जो कुछ भी करो यीशु के नाम से करो।' अब, यह बिलकुल सच है।

63 अब हम करने जा रहे हैं... यह एक था... उसने उनकी ऐसा करने के लिए प्रशंसा की थी।

अब मैं उस शिकायत के विषय में बातें करने जा रहा हूँ, जो चौथे अध्याय में- बल्कि चौथे पद में पायी जाती है।

पर मुझे तेरे विरूद्ध यह कहना है, कि तू ने अपना पहला सा प्रेम छोड़ दिया है।

"ओह, मुझे तेरे विरुद्ध कुछ बातें कहनी हैं। तू धैर्यवान बना रहा है, और मेरे नाम के लिए खड़ा रहा है। क्या आज इस टेबरनिकल के लिए यह एक भली बात नहीं होगी? जी हाँ श्रीमान! "तू बिलकुल सही है, और तेरे पास बहुत सारा धीरज है; और तू एक लम्बे अरसे से सहन करता रहा है; पर इसकी बात यह है... तू मेरे नाम के लिए खड़ा रहा है। मैं इन सब बातों की सरहाना करता हूँ। मैं — मैं इसके लिए तेरी प्रशंसा करता हूँ। यह सब बिलकुल ठीक है। और मैंने देखा है, कि तू ने उनको परखा है जो अपने आप को प्रेरित तथा ऐसा ही कुछ कहते हैं; और तूने पाया कि वे झूठे हैं; वे वचन के साथ मेल नहीं खाते हैं। मैं... मैं इस सब की सरहाना करता हूँ।

परन्तु मुझे तेरे विरुद्ध कुछ कहना है; और वह यह है कि : तू ने अपना पहला सा प्रेम छोड़ दिया है। तू ने उस प्रेम को छोड़ दिया है जो तेरा उन अच्छी पुराने चलनवाली पवित्र आत्मा से भरी सभाओं के लिए होता था; और तू एक प्रकार से वापस पिछड़ कर गुनगनाहट के अंदर चला गया है जिसमें "हमारे पिता.....' तथा ऐसी और दूसरी बेकार की बातें बाहर निकल कर आती है।' समझे?

64 यहाँ पर ये सब जो संस्थाएं हैं, और आप जानते हैं, कि गायन-मंड़ली में गाना गाने के लिए उन्हें उन बड़े बड़े लबादों को पहनकर आना होता है; और आप जानते हैं कि उन्होंने अपने बालों में छिल्ले तथा इसी प्रकार का सब कुछ निकाला हुआ होता है, और चेहरे पर ढ़ेरो लिपा-पोती की हुई होती है; और वे ऐसे गाते हैं कि मैं नहीं जानता हूँ, कि क्या.....

यहाँ अधिक समय नहीं हुआ है, कि यदि यह ओरल रोबटर्स की सभा में हुआ होता, तो यकीनन मैंने उस झुंड़ को उलाहना दिया होता। मैं था... मैं व्यापारी लोगों की एक कनवैन्शन में था, और वह हुई थी... हमारे पास नहीं था... उस रात मैं बोलने जा रहा था। वे उसे वहाँ एक होटल में नहीं कर सके थे, और वे मुझे ओरल रोबटर्स की एक इमारत में ले गये थे।

और जब मैं ओरल रोबटर्स के अध्ययन कक्ष में बैठा हुआ था, तो वहाँ पर पिन्तेकोस्तल बच्चों का एक झुंड़ था (ओह, वे सोलह, सत्तराह, अठ्ठाराह, वर्ष के युवक- युवतियाँ थे) वे सब वहाँ पर खड़े हुए थे; उनमें से तीस - चालीस लोग किसी प्रकार का कोई एक - -एक छोटा सा गीत गाने जा रहे थे जो मुझे किसी उच्च राग के उस गायन के जैसा लगा जैसा कि बैकी टाइकोव्हस्की के विषय में बातें करती है या उनमें से कुछ इसी प्रकार के ही थे; मैं नहीं जानता हूँ; उनमें से कुछ गीत शास्त्रिय थे। और यहाँ पर वे थे

और भाई लोग सभा में भेंट लेने जा रहे थे; और उनमें से हर एक उनके साथ गया, और उनके पास एक छोटा प्याला था; और वे ऐसा व्यवहार कर रहे थे, कि मानो वे अंधे हों। और उन लड़के और लड़कियों के बीच वह सब मज़ाक तथा ऐसी ही सारी बातें चल रही थी जो आपने कभी सुनी हों, और वे सभी चीजों की तरह बातें कर रहे थे। और उन लड़कियों ने रंगों की इतनी अधिक लिपा पोती की हुई थी कि वे ओरल की इमारत को ही लगभग रंग डाले और वे वहाँ पर उस प्रकार से थे, और वे स्वयं अपने आप को पिन्तेकोस्तल कह रहे हैं। समझे? उन्होंने अपना पहला सा प्रेम छोड़ दिया है।

65 मैं सुनिश्चित हूँ, कि आप डेविड़ डयूप्लेसिस की इस बात से सहमत होंगे, परमेश्वर के कोई नाते-नाती, पोते-पोती नहीं होते हैं।" जी नहीं श्रीमान ! हमारे पास मैथोडिस्ट नाते-नाती पोते-पोती हैं। हमारे पास बैपटिस्ट नाते-नाती पोते-पोती हैं। हमारे पास पिन्तेकोस्तल नाते-नाती पोते-पोती हैं। पर परमेश्वर के कोई नातेनाती पोते-पोती नहीं होते हैं। उसके तो पुत्र और पुत्रियाँ ही हैं। आप अपनी माता और अपने पिता के आधार पर अंदर नहीं आ सकते हैं, क्योंकि वे भली स्त्री और भले पुरुष थे; मगर आपको तो ठीक वैसे ही मूल्य चुकाना है जैसे उन्होंने मूल्य चुकाया था। आपको तो ठीक वैसे ही जन्म लेना है जैसे उन्होंने जन्म लिया था। परमेश्वर के कदाचित कोई पोते -पोती नहीं होते हैं। आप तो उसके एक पुत्र हैं, या उसकी एक पुत्री; आप पोते-पोती नहीं हैं। यह एक बात सुनिश्चित है।

66 मैं वहाँ पर एक सभा में गया था; और वहाँ पर वे थे... मैं एक बढ़िया पिन्तेकोस्तल गिरजे में गया था। लड़के ; आपको अवश्य ही यह नज़ारा देखना चाहिए था जब उन स्त्रियों ने जिन्होंने आधे-अधूरे कपड़े पहने हुए थे, और जिनके छोटे छोटे कटे बाल थे, और जो उन पुरानी आधी-अधूरी पोशाकों को पहने हुए थीं; कि उन पोशाकों में उनकी खाल उस प्रकार से दिखायी पड़ रही थी, मुझे अन्दर आते हुए देखा, तो वे इधर उधर भाग खड़ी हुईं। उन पिन्तेकोस्तलों ने ऐसे कामोत्तेजक कपड़े पहने हुए थे... आपको न्याय के दिन इसके लिए उत्तर देना होगा। आप व्यभिचार करने के लिए दोषी ठहरेगी। यीशु ने कहा था, "जो कोई किसी स्त्री पर कुदृष्टि डाले, वह उससे अपने मन में व्यभिचार कर चुका।" और यदि आपने अपने आप को पुरुष के सामने इस प्रकार से पेश किया है, तो इसके लिए कौन कसूरवार है आप या, वह पुरुष?

सुधर जाओ! आप बुराई की पहली झलक से ही दूर रहें। ठीक वैसी ही स्थिति में हैं।

67 उन्होंने क्या किया है? उन्होंने अपना पहला सा प्रेम छोड़ दिया है।

ओह, आप उन्हें एक कोने में जमा करके डफली बजवाकर और तालियाँ बजवाकर परमेश्वर की स्तुति महिमा नहीं करवा सकते हैं। ओह नहीं! वे तो उस शानदार कपड़े पहने हुए वाले झंड़ के साथ ही कुछ कलासिकल गायेंगे, जो उनके चारों ओर होता है। देखिए, उन्होंने अपना पहला सा प्रेम छोड़ दिया है। बिलकुल ठीक यही मामला पहली कलीसिया के साथ था। समझे? उन्हें तो दुनिया के जैसा ही व्यवहार-आचरण करना होता है।

उन्हें तो दुनिया के जैसे ही कपड़े पहनने होते हैं। उन्हें तो दुनिया के जैसा ही दिखना होता है, उन्हें तो दुनिया के जैसा ही बर्ताव करना होता है; और आप जानते हैं कि उनके टेलिविजन के अपने पसंदीदा कलाकार होते हैं, वे उन्हें देखे बिना नहीं रह सकते हैं। वी लव सूज़ी या यह इसी प्रकार का कोई कार्यक्रम है ; आप जानते हैं कि उन्हें तो इसे देखना ही होता है। वे उसे देखने के लिए प्रार्थना सभा में और ऐसी ही दूसरी जगह में न आकर घर पर ही ठहरे रहेंगे। और यदि वे घर पर ठहरे नहीं रहते हैं, और यदि उनका पादरी उन्हें उस कार्यक्रम के आने तक — कि वे उसे घर जाकर देख सके, समय पर जाने के लिए नहीं छोड़ता है, तो वे अपने पादरी पर अच्छी खासी छाड़ लगाते हैं। उनमें परमेश्वर के लिए प्रेम से कहीं अधिक संसार के लिए प्रेम है....

ओह, वे इतने अधिक शिष्टाचारानुकूल हैं, कि वे आमीन नहीं कह सकते हैं। ओह मेरे परमेश्वर ! ऐसा करके तो उनका श्रृंगार ही खराब हो जाता है। उनके यहाँ ऐसा नहीं होता है। ये बैपटिस्ट नहीं है, वरन ये तो पिन्तेकोस्तल लोग ही हैं ; वे नहीं हैं.... प्रसबीटेरियनों के यहाँ तो यह पहले ही से नहीं होता है। मैं तो पिन्तेकोस्तलों के विषय में ही बातें कर रहा हूँ। यह सच है।

भाई , मैं जानता हूँ, कि यह बुरी तरह से परेशान कर रही है, परन्तु मैं चाहता हूँ, कि अब इस चीज में से एक नया जन्म हो। इससे पहले कि आप का जन्म हो, मृत्यु को लेकर आना होता है। समझे ? यही सत्यता है। परन्तु आप ऐसी ही स्थिति में हैं, :तू ने अपना पहला सा प्रेम छोड़ दिया है। मैं....

68 यदि परमेश्वर के पास उस कलीसिया के विरुद्ध वह बात थी, तो परमेश्वर के पास इस कलीसिया के विरुद्ध भी ठीक वही बात है। क्योंकि तू ने अपना पहला सा प्रेम छोड़ दिया है, अत: मुझे तेरे विरुद्ध कुछ बातें कहनी हैं। मेरे पास तेरे विरुद्ध कुछ बाते हैं। मेरी तुझ से यही शिकायत है। एक बार को तेरा बड़ा ही शानदार समय हुआ करता था, परन्तु तू ने संसार को अपने अंदर रेंगकर अंदर प्रवेश करना आरम्भ करने दिया , और तू कुछ औपचारिकों के जैसा आचार-व्यवहार करने लगा है। तू अभी भी मेरा नाम थामे हुए हैं, और तू अभी भी उन कामों को कर रहा है जो सही हैं। और तेरे पास धीरज तथा ऐसे ही और दूसरे गुण हैं। और तू परिश्रम करता है, और तू एक खच्चर के जैसा है। और तू बस काम और परिश्रम करता है।"

मेरे मेरे, मेरे ! "देख तू ने अनुग्रह, और विश्वास और सामर्थ को तज दिया है, और उसके बदले में परिश्रम और कामों को अपना लिया है।" "अच्छा भाई ब्रन्हम, मैं आपको बताता हूँ, मैं- -मैं उतनी विधवाओं की सहायता करता हूँ, जितनी की मैं कर सकता हूँ।"

ठीक है, यह एक अच्छी बात है; मैं इसके लिए आपकी सरहाना करता हूँ। पर तेरा वह पहला सा प्रेम कहाँ है जो तेरा मुझ से हुआ करता था? समझे? तेरा वह आनन्द कहाँ रहा है जो तेरा हुआ करता था? समझे? ऐसा ही दाऊद ने एक बार दोहाई देकर कहा था, "हे यहोवा, मेरे उद्धार का आनन्द मुझे लौटा दे।" सारी सारी रात भर चलने वाली प्रार्थनाऐं सभाएं और गालों पर बहने वाले आंसू कहाँ रहे हैं ? परमेश्वर ही दया करें;

यहाँ तक है कि बाइबिलों पर भी धूल जमी रहती है और उस पर मकड़ी के जालें बने रहते हैं। और तुम पुरानी प्रेम कथाओं को और समाचार पत्रों को और ऐसी ही पत्र-पत्रिकाओं को पढ़ते हों जिन्हें प्रकाशित करने की भी अनुमति तक नहीं दी जानी चाहिए, और उन्हें तो कूड़े करकट के डिब्बे में फेंक दिया जाना चाहिए। और हम पिन्तेकोस्तल लोग जाकर उन्हें लेते हैं, और उन पर ऐसे मंड़राते हैं जैसे कूड़े के डिब्बे पर मक्खियाँ मंडराती हैं। यह सही बात हैं। परमेश्वर ही दया करे।

हमें इस बात की आवश्यकता है, कि हम अपने पहले से प्रेम की ओर लौट जायें। वापस पिन्तेकुस्त की ओर लौट जायें। अब मेरे लिए यही बेहतर होगा, कि अब इससे अलग हट जाऊँ। यह बिलकुल ठीक बात है। लेकिन आप इस बात को समझते हैं, कि उस पहले प्रेम को छोड़ा जा रहा है....

69 अब देखिए, यह चौथा पद, यह पांचवां पद एक चेतावनी है; यह पांचवां पद एक चेतावनी है। "चेत कर और मन फिरा।" समझे?

याद कर कि तू कहाँ से गिरा है.....(कहाँ से तू आया? अब तू जहाँ है, तू उस पिन्तेकुस्त से जिससे तू आया गिर चुका है, तू विश्वास से पिछड़ चुका है।) .....और मन फिरा और पहले के समान काम कर...(फिर से पिन्तेकुस्त की ओर लौट जा) .....और यदि तू मन न फिराएगा, तो मैं तेरे पास आकर तेरे दीवट को....(देखिए, यह कौन है; क्या आप नहीं देखते हैं? .)...तेरे स्थान से हटा दूंगा। सिवाय मन फिरा

दूसरे शब्दों में यह है: यदि आपके पास परमेश्वर से भरा हुआ, पवित्र आत्मासे भर हुआ कोई पुरोहित-याजक है, और आप उसे अपने काबू में करके अपनी ऊंगली के इशारे पर चलाने की चेष्टा करते हैं, और उसके लिए कहते हैं, "ठीक है, यदि वह हमारी इस वेशभूषा धारण की हुई गायन-मंड़ली के विषय में कुछ कहता है, तो हम बस उसे बाहर ही निकाल देंगे।" चिंता न कीजिए; इससे पहले कि तुम्हें ऐसा करने का मौका मिलें परमेश्वर ही ऐसा कर डालेगा । इससे पहले कि वह उस प्रकार की व्यर्थ की बातों से समझौता करे वह बाहर निकल जायेगा, और वह बाहर सड़कों पर पत्थरों को प्रचार करेगा। यदि आपके पास एक ऐसा पास्टर है जो सचमुच आपको सत्य बताता है, तो आपको परमेश्वर का सम्मान करना चाहिए और परमेश्वर की आरधना-उपासना करनी चाहिए; और आत्मा में कायम रहना चाहिए, और आपको इसका आभास होना चाहिए, कि यदि आप ऐसा नहीं करते हैं, तो आप बर्बाद हो जायेंगे। समझे?

70 परन्तु आज लोग इस प्रकार का जीवन व्यतीत कर रहे हैं, जैसा कि वे कर रहे थे.... जैसाकि केवल एक ही काम वहाँ पर था, "इसी पृथ्वी पर ही जीवन व्यतीत करो, यही सब कुछ है।" तुम्हें इस बात का आभास नहीं है, कि तुम्हारे पास एक प्राण है जो इस जगह को छोड़कर कहीं और जाने वाला है। और जिस प्रकार से तुम अपना जीवन व्यतीत करते हो और जिस प्रकार से तुम काम करते हो, उससे तुमने यहीं पर ही अपनी मंजिल तय कर ली है। तुम ईर्ष्या, कुढ़न रखते हो, और तुच्छ काम करते हों तथा ऐसे ही और दूसरे काम करते हो; और फिर भी गिरजे की ओर दौड़ते हों। ओह, परमेश्वर ही दया करे ! वाह ! तुम्हें शर्म आनी चाहिए। तुम मसीह के नाम पर- - पर निन्दा लेकर आते हो। क्या यह सच नहीं है? क्या हम ऐसा नहीं करते हैं?

शराब में धुत लोग कलीसिया पर आधात नहीं कर रहे हैं। यह ऐसी बात नहीं है। यह कोई वेश्या नहीं है जो कलीसिया पर आधात कर

रही हो। ये तो वे लोग ही हैं जो मसीही होने का दावा कर रहे हैं जो कलीसिया पर आघात कर रहे हैं। हम जानते हैं, कि शराब के नशे में धुत रहने वाला इंसान क्या होता है, हम जानते हैं, कि एक वेश्या क्या होती है। पर जब हमारी बहनें वेश्या के जैसे कपड़े पहने तो यह एक अलग बात होती है, और यही है वह जो कलीसिया को चोट पहुँचा रहा होता है। जब हमारे पुरुष पियक्कड़ शराबी के जैसे शराब पीते हैं, तो यही है वह जो कलीसिया को चोट पहुँचा रहा होता है। वे एक मसीही होने का दावा कर रहे होते हैं, और फिर भी उन कामों को कर रहे होते हैं।

उस नाम के कारण ही लोग आप पर निगाह लगायें रहते हैं..... जो कोई यीशु का नाम ले, वह पाप से दूर रहे। समझे? उससे दूर रहो। हे भाइयों हम बहुत ही कम हैं ! मैं, और आप, और हम सब हैं.... हम हैं.. हम उससे कम हैं जो मसीह चाहता है कि हम हों। और इस समय ठीक इस दिन में यहाँ पर वह समय है जब हमें हर एक पाप को जो बड़ी सहजता से हमारे आगे धरा रहता है। दूर कर देना चाहिए, और धैर्य के साथ उस दौड़ को दौड़ते चले जाना चाहिए जो हमारे आगे है। समझे? प्रचारक भाइयों, यह बात सही है,.....?...यह बिलकुल सच बात है।

71 "सो चेत कर और मन फिरा; वरना मैं तारे के उजियाले को उसके स्थान पर से हटा दूंगा।' उसका स्थान कहाँ पर है ? कलीसिया में। परन्तु यदि तु मन ना फिराये, और उस स्थिति की ओर न लौट जाये जिस स्थिति में तू पहले था, तो मैं तेरे याजक-पास्टर को तेरे पास से दूर कर देंगा; मैं उसे कहीं और वहाँ पर उसका... वहाँ पर स्थापित कर दूंगा जहाँ मैं अपने उस उजियाले को प्रतिबिम्बित कराँगा जो चमकेगा।

ओह, क्या यह एक गहरी बात नहीं है? यह कलीसियाओं के लिए प्रायश्चित करने का समय है। यह पिन्तेकोस्तलों के लिए ज्ञानवान-तेज तर्रार विद्वानों को प्रचारमंचों से हटाने का और वहां पर किसी पुराने चलनवाले ऐसे प्रचारक को खड़ा करने का समय है जो आपको सच्चाई बतायेगा,

और जो कलीसिया का शबाशी पाने के लिए और भोजन के पैसे पाने के लिए, बड़ी बड़ी आमनदनी पाने के लिए, और इसी प्रकार की कुछ चीजों को पाने के लिए; और मनोविज्ञान के लिए; और कुछ एक घुड़दौड़ों के लिए, और सूपों के भोजों के लिए तथा इसी प्रकार की अन्य बातों के लिए उपयोग नहीं करता है। यह तो फिर से सुसमाचार की ओर वापस लौटने का समय है। मैं इसकी परवाह नहीं करता हूँ, कि

आप कितने छोटे हैं, जहाँ कहीं दो या तीन जमा है, मैं... मैं उनके बीच में होऊँगा।3 "मन फिरा; नहीं, तो मैं आकर तेरे दीवट को हटा देंगा, उसे कहीं और किसी ऐसी जगह पर भेज दूंगा जहाँ वह अपना उजियाला चमकाये।"

72 अब छठवां पद देखिए! अब, यहाँ पर एक ऐसी बात है जिससे हमें परेशानी होने जा रही है। अब, यदि तू मन ना फिरायेगा, तो वह आएगा, और पास्टर को हटाकर दूर कर देगा।

पर हाँ, तुझ में.....

अब, स्मरण रखिए! ओह, अब आप इससे चूकिएगा नहीं ! अब यह सारी बात से, आगे तक इस काल से जिसमें हम अब रह रहे हैं मेल खाने जा रही है। सबसे पहले तो यह बतायें, क्या हर कोई अच्छा सा अनुभव कर रहा है? (मंड़ली कहती है, आमीन' -सम्पा.) क्या आप जल्दी में हैं? (मड़ली कहती है, 'जी नहीं' - सम्पा.) बिलकुल ठीक है, अब, बिलकुल ठीक है। फिर तो क्या आप हमारे साथ थोड़ा सा और रुके रहेंगे? (मंड़ली में से एक भाई कहता है, "हम तो सारी रात भर ही रुके रहेंगे''- सम्पा.) अब... आपका धन्यवाद हो।

पर हाँ, तुझ में... (तब उनमें कोई बात थी; क्या उनमें नहीं थी? अब देखिए, उनमें क्या बात थी?) ...तुझ में यह बात तो है, कि तू नीकुलाइयों के कामों से घृणा करता है, जिन से मैं भी घृणा करता हूँ।

"तू ने उन नीकुलाइयों के कामों से घृणा की है। वहाँ ऊपर अध्ययन करते हुए मैंने इस पर कुछ बातों को लिख लिया था। अब मैं आप से यह चाहता हूँ, कि आप उन कुछ पृष्ठों पर ध्यानपूर्वक कान लगायें रखे रहें। 6वां पद प्रशंसा और सहमति करता है; यहाँ ऐसा है: परमेश्वर और कलीसिया एक बात पर एक मत पाये जाते हैं, कि उन्होंने नीकुलाइयों के कामों से घृणा की। यह सच्ची दाखलता , सच्ची दाखलता, सच्ची कलीसिया थी जो इफिसुस की कलीसिया में थी....

73 अब याद रखिए; हर एक कलीसिया में औपचारिक लोग होते हैं और हर एक कलीसिया में आत्मिक लोग होते हैं। ये तो वे जुड़वा हैं जो हर एक बेदारी में उत्पन्न होते हैं, और हर एक कलीसिया में रहते हैं। उनकी शुरुवात ठीक इस काल में हुई थी, और उनका अंत इस काल में होता है। और आखिरकार उन औपचारिक लोगों ने थुआतीरा काल में उस पर अपना अधिकार कर लिया था; और लूथर ने इसे फिर से निकाल बाहर किया था । अब यह फिर से इसके अंदर बड़े ही जोरदार ढंग से विचरण कर रहा है।

क्या आप उस औपचारिक-शिष्टाचाराकूल धर्म को नहीं देख सकते हैं ? उसमें और कैथोलिकमत में कोई अंतर नहीं है; यह तो सारा का सारा ही एक सा ही है। वहां हर एक संस्था उसके अंदर वध होने के लिए ही है। परमेश्वर ने कभी भी अपनी कलीसिया को संस्थागत नहीं किया था। यह बिलकुल ठीक वह है जो वे यहाँ पर करने का प्रयास कर रहे थे। और दृष्टि आप डालिएगा, और देखिएगा, क्या यह बात अब सच नहीं है; मैं बस आपको दिखाता हूँ; हर एक संस्था कैसी स्रापित है। यह थी.... यह नयी कलीसिया के लिए, नये नियम की सच्ची कलीसिया के लिए परायीपरदेशी थी। समझे?

74 पर हाँ, तुझ में .....पर हाँ, तुझ में यह बात तो है, कि तू नीकुलाइयों के कामों से घृणा करता है, जिन से मैं भी घृणा करता हूँ।

सच्ची दाखलता ने नीकुलाइयों के कामों से घृणा की थी, जैसे परमेश्वर ने नीकुलाइयों के कामों से घृणा की थी। इफिसुस की कलीसिया में- इफिसुस की कलीसिया में जो काम थे वे ही पिरगुमन की कलीसिया में शिक्षा-सिद्धांत बन गये थे। क्या आप इसे सुन सकते हैं? क्या अब आप इसे समझ सकते है? इफिसुस में यह एक कार्य थे; और देखिएगा; ये ही यहाँ पिरगुमन में ये शिक्षा-सिद्धांत बन जाते हैं। वह यहाँ पर बस एक बाल्य रुप में ही आरम्भ हुए थे। यहाँ पर पौलुस के अनुसार नीकुलाइयों के काम भेड़िये थे।

75 अब देखिए, क्या हुआ था... इससे पहले कि हम आगे बढ़े आइये हम इस नीकुलाइयों' शब्द का संधिविच्छेद कर लें और देखें कि हमें क्या मिलता है। मेरे लिए 'नीकुलाइयों' शब्द एक प्रकार से विदेशी शब्द है। मैंने इसे उन सब ग्रीक शब्दकोषों में से ढूंढा जिनसे मैं इसे ढूंढ़ सकता था। 'नीकुलाइयों', नीको, "नी-को' शब्द से आया है (ठहरिये, मैं सोचता हूँ, कि मैंने इसे यहाँ पर लिखा हुआ है) नी...को.. नीको का अर्थ जीत लेना, या उखाड़ फेंकना होता है। "नीकोलाइटयों' का अर्थ "जन साधारण या कलीसिया को जीत लेना, या उखाड़ फेंकना होता है । यही है। वह जो वे यहीं पर करने का प्रयास कर रहे थे;

वे उस कलीसिया को अपने अधिकार में लेने का प्रयास कर रहे थे जहाँ परमेश्वर के पास याजक (गड़रिये) थे, और जहाँ जीविते

परमेश्वर की कलीसिया में परमेश्वर का आत्मा वरदानों के द्वारा विचरण कर रहा था। और उन्होंने एक शिक्षा आरम्भ कर दी थी, कि वे अपने लिए कुछ पुरोहित,और बिशप, और पोप, और ऐसे ही और दूसरे लोग रखने जा रहे हैं। यही है वह जिसके लिए परमेश्वर ने कहा था, कि वह इससे घृणा करता है। वह आज अभी भी इससे घृणा ही करता है। नीको-लाइयों (नीको का अर्थ अधिकार में लेना- जीत लेना होता है) या जन साधारण (लैयटी) को उखाड़ फेंकना होता है।

जन साधारण (लैयटी) कलीसिया होती है। कितने लोग यह जानते हैं, कि लैयटी कलीसिया होती है?

76 यह बिलकुल ठीक बात है, कि "लैयटी को उखाड़ फेंका गया, या जीत लिया गया, या लैयटी की जगह ले ली गयी"— दूसरे शब्दों में यह है, कि कलीसिया से सारी पवित्रता , सारी सामर्थ-सारे अधिकार ले लिये गये, और पादरियों को सौंप दिये गये; कहा गया, "मंड़ली-जन साधारण लोग जैसा चाहे वैसा जीवन व्यतीत करें; परन्तु पादरी ही पवित्र मनुष्य है।" उन लोगों से जिनमें चिन्ह और आश्चर्यकर्म हो रहे थे पवित्र आत्मा को हटाकर दूर कर दिया गया; और उन्होंने उसे उन लोगों से अलग हटा दिया, और उन्हें पवित्र पादरी पद (पुरोहित पद) दे दिया: पवित्र आत्मा को हटाकर दूर कर दिया गया, और पुरोहित पद उसके स्थान पर ठहरा दिया गया।

क्या आप देखते हैं, कि यह क्या था? यह था एक... यह आखिरकार बन गयी थी एक... यहाँ इस कलीसियायी काल में ये एक कार्य थे; और यहाँ इस जगह ये एक शिक्षा बन जाते हैं और थुआतीरा तो इसे अपने अधिकार में ही ले लेता है। और जब लूथर बाहर निकल कर आया, तो यह उस प्रकार से न रह सकी थी; उसके बाद तो यह फिर से वापस ही लौट गयी थी, और उस पर फिर से अधिकार कर लिया गया था, इसमें फिर से बिशप, कार्डिनल, आर्कबिशप हो गये थे। संसार में परमेश्वर की कलीसिया का कौन प्रधान है? कोई और नहीं, वरन स्वयं परमेश्वर ही। आमीन ! वाह ! अब, मुझे भक्ति भाव की अनुभूति हो रही है।

कोई प्रचारक नहीं, वरन पवित्र आत्मा को ही कलीसिया पर, सारी मंड़ली पर अधिकार करने के लिए भेजा गया है। क्या बस प्रचारक ही पवित्र हों? यह तो सारी की सारी कलीसिया ही है जिसके पास पवित्र आत्मा होता है। और बजाये उसके— बजाये इसके कि ऐसा करने के लिए उनके पास पवित्र आत्मा हो; उन्होंने एक छोटा सा वेफर, और एक छोटा सा बिस्कुट , और थोड़ी सी दाखरस को अपना लिया, और उसे "पवित्र यूख्रीस्त" कहा, जिसका अर्थ होता है: पवित्र आत्मा।

संसार में एक छोटा सा बिस्कुट और थोड़ी सी दाखरस किस प्रकार से पवित्र आत्मा हो सकती है? अब देखिए, यदि यह इसी प्रकार से होता तो आपको प्रेरितों के काम 2 को इस प्रकार से पढ़ना होता, : "जब पूरी तरह से पिन्तेकुस्त का दिन आया, तो यहाँ मार्ग पर एक रोमन कैथोलिक पादरी चलता हुआ आया, और बोला, 'अपनी जुबान बाहर निकालो, और उसने उसकी जुबान पर एक वेफर रखा, और उसे दाखरस पिलाया; और बोला, "अब, तुम्हें पवित्र आत्मा मिल गया है।"

अब हम सोचते हैं, कि यह एक भयंकर बात है। यह है।

77 अब आइये हम और आगे चलते हैं। मुझे एक बैपटिस्ट कलीसिया में मखसूस किया गया था; अब आइये हम बैपटिस्टों को लेते हैं। समझे? मैथोडिस्टों के बारे में क्या है, हम क्या करते हैं? "यदि तुम यह विश्वास कर लेते हो, कि यीशु मसीह परमेश्वर का पुत्र है, तो तुम्हारा उद्धार हो गया।" शैतान भी विश्वास करता है, कि वह परमेशवर का पुत्र है, और इस पर थरथराता है; और शायद वह तो इस पर उससे कहीं अधिक विश्वास करता हो जितना कि कलीसिया के बहुतेरे सदस्य करते हैं। शैतान भी ठीक इस बात का विश्वास करता है, और थरथराता है, क्योंकि वह जानता है कि उसे नाश हो चुका है।

अब, हम इसे मैथोडिस्ट रुप लेकर देखें। इसके बाद वे कहते हैं, कि यूहन्ना ने बपतिस्मा नहीं दिया था, उसने तो जल का छिड़काव ही किया था। कहता है "देश में ढेरों गोफर (अमेरिका में उन जानवरों के लिए प्रयुक्त किया जानेवाला शब्द जो मिट्टी खोदकर बड़े बड़े बिल बना लेते है) थे... और... और पानी जगह-जगह बाहर निकलकर ऊपर आ गया था। और उसके पास एक कुप्पी जैसी थी और उसने एक गोफर का बिल खादा था। वे सचमुच में इसका प्रचार करते हैं। और उसने इस गोफर वाली कुप्पी में या इस छोटी सी कुप्पी में गोफर के बिल से पानी भरा और लोगों पर छिड़का।" ओह, भाई, क्यों; यह तो बकवास है!

78 ठीक है, आइये हम इसे यहाँ पर लेंगे, "जब पिन्तेकुस्त का दिन आया, तो सब एक जगह एक चित और एक मन होकर इकट्ठा थे। और एक पादरी आया, और उसने एक शानदार प्रवचन प्रचारा, और कहा, मुझे सहभागिता का दाहिना हाथ दो, और मैं तुम्हारा नाम पुस्तिका में लिबँगा।"

यह बात तो सही प्रतीत नहीं होती, क्या यह सही प्रतीत होती है? हो सकता है, आपको ऐसी बात... में मिलें... आपको ऐसी बात पंचाग में नहीं मिल सकती है; वे तो उससे ज्यादा बेहतर जानते हैं। प्राचीन महिलाओं के जन्मदिन से सम्बंधी पंचांग उससे अधिक सही होगा।

ठीक है, तब उनसे ऐसा किसने करवाया था? जो नीकुलाइयों के मानने वाले थे, वे लोगों का एक ऐसा झंड़ अंदर लेकर आ रहे थे, जो पवित्र वचनों को धुमाफिरा दें और एक ऐसी संस्थागत कलीसिया बना दें, जो परमेश्वर को उसके अंदर चलने फिरने की अनुमति नहीं दे सकती है। और वह ठीक वहीं पर मर हो जाती है। समझे? और यहाँ पर यह कहा गया है, "तू मरा हुआ है। तेरे पास एक नाम है, कि तू जीवित है- तू नाम का जीवित तो कहलाता है, पर तू है मरा हुआ।" उनमें से बहुतेरे मरे हुए हैं, और यह नहीं जानते हैं।

79 जब मैं और मेरा छोटा भाई बच्चे थे, तो तब हम यहाँ पर मछली पकड़ रहे थे। और मैंने एक बूढ़ा ज़रज़रा सा कछुवा पकड़ा, और मैंने उसका सिर काट डाला था; उसे धड़ से अलग कर दिया था; मैं उस चीज के साथ पागलपन नहीं करना चाहता था, और मैंने उसे वहीं तट पर फेंक दिया था। और मेरा छोटा भाई मेरे पास आया, और बोला, "थोड़ी देर पहले तुमने क्या पकड़ा था?"

मैंने कहा, "एक कछुवा।"

उसने पूछा, "तुमने उसके साथ क्या किया था?

मैंने कहा, "वह वहाँ पर पड़ा हुआ है; और उसका सिर वहाँ पर पड़ा हुआ है।"

और वह वहाँ पर गया, और बोला, "क्या वह मरा हुआ है?"

मैंने कहा, "यकीनन; उसका सिर उसके धड़ से अलग है, वह अवश्य ही मरा हुआ होना चाहिए।'

अत: तब उसने एक छड़ी उठायी और वह इस कछुवे के सिर को फिर से नदी के अंदर या दर्रे के अंदर डालने के लिए चल पड़ा। और जब जैसे ही उसने ऐसा किया, तो उस बूढ़े कछुवे ने उसे पकड़ लिया। आप जानते हैं कि वे ऐसी ही कटी हुई हालत में एक या दो घन्टे तक

पड़े रहेंगे। वह कूद कर पीछे उछला और बोला,

"मैंने सोचा था, कि तुमने बोला था, कि वह मरा हुआ है।

मैंने कहा, "वह मरा हुआ ही है।"

वह बोला, "अच्छा, वह इसे नहीं जानता है।"

ठीक इसी प्रकार से बहुतेरे लोग हैं: वे मरे हुए हैं, और यह जानते भी नहीं हैं।

नीकुलाइयों.... ओह, मेरे परमेश्वर ! उसने कहा था, "तू उससे घृणा करता है। .... सब ले रहे थे... बढ़िया पवित्र पादरी, पवित्र कार्डिनल, पवित्र कार्डिनल बना लिये थे।

80 और आप में से कुछ पिन्तेकोस्तल कहते हैं, "वह महान ओवरसियर है। वह महान जरनल ओवरसियर है, उसे अंदर आने दो। वही आपको बतायेगा, कि आप यहाँ पर एक चंगाई सभा कर सकते हैं या नहीं।" हाल्लिलुय्याह! पवित्र आत्मा ही एक ऐसा है जो कह सकता है, कि वह हो सकती है या नहीं ; वही परमेश्वर का अनन्त वचन है।

"ठीक है, भाई ब्रन्हम, हम विश्वास करते हैं, कि बाइबिल यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा होने की शिक्षा दे देती है, लेकिन जरनल ओवसियर ने कहा है, कि यदि हम इसे अपनी कलीसिया में आरम्भ करेंगे, तो वह हम सब को बाहर निकाल देगा।' आगे बढ़ियें ! अत: यदि आप यहाँ से बाहर की कुछ बातें लेते हैं, तो आपको वहाँ से बाहर निकाल दिया जायेगा ; अत: कैसे भी हो अच्छा यही रहेगा, कि आप यहाँ से बाहर निकल जायें। यदि वह आपको यहाँ से बाहर निकाल देता है, तो आपको वहाँ पर अंदर ले लिया जायेगा। अत: यह तो ठीक एक सी ही बात है ; अत: आप बस उसी पर ही अटल बने रहें।

हम सुधरना चाहते हैं। ओह, मेरे भाई, यह एक गम्भीर मसला है। हमें इस मामले को सही करना है। हमारे पास तब तक एक सच्ची कलीसिया नहीं हो सकती है, जब तक कि परमेश्वर को उसे टिकाकर रखने के लिए जेंव नहीं मिल जाती है। वह मूर्खता के झंड़ पर कभी भी अपनी कलीसिया का निर्माण नहीं करेगा। उसे तो अपने ही वचन पर आना होता है, या वह बिलकुल भी नहीं आएगा : उसे तो ठीक अपने ही वचन पर ही आना होता है।

81 अधिक समय नहीं हुआ है जब यहाँ पर किसी ने मुझ से कहा था, "भाई ब्रन्हम, कैटायूक्यू में बाहर निकल कर आये हैं कितने लोग कैटायूक्यू में थे? क्यों ज़रा यहाँ देखिए; तिहाई कलीसिया या इससे ज्यादा कैटायूक्यू में थी। जो कि ..... अत: देखिएगा। उस दोपहर बाद वह पुरुष वहाँ पर खड़ा हुआ, और आप सब ने उसे सुना था। मैं नहीं जानता हूँ, कि मैं इसके विषय में जानता था। परमेश्वर वहाँ ऊपर कक्ष में यह प्रकट कर सकता था, कि वे यहाँ नीचे क्या कर रहे थे; और आप जानते हैं कि उसने ऐसा ही किया था।

वह वहाँ ऊपर आया और बोला, "ओह, अब भाई ब्रन्हम को देखिए, वह प्रभु का एक दास है। जब आत्मा उसके ऊपर होता है, तो वह अभिषेक पाया हुआ एक भविष्यद्वक्ता होता है। वह निश्चय ही जानता है; परमेश्वर उसे से बताता है कि क्या है, और क्या घटित होने जा रहा है, परन्तु जब उसकी धर्मशास्त्र की शिक्षा की बात आती है, तो उस पर कान न लगाओ।'

यह क्या ही पापशंका से भरा हुआ विचार है। कैसे एक मनुष्य ऐसा कह सकता है? क्यों; मेरे पास नहीं है..... ठीक है, यदि आपको शब्दों का ठीक ठीक अर्थ मालूम नहीं हैं, तो आपको—आपको उपयुक्त बात भी मालूम नहीं होती है। आप उस जैसी बात को कभी किस प्रकार से कैसे सोच सकते हैं? क्यों? क्योंकि शब्द "भविष्यद्वक्ता" का अपने आप में ही अर्थ "वचन का दिव्य प्रकाशन देनेवाला होता है। किस प्रकार से आप.... प्रभु का वचन भविष्यद्वक्ता के पास ही आता है। मैंने कभी नहीं कहा है, कि मैं एक भविष्यद्वक्ता हूँ; उन्होंने ही ऐसा कहा है।

परन्तु आप ऐसी ही स्थिति में हैं। समझे?

82 लोग कैसे.... चूंकि उनकी संस्था इससे सहमत नहीं होगी, और वे कहीं पर अपनी छोटी सी कलीसिया को थामे रहने के लिए अपने वारिसाना हक को एसाव के जैसे ही भोजनवस्तु के कटोरे के लिए बेच रहे हैं; तुम बड़े ही अभागे ढोंगी हों। यह सच बात है। वे भोजनवस्तु के गाढ़े रस के लिए; नामधारी कलीसिया की घपलेबाजी के लिए, संस्था की घपलेबाजी के लिए अपना जन्मसिद्ध अधिकार बेच रहे हैं । आप बस स्मरण रखिए, आप कहते हैं, "क्या संस्था?" परमेश्वर उससे घृणा करता है। यही एक ऐसी चीज है जो भाइयों को एक दूसरे से अलग अलग करती है, और उनके सम्बंधों में दरार डालती है...

ऐसे बहुतेरे मैथोडिस्ट, बैपटिस्ट और प्रेसबीटेरियन हैं। जो आज रात्रि परमेश्वर के मेज़ के चौर्गिद एक साथ संगति करना चाहते हैं; परन्तु यदि वे ऐसा करते हैं, तो ज्यों ही वे संगति करना आरम्भ करते हैं, त्यों ही उन्हें पहली बार में ही उनकी संस्था से बाहर निकाल दिया जायेगा। यह पूर्णत: सच है। "मामा तो इसी में ही रही थी।" और सबसे पहली बात तो यह है, कि वे उसके ही पोते-पोती बने हुए हैं। ओह मेरे परमेश्वर ! मैं इसकी परवाह नहीं करता हूँ, कि आपकी मामा किस की सदस्य थी, वे तो उस सारे उजियाले में जीवन व्यतीत कर चुकी जो उनके दिन में था। आप तो किसी और दूसरे दिन में ही रह रहे हैं।

83 लगभग तीन सौ वर्ष पहले एक गेंद का गलोब के चारों ओर चक्रण कराने के द्वारा विज्ञान एक बार यह सिद्ध कर चुकी थी, "यदि एक.... यदि कोई वाहन कभी तीस मील घंटे की जबरदस्त रफ्तार से चलेगा, तो गुरुत्वाकर्षाण उसे पृथ्वी से ऊपर उठा लेगा, और उसे आंतरिक्ष में पहुँचा देगा।" आप सोचते हैं, कि क्या विज्ञान आज इस तथ्य का विश्वास करती है? वे तो उन्नीस सौ मील घंटे की रफ्तार से मोटरगाड़ियाँ चला रहे हैं। वे इस बात के लिए पीछे मुड़ कर नहीं देख रहे हैं कि उन्होंने क्या कहा था; अगर वे पीछे ही देख रहे हैं, तो वे इसलिए ही देख रहे हैं, कि वे आगे देखते हुए क्या देख सकते हैं।

परन्तु कलीसिया हमेशा ही पीछे की ओर देखना चाहती है, और यह देखना चाहती है, कि वैसली ने क्या कहा था, मूड़ी ने कया कहा था, औंकी ने क्या कहा था। जो विश्वास करते हैं, उनके लिए सब कुछ सम्भव है, आइये हम आगे की ओर देखें। बाइबिल में केवल एक ही ऐसा है जो पीछे की ओर देखता है....

क्या आप जानते हैं, कि वह किस प्रकार का जानवर है जो हमेशा ही पीछे की ओर देखता है? वह एक निम्न कोटि का जीव है। कितने लोग यह जानते हैं, कि यह विचरण करने वाला निम्न कोटि का जीव क्या है? मेढ़क ! मेढ़क एक निम्न कोटि का जीव है, और मनुष्य एक उच्चतम् कोटि का जीव है। और मेढ़क ही पीछे की ओर देखते है।

मुझे उस प्रकार का निम्न कोटि का जीव (जीवन) अच्छा नहीं लगता है। मैं तो विश्वास करते हुए भरोसा करते हुए ही उजियाले में आगे की ओर चलते हुए देखता रहना चाहता हूँ, जबकि वह उजियाले में है (आमीन)जबकि वह जो उजियाला है चमकता है।

84 एक बार मैं कैंटकी में एक सभा कर रहा था, एक बुजुर्ग व्यक्ति बाहर निकलकर आया, और बोला, "ओह, मैं उस चंगाई में विश्वास नहीं करता हूँ।"

और मैंने कहा, अच्छा, यह बिलकुल सच है,कि आप एक अमेरिकी है।"

वह बोला, "मैं... मैं किसी भी बात का तब तक विश्वास नहीं करता हूँ जब तक कि मैं उसे देख न लें।

और मैंने कहा, "यह तो बिलकुल ठीक बात है।'' वह बोला, "अब, मैं तुम्हारे बिलकुल भी विरुद्ध नहीं हैं। लेकिन मैं.. मैं उसका विश्वास नहीं करता हूँ जो तुम कह रहे हो।'

मैंने कहा,'' यह आपका अपना अमेरिकी विशेषाधिकार है; आपको ऐसा नहीं करना होता है।

वह बोला, "अब देखिए, मैं तब तक कुछ भी स्वीकार नहीं करता हूँ, जब तक कि मैं उसे स्पष्ट रुप से देख नहीं लेता हूँ।

मैंने कहा, "ठीक है, यह है- - यह है- - यह एक अच्छी बात है। आप अवश्य ही मिसूरी के रहनेवाले हैं।"

बोला, "जी नहीं, मैं तो कैंटकीवासी हूँ।"

मैंने कहा, "यह बात एक कैंटकी वासी के लिए अच्छी नहीं लगती है। परन्तु कैसे भी हो ..... यदि आप.. यदि आप... यदि यही आपके सोचने का नजरिया है, तो आप ऐसे ही सोचते रहिए।'' और उसने कहा... उसने कहा.... मैंने पूछा, "आप अपने घर कैसे जा रहे हैं?"

वह बोला, "मैं पहाड़ के उस पार जा रहा हूँ, मैं ... के पार रहता हूँ... मेरे साथ वहाँ पर चलना चाहते हो।'' वह एक भला इंसान था; वह बोला, "भाई ब्रन्हम, मेरे साथ चलिए, और मेरे साथ वहीं पर ही सारी रात ठहरिए।"

मैंने कहा, "भाई, मैं चाहता हूँ, कि काश मैं ऐसा कर सकता होता, लेकिन मैंने कहा, "पर मैं यहाँ पर अपने आंकल के पास जा रहा हूँ।"

और वह बोला..... मैंने कहा, "क्या आप अपने घोड़े पर बैठ कर जाना चाहते हैं?" "

नहीं, मुझे वहाँ ऊपर इस रास्ते से पहाड़ को पार करके जाना होता है; और उबड़ खाबड़ पगडंड़ी से होकर जाना होता है। आप जानते ही हैं, कि यह वहाँ नीचे किस प्रकार से होता है। और मैंने कहा, "अच्छा'',

मैंने कहा, "आप वहाँ पर कैसे पहुँचने जा रहे हैं ?''

वह बोला, "मैं वहाँ पर पगडंड़ी से होकर जाऊँगा।"

मैंने कहा, "क्यों, आप तो अपने आगे अपने हाथ को भी नहीं देख सकते हैं। मैंने कहा, "आप वहाँ ऊपर कैसे पहुँचने जा रहे हैं?"

बोला, "मेरे पास एक लालटेन है।"

और मैंने कहा, "ठीक है, आप कैसे... आप करते यह है, कि आप उस लालटेन को जलाते हैं, और फिर उससे चलते हैं।"

उसने कहा, "जी हाँ, श्रीमान !''

मैंने कहा, "जब आप उस लालटेन को जलाते हैं, तो क्या आप उसको इतना ऊपर उठा कर रख सकते हैं? मैं आपका घर देखना चाहूँगा।"

वह बोला, "आप उसे नहीं देख सकते हैं?

मैंने कहा, "ठीक है, तो फिर आप वहाँ पर कैसे पहुँचने जा रहे हैं?'' वह बोला, "ओह, हो, मैं तो बस उस लालटेन को जलाऊँगा, और मैं वैसे वैसे ही चलूंगा जैसे यह... जैसे जैसे उजियाला रहेगा वैसे वैसे मैं चलूंगा।"

मैंने कहा, "यह भी बिलकुल ठीक ऐसे ही है।'' आमीन ! मैंने कहा, "बस उजियाले में चलते रहिएं।"

85 बस चलते रहिएं ! गतिहीन न खड़े रहिएं। ऐसे तो आप कभी भी कहीं नहीं पहुँचेंगे। यदि आप बच गये हैं, तो आप पवित्रीकरण के लिए आगे बढ़ते रहिएं।

आप कहते हैं, "मैं वहां कैसे पहुँचू?''

आप बस चलते रहिए।

"क्या पवित्रीकरण के बाद पवित्र आत्मा का बपतिस्मा है? मैं वहां पर कैसे पहुँचू?''

बस उजियाले में आगे बढ़ते रहियें।

क्या चिन्ह, आश्चर्यकर्म, और चमत्कार हैं?''

बस आगे बढ़ते रहिएं। हर बार जब भी आप आगे बढ़ते हैं, उजियाला आप से थोड़ा सा और आगे चला जाता है, क्योंकि वह हमेशा ही आप से आगे ही रहता है। वह धक्का नहीं देता है, वह तो अगुवाई करता है। वह उजियाला है। ओह, मैं उसके कारण बहुत आनन्दित हूँ। क्या आप आनन्दित नहीं हैं? वह उजियाला है; उसके अंदर कोई अंधकार नहीं है।

86 "तू नीकुलाइयों के कामों से घृणा करता है। यह एक शिक्षा बन जाती है....

अब आइये हम देखते हैं... पौलुस ने क्या... अब देखिए, कौन कलीसिया

का.... अब किसने कलीसिया की स्थापना की थी? पौलुस ने ही इफिसुस की कलीसिया की स्थापना की थी। अब आइये, हम बस एक मिनट के लिए प्रेरितों के काम का 20 वाँ अध्याय निकालें। आइये बीसवाँ अध्याय देखते हैं, कि पौलुस ने क्या....क्या आप विश्वास करते हैं, कि पौलुस एक नबी था? निश्चय ही; वह था ! निश्चित रुप से; वह एक भविष्यद्वक्ता था। क्या आपको वह दर्शन याद है जो उसने उस रात उस तूफानी समुंद्र में देखा था तथा ऐसी ही और दूसरी बातें हैं ? अब... इस सब के विषय में...

संत- के 20 वें अध्याय में... निर्ग— प्रेरितों के काम के.... और आइये हम इसे 27 वें पद से पढ़ना आरम्भ करें। अब आप ध्यानपूर्वक सुनें जबकि हम इसे पढ़ते हैं। अब देखिए, यह पौलुस है, जो कि एक भविष्यद्वक्ता है, जो उन बातों की भावी बता रहा है जो घटित होगी।

क्योंकि मैं परमेश्वर की सारी मनसा तुम्हें पूरी रीति से बताने से न झिझका। वह आशीषित पुरुष... ओह, मैं उस दिन वहाँ पर खड़ा होना और शहीदों वाले उस ताज को उसके सिर पर पहनाया जाना देखना चाहता हूँ। यदि वहाँ पर रोने जैसी कोई चीज है, तो मैं रोऊँगा। मैं पौलुस को देखने के लिए चिल्लाऊँगा।

संत पौलुस को, महान प्रेरित को देखूगा।

वह उजला चमकदार अंगरखा पहने होगा;

मुझे यकीन है जब हम सब मिलेंगे वहाँ

जयजयकार अवश्य ही होगा वहाँ।

(क्या आप जयजयकार नहीं करेंगे?)

87 अब देखिए,

मैं परमेश्वर की सारी मनसा तुम्हें पूरी रीति से बताने से न झिझका। 201. क्या यह ठीक है? अब, मसीहियों इस ओर देखिएं; मैं आप से कुछ पूछने जा रहा हूँ। यह कौन था जिसने उन लोगों को जिनका पहले ही यीशु मसीह के नाम के अलावा किसी और रीति से बपतिस्मा हो चुका था फिर से यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा लेने की आज्ञा दी थी? (मंड़ली कहती है, "पौलुस ने''-सम्पा.) उसने सारी मनसा का प्रचार किया था। क्या यह सही बात है? ठीक है ना?

और जो पौलुस ने.... में कहा था....मैं विश्वास करता हूँ, वह था... मैं सुनिश्चत नहीं हूँ, क्या यह थिस्सलुनीकियों का पहला अध्याय और आठवां पद है जहाँ उसने कहा था, "यदि हम, या स्वर्ग से कोई दूत भी उस सुसमाचार को छोड़ जो हमने तुम्हें सुनाया; यदि स्वर्ग से कोई दूत भी आकर इस सुसमाचार को छोड़ कोई और सुसमाचार सुनायें, तो वह स्रापित हो।'' (फिर वह उन लोगों को यीशु के नाम में फिर से बपतिस्मा लेने की आज्ञा दे रहा था;)और जिस सुसमाचार का प्रचार पौलुस ने किया था .....

यदि स्वर्ग से कोई दूत भी आकर उस सुसमाचार के अलावा कोई और सुसमाचार सुनायें, तो वह स्रापित हो।' यह सच है। क्या यह सही है? जो उसने कहा था वह गलतियों 1: 8 में है। यदि आप इसे लिखना चाहते हैं, कि देखें कि पौलुस ने क्या कहा था, तो आप इसे लिख लें।

88 अब, यहाँ पर वह कहता है... अब, 27 वाँ पद देखिए, मेरा यकीन है कि यह 27 वाँ पद ही है।

क्योंकि मैं तुम्हें परमेश्वर की सारी मनसा पूरी रीति से बताने से न झिझका। अब, सुनिऐ, यह क्या है.... यह एक भविष्यवाणी है।

इसलिए अपनी और पूरे झुंड की चौकसी करो; जिसमें पवित्र आत्मा ने तुम्हें ....अध्यक्ष ठहराया है, कि तुम परमेश्वर की कलीसिया की रखवाली करो जिसे उसने अपने लोहू से मोल लिया है।

किसने मोल लिया? यह किसका लोहू था? बाइबिल कहती है, कि यह परमेश्वर का ही लोहू था। परमेश्वर ने अपने निज लोहू से ही .....क्या यह सच है? .....परमेश्वर की कलीसिया की रखवाली करो जिसे उसने अपने

लोहू से माल लिया है। बाइबिल कहती है, कि हमारा परमेश्वर के लोहू के द्वारा उद्धार हुआ है। क्या आप यह जानते थे? निश्चय ही, उसने ही यह किया। यह बिलकुल ठीक बात है।

मैं जानता हूँ, कि मेरे चले जाने के बाद फाड़ खानेवाले भेड़िये तुम में आयेंगे, जो झुड़ को न छोड़ेंगे।

तुम्हारे ही बीच में ऐसे ही... (देखिए, वह पुरुष वहाँ से होकर दृष्टि डाल सकता था, और उस चीज को आते हुए देख सकता था।) ...ऐसे ऐसे पुरुष उठेंगे जो चेलों को अपने पीछे खींच लेने को टेड़ी-मेड़ी बातें कहेंगे।

89 (टेप में रिक्त स्थान- सम्पा.) वर्षों बाद जैसा उसने...(टेप में रिक्त स्थान - सम्पा.) या लोंगों का एक ऐसा झुंड उठेगा, जो संस्था बनाना चाहेगा, और पवित्रताई और पवित्र आत्मा को कलीसिया से दूर कर देगा, और उस पर बिशपों, और पोपों तथा ऐसे ही और दूसरे लोगों को ठहरा देगा....वे पवित्र होंगे और मंड़ली जैसा चाहे वैसा जीवन व्यतीत करे... वे वैसा ही जीवन व्यतीत कर सकते हैं। और वे पादरी को धन-दौलत देंगे और वह प्रार्थना करके उन्हें नरक से बाहर निकालेगा, और इसी प्रकार से ही वह सब कुछ करेगा। और यह नीकुलाइयों के ही काम हैं। परमेश्वर ने कहा था, "मैं उन से घृणा करता हूँ ।" अब सुनिऐ: आइये मैं इसे देखें और आप कहते हैं, "परमेश्वर ने कहा, कि उसने इससे घृणा की?'' आइये हम देखें कि क्या उसने इससे घृणा की थी।

पर हाँ, तुझ में यह बात तो है, कि तू नीकुलाइयों के कामों से घृणा करता है, जिनसे मैं भी घृणा करता हूँ।

परमेश्वर संस्था से घृणा करता है। क्या यह सही है? अब, आप बिलकुल ठीक ठीक देखते हैं, कि वे क्या करने जा रहे थे; आप देखते हैं कि उन्होंने क्या किया था। अब, आप पूरी कलीसिया पर दृष्टि डालकर देखिए, कि क्या वे ऐसा ही नहीं करते हैं। वह संस्था से घृणा करता है। जिसके कान हों, वह सुन ले, कि आत्मा कलीसियाओं से क्या कहता है...

90 अब, पौलुस वाले भेड़िये ही नीकुलाइयों के काम बन गये थे। वे लेवियों वाले याजक पद को बनाने की चेष्टा कर रहे थे, जो कि नये नियम की शिक्षा के लिए पराया था। आमीन! नीको, शब्द एक ग्रीक शब्द है, और इस "नीको" शब्द का अर्थ "जीतना, जयवंत होना होता

है।" किसको जीतना है? जन साधारण को (कलीसिया को) पवित्र आत्मा को ! मुर्दो में से जी उठे प्रभु यीशु को चिंहों और आश्चर्यकर्मो समेत कलीसिया में से विश्वासियों के मध्य में से बाहर कर दिया गया था; और एक ऐसे पुरुष को ठहरा दिया गया था जिसे मतदान के द्वारा पोप या दुनियावी... कार्डिनल, या ओवरसियर चुन लिया जायें; वे पवित्र आत्मा को जन साधारण (कलीसिया) से दूर करने का प्रयास कर रहे थे; और जन साधारण को एक ऐसी व्यवस्था दे दी गयी जो लोगों की पवित्र व्यवस्था कहलाती थी; और उसे लेयटी याने कलीसिया के ऊपर ठहरा दिया गया;उन लोगों को लेयटी के लिए ठहरा दिया गया जो पास्टर थे जिसका अर्थ चरवाहे होता है, वरन फादर (पिता) ठहरा दिये गये; जबकि यीशु ने कहा था, "तुम इस पृथ्वी पर किसी मनुष्य को पिता न कहना।' क्या आप इस बुरी चीज को देखते हैं? और हमने क्या किया था?

91 ओह, काश हम यहीं पर रुक सकते होते! काश—काश हमारे पास इन सब रातों का इस प्रकार पूलिंदा न बन्धा होता! कल की रात को मैं प्रकाशितवाक्य के 12 वें अध्याय को लेना चाहता हूँ, और आपको उस पुरानी बड़ी वेश्या स्त्री को, उस बड़ी वेश्या को दिखाना चाहता हूँ जो वहाँ ऊपर बैठी हुई है। और वह...वह कारण जो वह वेश्या थी यह है: क्योंकि उसने परमेश्वर के प्रति व्यभिचार किया, और स्वयं अपने को एक विधवा कहा, और वह वेश्याओं की माता भी थी। क्या यह सही है?

अब हम जानते हैं, कि यह रोम है; क्योंकि वह सात पहाड़ियों पर विद्यमान है; और उसके सम्बंध में ये सारी बातें बिलकुल ठीक हैं: एक पुरुष उसमें पाया जाता है, और उसका अंक पशु का अंक है, तथा उसके विषय में ऐसी ही और दूसरी बातें हैं। हम स्वयं अपनी पिछली शिक्षाओं के द्वारा यह जानते हैं, कि वह कौन है। परन्तु उसके विषय में दुखद बात यह है, कि वह वेश्याओं की माता है। ठीक यहीं पर ही उसकी यह शुरुआत है; उसकी शुरुआत...के रुप में— मसीहियों के तथाकथित मसीहियों के एक झुण्ड के रुप में रोम में हुई थी।

92 सुनिऐ! परमेश्वर ही मेरी इसे स्पष्ट करने में मेरी सहायता करे। कलीसिया में इस प्रकार के मसीहियों का एक झुंड जिसमें लोग औपचारिक हो गये थे और अलग किस्म के हो गये थे; और अलग अलग को खींचे खींचे से रहने लगे थे हो गये थे; और उन्होंने अपने आपको एक संस्था में व्यवस्थित कर लिया था, और उन्होंने अंधेरे कालों में इसका सत्ता के साथ एकीकरण कर दिया था। कलीसिया और सत्ता एक साथ मिलकर क्या हो गयी थी? यह मसीही कलीसिया।

पवित्र कैथोलिक कलीसिया कहलाती थी (कैथोलिक शब्द का अर्थ "सर्वव्यापी' होता है।) यह महान विश्वव्यापी मसीही कलीसिया कहलायी थी; और इसने उन लोगों को जो अन्यान्य भाषाओं में बोलते थे, और जयजयकार करते थे, और बीमारों को चंगा करते थे, और इसी प्रकार के और दूसरे काम को करते थे, विधर्मी कहा। और आखिरकार उन्होंने इसे ऐसा सख्त कानून से बना लिया, कि यदि कोई भी व्यक्ति उस रीति से अराधना-उपासना करता हुआ पकड़ लिया गया— और यदि वे कैथोलिक मत को गले नहीं लगाते, तो उन्हें शेरों की मांद में फेंक दिया जाता था। वहाँ उस सताये जाने के इन सब पिछले सैकड़ों वर्षों में ऐसा ही किया जाता रहा था। परन्तु वह कलीसिया कदाचित न मरी।

आप उसकी हत्या नहीं कर सकते हैं। परमेश्वर ने कहा था, कि वह अंत तक जीवित रहेगी. और उसके बाद वह उसे जीवन का मुकुट देगा। सताये जाने या क्लेश के उन कालों से होकर वह आगे बढ़ती रही....

93 उसके बाद कलीसियायी कालों को ज़ारी रखने के लिए लूथर आया, और वह कलीसिया को "धर्मी ठहरने" के अन्र्तगत बाहर निकाल कर लाया। जब लूथर मर गया।

तो क्या हुआ था? उन्होंने इसे संस्थागत कर लिया ;उसे एक लूथरन कलीसिया बना डाला था; उन्होंने एक शिक्षा-सिद्धांत अपना लिया था। जब उन्होंने इसे संस्थागत कर लिया था, तो उन्होंने क्या किया था? उसने अपने वारिसाना हक को फिर से रोमन वाद को बेच डाला था। यह बिलकुल सच बात है।

उसके बाद पवित्र आत्मा उसमें से बाहर निकलकर आगे बढ़ गया था; और वैसली ने इसे देखा था। और जॉन वैसली, और वाइटफिल्ड़, और जॉर्ज वाइट फिल्ड़, तथा वे अनेकों और दूसरे; और... और एसबरी, और.. और उनमें से कई बड़ी बड़ी बेदारी करनेवाले जन थे। उन्होंने जगत को उस दिन में बचाया था। उनकी उस फिलेदिलफिया काल में एक बेदारी थी जिसने इंग्लैंड को बचाया था, और संयुक्त राज्य को भी बचाया था।

उनकी वहाँ पर सभाएं होती थीं जहाँ से उन्हें बाहर खदेड़ दिया जाता था, और उन्हें पवित्र पाखंड़ी या होली रोलर्स कहा जाता था। ये तुम मैथोडिस्ट ही थे जिन्होंने ऐसा किया था। वे परमेश्वर की सामर्थ के अन्र्तगत नीचे गिर जाया करते थे, और लोगों को उनके मुख पर पानी डालना पड़ता था, और उनका पंखा करना पड़ता था। यह सच बात है। और उन्हें उसके अन्र्तगत इतनी ज़ोर का झटका लगता था, कि लोग कहने लगते थे, कि वे तो झटके मारते हैं। वे... लोग पवित्र आत्मा की सामर्थ के अंर्तगत झटके मारते थे और कपकपाते थे । यह मैथोडिस्ट का इतिहास है।

वहीं से ही वे कपकपाने वाले और इसी प्रकार के कार्य-कलाप करनेवाले आये जो कि अब हैं।

94 उन्होंने इसे संस्थागत कर लिया था। उन्होंने इस मैथोडिस्ट को; और प्राचीन मैथोडिस्ट को, और इसी प्रकार की ही मैथोडिस्ट को ; और उस प्रकार की मैथोडिस्ट को बनाया; और वे ऐसा तब तक करते चले गये जब तक कि यह इतनी अधिक निम्न स्तरीय न होगी कि मैथोडिस्ट लोग अपने गीतों की पुस्तक में से लोहू को ही बाहर निकाल देना चाहते हैं।

किसी दूसरे दिन यहाँ टेलीविजन पर एक कार्यक्रम आ रहा था (मेरी माँ ने मुझे बुलाया) जिसमें उनका एक मैथोडिस्ट पादरी था, जो कि ठीक यहाँ इन्डियाना में ही रहता है, और वह कलीसिया में रॉक-एन रोल सिखा रहा था। और उसने कहा था, यह एक शर्म की बात है, हम इस सुंदर कला को जो कलीसिया में बढ़ती चली जाती है देखने में चूक गये हैं।" वह शैतान और एक झूठा नबी है। यह सच है। मैं आपकी भावनाओं को ठेस नहीं पहुँचाना चाहता हूँ, लेकिन भाई यह परमेश्वर की ही सच्चाई है।

मैं आप पर इस प्रकार से थोड़ा सा क्रोधित होऊँगा, और आप से पवित्रशास्त्र का अध्ययन करवाऊँगा, ताकि शायद ऐसा हो जाये कि आपका मामला परमेश्वर के साथ ठीक हो जाये, बजाये इसके कि आप आखिर में नाश हो जायें। हो सकता है, कि आप इस समय मुझे पंसद न करते हों. मगर किसी दिन आप मेरे चारों ओर अपनी बांहें डालेंगे, और कहेंगे, "भाई ब्रन्हम, वह बात सच थी।" ठीक इस समय ही यहाँ पर ऐसा पाया जाता है, और वे उसमें घूसते चले जा रहे हैं। यही है वह जहाँ वे... ठीक ऐसा ही हो रहा है। बाइबिल में कहा गया है, कि वे ऐसा ही करेंगे।

95 तब वैसली से... जब वैसली ने ऐसा किया, तो उसके बाद पिन्तेकोस्तल आये। और उन्होंने वरदानों की पुन: बाहली पायी, वे अन्यान्य भाषाओं में बोलने लगे थे, और उन्होंने पवित्र आत्मा का बपतिस्मा पाया था। 220. यह बिलकुल ठीक वैसी ही बात है जैसा कि गेहूँ का एक दाना बढ़कर भूमि में से बाहर निकल कर आता है। सबसे पहला काम यह होता है, कि वह सड़गल जाता है; और दो कोपलों को उगाता है।

इसके बाद ऐसा होता है.... आप सोचते हैं, कि आपके पास तो गेहूँ का एक खेत है। वह कोपलें बढ़ती हैं, और एक हूँदनी बनती है। यह पहली वाली तो लूथरन थी। पूँदनी; यह क्या थी? मैथोडिस्ट ; वह परागकण भाईचारे की प्रीति थी, जिसमें प्रचार-कार्य किया गया था, और वह परागकण और दूसरों के अंदर चलता चला जा रहा था।

क्यों, यहाँ तक कि प्राकृति भी इन कलीसियायी कालों का होने का दावा करती है। मैथोडिस्ट उस घपलेबाज़ी से बाहर निकलकर आते हैं....या.. मेरा तात्पर्य है, कि लूथरन उस घपलेबाज़ी से बाहर निकलकर आते हैं, और मैथोडिस्ट अपनी भाईचारे की प्रीति को फैला रहे थे; और यह प्रचार-कार्य का दिन था। वह महानतम् प्रचार-कार्य का दिन जो कभी संसार ने देखा वह मैथोडिस्ट समय ही था। यह सच है। यह अपने परागकणों को झाड़ रहा था...

96 वहाँ पर उस से क्या बाहर निकलकर आया? उस परागकण से गेहूँ की एक बाल बाहर निकलकर आयी; पिन्तेकोस्तल लोग बाहर निकल कर आये। एक गेहूँ। का आना शुरु हुआ; यह बिलकुल उस चीज के ही ठीक जैसा ही था जो भूमि में बोयी गयी थी। यह एक पत्ती नहीं था, एक हूँदनी नहीं था, वरन यह तो एक गेहूँ ही था। और अब; पिन्तेकोस्तलों ने उस गेहूँ के दाने के चारों ओर इतनी अधिक फफूदी लगा दी हैं, कि वह..... आप बमुश्किल भी गेहूँ का दाना नहीं देख सकते हैं। यह समय तो उसकी सफाई करने का समय था। आमीन।

उन्होंने क्या किया था? उन्होंने ठीक वैसा ही काम किया था जैसा मैथोडिस्टों ने काम किया था। उसमें से किसी एक ने अपने आपको एक झुंड के रुप में संस्थागत कर लिया था और कहा, "हम तो असम्बली ऑफ गॉड़ हैं। किसी दूसरे ने कहा, "हम तो पिन्तेकोस्तल होलीनस हैं।" किसी दूसरे ने कहा, "हम तो वननस वाले हैं।" "हम तो टूनस वाले हैं।" और इसमें से वे अनेकों बाहर निकल आये, और वे इतने अधिक हैं कि कोई तो ऊँट के एक कूब पर... ऊँट के दो कूब पर, तीन कूब पर , सभी चीजों पर सवार हैं.... या उनमें से साठ या तीस या चालीय विभिन्न संस्थाएं हैं।

97 उन्होंने क्या किया था? उन्होंने इसे फिर से रोमनमत में झोंक दिया था; इसका रोमन कैथोलिक कलीसिया के बपतिस्मे से बपतिस्मा किया।

मैं किसी भी पिन्तेकोस्तल से यह दिखाने के लिए कहता हूँ, कि वह मुझे दिखाये, कि बाइबिल में कहाँ कभी किसी भी व्यक्ति का पिता, पुत्र, और पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा किया गया है। मैं किसी भी बिशप, किसी भी कार्डिनल, किसी भी शिक्षक से कहता हूँ, कि बतायें , यह कभी कहाँ किया गया था, कैथोलिक कलीसिया को छोड़कर यह कभी कहाँ किया गया था। लूथर इसे अपने ही साथ लेकर आया था, वह उससे कैटेकिज़म तथा अन्य सभी कुछ लेकर आया था, और मैथोडिस्ट इसे लिये हुए ही चलते रहे।

पिन्तेकोस्तलों, तुम्हें लज्जा आनी चाहिए ! साफ हो जाओ ! वापस वचन की ओर फिर जाओ ! प्रयाश्चित कर लो, वरना परमेश्वर दीवट को, उस उजियाले को जो तुम्हारे पास है तुम्हारे पास से हटा कर दूर कर देगा। यह बिलकुल सही बात है।

98 पवित्र आत्मा जो कि एक अगुवे के रुप में था, उन्होंने इसे हटाकर लोगों को एक मानव-निर्मित पवित्र व्यवस्था दे डाली, और उसे जन साधारण (कलीसिया) के ऊपर ठहरा दिया, और उन्हें पादरी, चरवाहे ना कहें (हमें पास्टरों को चरवाहा कहना चाहिए, पास्टर शब्द का अर्थ ही चरवाहा होता है।) परन्तु उन्होंने तो अपने लिए फादर, कार्डिनल, आर्कबिशप, या जरनल ओवरसियर ठहरा लिये हैं।

सच्ची कलीसिया वालों ने इससे घृणा की थी। और परमेश्वर इसके लिए उनकी सरहाना की, और कहा, "मैं भी इससे घृणा करता हूँ। क्योंकि उसे ही जरनल ओवरसियर, आर्कबिशप, पोप होना चाहिए, वह व्यक्तिगत रुप से प्रत्येक अकेले व्यक्ति के साथ काम करता है। वह संस्था के साथ काम नहीं करता है, वह तो मनुष्य के साथ ही काम करता है।

अब यह विन्रित ढंग से.... सुनिएगा, जबकि हम समापन की ओर बढ़े चले आ रहे हैं। हमारे पास बस एक और वाक्यांश ही है।

99 यहाँ पर हम कैथोलिक-मत का आरम्भ होना, प्रेरितों के उत्तराधिकारियों का आरम्भ होना पाते हैं। कितने लोग यह जानते हैं? प्रेरिताई .... अब, देखिए कैथोलिक कलीसिया आज कहती है, कि पोप पतरस का उत्तराधिकारी है: यह प्रेरित उत्तराधिकारीपना होना है। ऐसी तो कोई बात ही नहीं है।

कैसे आपकी शारीरिक, कामवासना वाली अभिलाषा होती है....? यह किस प्रकार से था कि एसाव और याकूब एक पवित्र पिता और एक पवित्र माता से उत्पन्न हुए थे, और उनमें से एक तो मसीही था, और दूसरा वाला शैतान था ? समझे? ऐसा कैसे हो सकता है? पाप तो पाप ही है, और कामवासना तो कामवासना ही है, परन्तु यह तो परमेश्वर ही है जो जन्म होने देता है।

परमेश्वर हमें जगत की उत्पत्ति से भी पहले चुन लेता है। क्या आप यह जानते थे? आप तब तक प्रतिक्षा कीजिए जब तक कि हम अध्ययन करते हुए इन इतिहासकारों पर नहीं आ जाते हैं, और आप देखिएगा कि किस प्रकार से इरेनियस ने—किस प्रकार से उसने परमेश्वर की इसलिए स्तुति बढ़ाई की कि उसे जगत की उत्पत्ति से भी पहले चुन लिया गया था ; किस प्रकार से संत मार्टिन तथा उन सभों ने परमेश्वर की स्तुति बढ़ाई की, वे परमेश्वर की स्तुति बढ़ाई कर रहे थे, कहा था, क्योंकि.... और लोग उसके विषय में यही कहते रहे हैं, कि "उसे जगत की उत्पत्ति से भी पहले चुन लिया गया था।" यह वचन का लेख है। उन दोनों भाइयों का सम्बंध परमेश्वर से था।

परन्तु यह पुरानी काली कलीसिया अंधेरे कालों के उन पंद्रह हजार वर्षों में से होकर आयी; इसने सभी बातों को वैसे ही धुंधला सा कर दिया था जैसा कि चिराग का धुंआ कर देता है; इसने उजियाले को ज्योतिहीन कर दिया था। पर यहोवा कहता है, सांझ के समय में उजियाला होगा।"

100 प्रेरिताई उत्तराधिकार: एक के बाद दूसरा पोप होता है, और एक पोप होता है, और इससे पहले कि आप एक पोप हो, आपको पोपों की वंशावली में होना होता है। ओह, मेरे परमेश्वर ! यह क्या ही बकवास बात है ! जन साधारण...पवित्र और धर्मी नहीं, और वे तो बस.... परन्तु पादरी ही उनके लिए प्रार्थना करे, और उन्हें उनके पापों से बाहर निकाल कर लाये; और वही उनके पापों की क्षमा कर रहा है, और वे अपने पाप-स्वीकार के लिए उन्हें रुपया-पैसा दे रहे हैं।

प्रोटिस्टेन्ट ठीक ऐसा ही करते हैं। वे... होने की कोशिश करते हैं... वे अपने पादरी की पीठ थपथपाते हैं, और उस प्रकार से जीवन व्यतीत करते हैं जिस प्रकार से शेष संसार जीवन व्यतीत करता है। और वे लोग परमेश्वर के विषय में उससे ज्यादा नहीं जानते हैं, जितना कि वह पादरी जानता है। वह उन्हें अपनी कलीसिया में ठहरे रहने देता है, और वह उन्हें अपनी कलीसिया का सदस्य कहता है, और वह उन्हें वहीं पर टिके रहने देता है, और उन्हें इस गलतफहमी में रहने देता है, कि वे बचे हुए हैं। यदि उन्होंने नये सिरे से जन्म नहीं लिया है, तो वे उस दिन क्या ही निराश होंगे। बिना पवित्र आत्मा के तो आप नाश हो जाने हैं। कोई मनुष्य यह नहीं कह सकता है, कि "यीशु ही मसीह है "; वह केवल पवित्र आत्मा के द्वारा ही ऐसा कह सकता है।

101 इफिसुस में जो कलीसिया थी, वह इन उत्कृष्ट और बुद्धिमानी से भरे उपदेशों के द्वारा बहकावे में नहीं आयी थी, उसने तो.... उन्होंने तो इससे घृणा ही की थी। वे बहकाये नहीं गये थे; वे ऐसा जानते थे; सच्ची कलीसिया बहकायी नहीं गयी थी।

इन लोगों के पास जो झूठा प्रकाशन था वह नीकुलाइयों कहलाता था; जो कि परमेश्वर के वचन के साथ मेल नहीं खाता था। मुझे बतायें कहाँ पर बाइबिल में आपको कभी ऐसी शिक्षा दिखाई देती है; जहाँ पादरी से पाप-स्वीकार किया जाता हो। कहाँ पर आपको यहाँ बाइबिल में पापों की क्षमा के लिए जल-छिड़काव की शिक्षा देना देखने को मिलता है? कहाँ कभी आप यह देखते हैं, कि आपको पापों की क्षमा के लिए कभी किसी को पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम में बपतिस्मा दिया गया हो? कहाँ कभी आप वहाँ पर सहभागिता का दाहिना हाथ देते हुए, और अपने नामों को कलीसिया की पुस्तिका में लिखवाते हुए देखते हैं? कहाँ कभी आप इस प्रकार की व्यर्थ की बातें देखते हैं?

यह क्या है? यह एक याजकपद या एक...एक पादरी पद है जो वचन के साथ मेल नहीं खाता है। और वे नीकुलाइयों को मानने वाले हैं। और परमेश्वर ने कहा था, "मैं उनसे घृणा करता हूँ। वापस वचन की ओर लौट जाओ। ओह, मैं...मैं जानता हूँ, कि यह कठोर बात है, भाइयों, लेकिन मैं.. मैं.. मैं.. इसके लिए उत्तरदायी नहीं हूँ; आप उसी से ही विवाद करें।

102 उन्होंने उनको जिनके पास झूठा प्रकाशन था जो परमेश्वर के वचन के साथ मेल नहीं खाता था झूठे, झूठे प्रेरित, झूठे नबी कहा।

परन्तु सच्ची कलीसिया तो संत पौलुस की मूल शिक्षा पर ही टिकी रही और पवित्र आत्मा के बपतिस्में के साथ साथ चिन्ह प्रकट होते थे ; और उस वचन की पुष्टि कर रहे थे जिसकी शिक्षा पौलुस ने दी थी। आमीन ! मुझे दिखाइये कि कहाँ कभी परमेश्वर ने छिड़काव शब्द की पुष्टि करेगा। मुझे दिखाइये कि कहाँ कभी परमेश्वर इसकी पुष्टि करेगा, पास्टरों से कहीं पर हाथ मिलाने, और अपने नाम को पुस्तिका में लिखवाने के द्वारा अन्यान्य भाषाओं के आने और बड़े बड़े काम होने जैसी बातों की पुष्टि करता है; और जब कि ऐसा करने वाले लोग अभी भी तम्बाकू चबा रहे होते हैं, धूम्रपान कर रहे होते हैं, शराब पी रहे होते हैं, और उनकी ताश की पार्टियां चल रही होती हैं, थोड़ी सी हुल्लड़बाज़ी चल रही होती है ;मित्रों, ...चल रहा होता है... ओह, परमेश्वर ही दया करे। वे दुनियावी झूठे नबी हैं। जी हाँ, श्रीमान !

103 परमेश्वर का मार्ग तो पवित्रताई है। मसीह की देह का यहाँ का हर एक सदस्य जान ले, जब तक आप पवित्र जीवन व्यतीत नहीं करते हैं, परमेश्वर आपके बलिदान को स्वीकार नहीं करता है। बलिदान अवश्य ही पवित्र हाथों से चढ़ाया जाना चाहिए। ऐसा है... यह सच है। इससे पहले कि महायाजक कभी बलिदान चढ़ाने के लिए अंदर आ सकता होता, उसे पवित्र होना पड़ता था ; और समर्पित और अभिषेक से भरा हुआ, और सुगंध से भरा हुआ तथा ऐसा ही और सब कुछ होना होता था— इससे पहले कि वह बलिदान चढ़ाने के लिए कभी परमेश्वर की उपस्थिति में जाये। क्या यह सही बात है? तो फिर आप ऐसा कैसे कर सकते हैं, कि आप यहाँ पर बाहर जायें और जालसाज़ी करें, और चोरी करें, और वादविवाद करें, और अपने पड़ोसियों से रगड़ा-झगड़ा करें ; और इसी प्रकार का ही अन्य सब कुछ करें ; और उसी प्रकार के ही कार्य-कलाप करते रहें जिस प्रकार के आप कार्य-कलाप करते रहते हैं, और उसके बाद आप अंदर आयें, और कहें, "हे प्रभु परमेश्वर ! यीशु की स्तुति होवे ! हाल्लिलूय्याह!"

लोग कहते हैं, कि "मैं उन्हें अन्यान्य भाषाओं में बोलते हुए देखता हूँ। इसका अभी भी यह अभिप्राय नहीं है, कि उन्होंने पवित्र आत्मा पाया हुआ है। "मैं उन्हें जयजयकार करते हुए सुनता हूँ।" इसका अभी भी यह तात्पर्य नहीं है, कि उन्हें पवित्र आत्मा मिल गया है। पवित्र आत्मा तो एक जीवन है।

104 बाइबिल कहती है, "जो वर्षा भूमि पर पड़ती है, वह उसे बोने जोतने के लिए तैयार करने के लिए पड़ती है" (इब्रानियों 6) परन्तु उस पर वे ऊँटकटारे और काँटे भी उगते हैं जिनका अंत आग में जलाया जाना है।

सूर्य धर्मी और अधर्मी दोनों पर ही चमकता है। वर्षा गेहूँ के दाने को जो भूमि में होता है, (जैसा कि हम इसे कहेंगे) और हर एक उस ऊँट कटारे को जो भूमि के अंदर पड़ा होता है, उगाने के लिए आती है; और यदि गेहूँ का दाना प्यासा होता है, तो ऊँटकटारा भी प्यासा होता है। और जो वर्षा गेहूँ को जल से सींचती है, ठीक वही वर्षा ऊँटकटारे को भी जल... जल से सींचती है। वह गेहूँ का छोटा पुराना दाना अपना सिर ऊपर उठाकर जयजयकार करके कहेगा, "प्रभु की महिमा होवे ! हाल्लिलूय्याह! हाल्लिलूय्याह! मैं इस वर्षा को पाने के कारण बहुत आनन्दित हूँ।"

वह छोटा पुराना ऊँटकटारा भी जयजयकार करके कहेगा, "परमेश्वर की महिमा होवे ! परमेश्वर का जयजयकार होवे ! मैं इसे पाकर बहुत आनन्दित हूँ।"

परन्तु तुम उन्हें उनके फलों से जान जाओंगे। यह सच है। तुम उन्हें उनके फलों से जान लोगे।

105 अब हम सातवां पद लेने जा रहे हैं; और इसके बाद हम इसका समापन करने जा रहे हैं; यह कलीसियायी काल के लिए अन्तिम वाक्यांश है। अब, बस हमें मात्र लगभग पाँच या दस मिनट की देरी हो जायेगी।

जिसके कान हों, वह सुन ले, कि आत्मा कलीसियाओं से क्या कहता है : जो जय पाये मैं उसे उस जीवन के पेड़ में से जो परमेश्वर के स्वर्ग लोक में है , फल खाने को दूंगा।

मित्रों, अब देखिए, यहाँ पर आपके जय पाने के विषय में बात कही गयी है। सबसे पहले आपको जय पानी होती है; उसके बाद ही आप उस फल को खा सकते हैं। यह तो जय पानेवाला ही है जो उसे खाता है। क्या आपको वह दूसरी रात की ; हमारी पिछली रात की शिक्षा स्मरण है? इससे पहले कि यूहन्ना कुछ देखता उसे आत्मा में आना था।

और किस प्रकार से आप ऐसा ठहराकर कहते हों, "यदि वह एक बैपटिस्ट नहीं है, तो हम उसकी सुनने नहीं जा रहे हैं ?"

"यदि वह एक प्रसबीटेरियन नहीं है, तो मैं उसकी सुनने नहीं जा रहा हूँ।

"यदि वह बिलकुल ठीक उन बातों की शिक्षा नहीं देता है जिनकी शिक्षा मेरी कलीसिया देती है, तो मैं...."

आप अभी जयवंत नहीं होने जा रहे हैं, आप अभी भी आत्मा में नहीं आने जा रहे हैं। आप तो पूरी तरह से उस व्यवस्था से ही बाहर हैं। आप आत्मा में भर जायें, और कहें, "प्रभु यीशु, मैं आप से प्रेम करता हूँ; अब आप किसी भी उस बात को जो आपको उपयुक्त लगती है मुझ पर प्रकट करें ; उसका आप बस मुझ पर खुलासा करें। इसके बाद ही आप.... इसके बाद ही आप बिलकुल सही होते जा रहे होते हैं। यह सही बात है।

106 ध्यान दीजिए, कि बाइबिल उत्पत्ति की पुस्तक में तीन बार जीवन के वृक्ष का उल्लेख करती है, और तीन बार ही उसका प्रकाशितवाक्य

में उल्लेख करती है। हमने इसका किसी दूसरे दिन अध्ययन किया था। क्या आपको स्मरण है? हमने कल रविवार को ही इसका अध्ययन किया था।

केवल यही है... शैतान वचन के प्रत्येक लेख से घृणा करता है, परन्तु वह उत्पत्ति की पुस्तक और प्रकाशितवाक्य की पुस्तक से सबसे अधिक घृणा करता है। वह उत्पत्ति की पुस्तक पर उसकी प्रमाणिकता के कारण प्रहार करता है, वह ऐसा इसी लिए करता है, क्योंकि वह लोगों से यह विश्वास करवाना चाहता है कि यह ऐसा नहीं है, "उत्पत्ति उस प्रकार से नहीं हुई जिस प्रकार से परमेश्वर ने कहा कि वे उत्पन्न हुए। यह तो कुछ और ही था जिसने इस सृष्टि को तथा अन्य सब कुछ को उत्पन्न होने दिया।" इसके बाद वह उस पर उस प्रकार से प्रहार करता है। और वह लोगों को प्रकाशितवाक्य से इस लिए दूर ले जाता है, क्योंकि यह यीशु का परमेश्वर के रुप में, और उसका शैतान के रूप में खुलासा करता है; और वह खुलासा करता है कि वह नाश हो चुका है; और यह पवित्रीकरण पा चुकी कलीसिया का परमेश्वर के पास घर जाने की महिमा , और झूठे नबी के विनाश, और उन सब के जो झूठ बोलते हैं और ऐसे ही सब प्रकार के काम करते हैं - आग की झील के डाले जाने के विषय में खुलासा करता है। इसमें कोई आश्चर्य नहीं है, कि वह उन्हें इससे दूर रखता है।

परन्तु स्मरण रखिएगा, कि इन दोनों ही जगहों पर स्वर्गलोक में जीवन के वृक्ष के होने के विषय में कहा गया है।

107 अब आइये, हम बस इसे एक मिनट के लिए लें; और अब वृक्ष' को देखें। यदि आप इसे लिख सकते हैं, तो आप इसे लिख लें, कि संत यूहन्ना के छठवें अध्याय में यीशु ने कहा था, "मैं... जीवन की रोटी हूँ।' अब, इसे स्मरण रखिऐ।

अब, हम यहाँ पर यहाँ इन दोनो खम्भों का उपमाओं के रुप में उपयोग करने जा रहे हैं। अत: इससे पहले कि हम इसका समापन करें.....अब, मेरे दहिने हाथ की ओर वाटिका में जो वृक्ष है, वह जीवन का वृक्ष कहलाता था; मेरे बांये हाथ की ओर जो वाटिका में वृक्ष है वह ज्ञान का वृक्ष कहलाता था। कितने लोग यह जानते हैं, कि वहाँ पर एक जीवन का वृक्ष था और एक ज्ञान का वृक्ष था? अब देखिए, मनुष्य को जीवन के वृक्ष के द्वारा जीवित रहना था, और ज्ञान के वृक्ष को नहीं छूना था। क्या यह सही है?

और ज्यों ही उसने उसे पहली बार छूआ, त्यों ही उसने स्वयं अपने को अपने सृष्टिकर्ता से अलग कर लिया था। जब उसने ज्ञान का पहला कोर खाया, तो त्यों ही उसने परमेश्वर के साथ... अपनी अपनी संगति को गवां दिया था। अब, आप इसपर गहन चिन्तन करें। और आप जो अपने लिए लेख उतार रहे हैं, मैं आपको समय दूंगा, ताकि आप इसे उतार सकें, क्योंकि मैं नहीं चाहता हूँ, कि आप इससे चूक जायें।

108 यीशु ने संत यूहन्ना 6 में.... वे एक सोते से जल पी रहे थे; वे अपने हाथों को फैला रहे थे, और वहाँ पर ठट्ठा करके कह रहे थे, कि उनके बापदादों ने आत्मिक चट्टान से पानी पीया था; तथा वे इसी प्रकार की बातें कर रहे थे। उसने कहा, "मैं ही वह चट्टान हूँ जो जंगल में थी।'

और उन्होंने कहा, "और यहाँ पर तू यह कह रहा है, कि तू अब्राहम से भी पहले था, और अभी तो तू पच्चास वर्ष का भी नहीं है। और तू कहता है, कि तू ने अब्राहम को देखा? हम जानते हैं, कि .... अब... तू एक पागल है; तू तो एक शैतान है।" समझे?

उसने कहा, "इससे पहले कि अब्राहम था, मैं हूँ। मैं ही मूसा के साथ जलती हुई झाड़ी में था; मैं ही वह हूँ जो जलती हुई झाड़ी में था। इससे पहले कि अब्राहम था, मैं हूँ।" मैं हूँ, ना कि मैं था। अब आप लोग जो यह कहते हों, कि आश्चर्यकर्मो के दिन बीत चुके हैं, आपको उस वचन के लेख को ऐसा बनाना होगा, "मैं था वह जो महान था।" समझे? जी नहीं , वह :"मैं था, या "मैं होऊँगा" नहीं है, पर वह तो सारे ही समय "मैं हूँ', है। वह अनन्त है। शब्द "मैं हूँ" है, एक अनन्त है जो उन सभी कालों में सभी समयों में, उन सभी सात चिरागदानों में, हर एक कलीसिया में हर एक जगह पर, हर एक ह्रदय में मैं हूँ, ही रहा है। यह मैं था या मैं होऊँगा नहीं है। "मैं तो ठीक इस समय ठीक वैसे ही मैं हूँ ही हूँ जैसा कि मैं सर्वदा ही मैं हूँ ही रहा हूँ।' समझे?

109 उन्होंने कहा, "हमारे बापदादों ने.....हम तुझे नहीं जानते हैं। हम जानते हैं कि तू तो एक शैतान है। हमारे बापदादों ने ..... चालीस वर्ष तक जंगल में मन्ना खाया।"

और यीशु ने कहा, "और उनमें से हर एक मरा हुआ है। क्या यह सही है? "वे सभी मरे हुए हैं। परन्तु मैं (ओह !) ....मैं वह जीवन की रोटी हूँ जो परमेश्वर के पास से स्वर्ग से आयी है। यदि... जीवन की रोटी ... जो कोई इस रोटी में से खाएगा, वह कभी नहीं मरेगा।'

"क्या यह मनुष्य अपनी देह देगा, कि उसे खाया जाये ? अब, यह पागल है, यह बात काफी सुनिश्चित है।"

वह तो जीवन की रोटी जीवन के वृक्ष से ही था जहाँ वे उसे खा रहे थे। वह जीवन का वृक्ष था। वह तो अदन की वाटिका से ही यह था। अब देखिए, यदि जीवन का वृक्ष एक मनुष्य था, तो फिर ज्ञान का वृक्ष भी एक मनुष्य था। अब, कहा जाता है, कि सर्प के पास बीज नहीं था। यदि जीवन नर के द्वारा आया, तो मृत्यु नारी के द्वारा आयी। यह बिलकुल सच है, कि वह मृत्यु का वृक्ष थी।

110 ज्यों ही.... ज्यों ही इस वाले ने उसे परगंदा किया, - ज्यों ही उस ने (उस सर्प ने) ऐसा ही किया था; तो त्यों ही वह बोली, "सर्प ने मुझे बहकाया।" यह सच है। यह एक सांप नहीं था, यह तो वह था जो सारे बनैले पशुओं में सबसे अधिक धूर्त था; वह तो चिम्पैंजी और मनुष्य के बीच का था। पशु का बीज एक स्त्री के साथ संकरण नहीं करेगा, वह ऐसा नहीं करेगा; परन्तु यह प्राणी ऐसा था जो ऐसा कर सकता था; वह उससे अगली कड़ी का था। और परमेश्वर ने उसे ऐसा स्रापित किया , कि उसने उसे उसके पेट पर डाल दिया, और उसके कोई पैर नहीं हैं, और उसने उसकी हर एक वह हड्ड़ी जो उसके अंदर थी लेकर ऐसा बदल डाला, कि वे मनुष्य की से बिलकुल भी मेल नहीं खाती हैं। विज्ञान इसे एक क्षेत्र में खोज निकालने का प्रयास कर रही है।

यह भेद तो परमेश्वर के ही भेदों में परमेश्वर स्वर्ग लोक में बीच में छिपा हुआ है। वहीं पर ही तो आपका प्रकाशन है।

111 उसने अपने पहले पुत्र को जन्म दिया जो कि कैन था। (क्या यह सच है? वह शैतान का पुत्र था, वह शैतान का पुत्र था। यदि उन्होंने ऐसा नहीं किया था, तो वह दुष्ट कहाँ से .....कहाँ से आया था? क्या वह आदम से जो कि परमेश्वर का पुत्र था, आया था? वह तो अपने पिता शैतान से ही आता है। और उसने हत्या की थी; वह पहला हत्यारा शैतान ही था; शैतान का पुत्र ही था। देखिएगा, इसके बाद क्या घटित हुआ था; आप ज़रा कैन की वंशावली पर निगाह डालें।

कैन से जो जाति उत्पन्न हुई उसमें का प्रत्येक जन वैज्ञानिक तथा बड़े बड़े इंसान हुए। आप ज़रा बाइबिल तो पढ़े। उन्होंने भवनों का निर्माण किया; उन्होंने धातुओं की खोज की, और वे वैज्ञानिक थे। परन्तु हर एक वह जन जो शैत से उत्पन्न हुआ (हाबिल तो मारा गया था; यह यीशु की प्रतिछाया थी, कि यीशु मरा; और हाबिल मरा और शेत ने उसका स्थान लिया: यह मृत्यु, दफनाये जाने और फिर से जी उठने

को दर्शाता है।) ... उससे जो उत्पन्न हुए वे दीन, खेतीहार, भेड़ों को चराने वाले हुए।

112 अब देखिए, यीशु ने कहा था, "तुम्हारे बाप-दादों ने मन्ना खाया और वे सभी मरे हुए हैं। परन्तु मैं वह जीवन की रोटी हूँ (कैसी जीवन की रोटी है? वह जो अदन से ही थी)- जो कोई इस रोटी में से खाएगा वह कभी न मरेगा।"

अब देखिए, परमेश्वर ने जीवन के वृक्ष की रखवाली करने के लिए एक दूत को तैनात कर दिया था, ताकि कोई भी उसे छू न सके। कहीं ऐसा न हो कि वे उस वृक्ष में से खा लें और युगानुयुग जीवित रहें। क्या यह सही है? क्योंकि उन्हें तो इस वाले वृक्ष में से ही खाते रहना था और मर जाना था। क्या यह सही बात है? क्योंकि जब तक उन्हें इस वाले से खाना था उन्हें मर जाना था। और यह बात ऐसे ही सुनिश्चत है, क्योंकि आप उस वाले ज्ञान के वृक्ष से खाते हैं और मर जाते हैं...

अब देखिए, अब आइये हम यह जानने के लिए उस वृक्ष पर दृष्टि डालें। देखिएगा, कि इसने क्या किया है। अब आइये हम देखें कि इसने क्या किया है। आइये हम सबसे पहली बात देखें....ठीक है, आइये, हम उसे देखें जो उन्होंने... इसने बारूद का अविष्कार किया। यह हमारे जवानों को मारता है। यह सच है, वे ज्ञान के वृक्ष के द्वारा निकले बारुद के द्वारा एक दूसरे को जान से मारते हैं। वह अगला काम जो हमने किया.....आइये हम इसे देखें; हमने उस ज्ञान के वृक्ष के द्वारा मोटरगाड़ी का अविष्कार किया। यह उससे अधिक लोगों की हत्या करती है जितना कि बारुद करता है। ओह, जी हाँ! अब हमारे पास हाइड्रोजन बम्ब हैं।

परमेश्वर किसी चीज का नाश नहीं करता है, यह तो मनुष्य ही है जो अपने ज्ञान के द्वारा स्वयं अपने को ही नाश करता है।

113 पर वह सब कुछ जो परमेश्वर का है ; परमेश्वर उसे फिर से जिला उठाएगा। परमेश्वर उनमें से किसी को भी न खोएगा । यीशु ने ऐसा ही कहा था। यह सच है; उसने कहा था; जो इस रोटी में से खाता है उसके पास अनन्त जीवन है, और मैं उसे अन्तिम दिन फिर से जिला उठाऊँगा"। यह उसकी प्रतिज्ञा है। अब, परमेशवर... वे आगे बढ़कर उस ज्ञान के वृक्ष में से खाते रहे और मरते रहे। पर ज्यों ही वे इस वाले वृक्ष के पास जा सकते होते, तो वे युगानुयुग जीवित रहते।।

अत: अब देखिए, बजाये इसके कि ऐसा होता, वहाँ पर एक स्वर्गदूत तैनात था जो उन्हें वहाँ पर इस वृक्ष से दूर रख रहा था। परन्तु यह उन्हें वहाँ इस वृक्ष के चौगिर्द खींच रहा है, कलीसियाओं के दूत ऐसा कर रहे हैं, और कह रहे हैं, "यह हर एक मनुष्य के लिए है; वे उन्हें फिर से यीशु मसीह के नाम के पास वापस ला रहे हैं, जो कि जीवन का वृक्ष है, जो कि परमेश्वर के स्वर्ग लोक में खड़ा हुआ है। वाह ! ओह, मेरे परमेश्वर ! वह जीवन का वृक्ष परमेश्वर के स्वर्गलोक में खड़ा हुआ है; ताकि आप उसके सहभागी हों, और परमेश्वर के पुत्र व पुत्रियां बन जायें और युगानुयुग जीवित रहें। "वह जो मेरा वचन सुनता है, और मेरे भेजनेवाले की प्रतीति करता है उसके पास अनन्त जीवन है और वह कभी न्याय पर नहीं आएगा , पर वह मृत्यु से पार होकर जीवन में प्रवेश कर चुका।"

114 भाइयों, बहनों, अब मैंने...मैंने यकीनन, मैंने.. मैंने आपको भेदा है, मैंने आपको आघात पहुँचाया है। मेरा.. मेरा इस प्रकार से करने का तात्पर्य नहीं था। समझे? परमेश्वर यह जानता है, पर मुझे ऐसा इस प्रकार से इसलिए करना होता है, ताकि आप देख सकें कि हम कहाँ पर हैं। मेरा यह विश्वास है कि हमें यहाँ पर बहुत अधिक समय तक नहीं रहना है। मैं आपको गैर-मसीही ठहराने की चेष्टा नहीं कर रहा हूँ,क्योंकि आप किसी संस्था के सदस्य हैं। ऐसा नहीं है। लोग तो परिस्थिति के ही शिकार बने हुए हैं। वे कुछ भी करना नहीं जानते हैं ; उन सभों के माता-पिताओं ने हमेशा ही यह किया है, कि वे नामधारी कलीसिया में और संस्थाओं में शामिल हो जाते हैं।

परन्तु इससे पहले कि हम जायें, एक बात है: आइये मैं इस एक और टिप्पणी को करता हूँ। भविष्यद्वक्ता ने कहा था... क्या आप नबियों पर विश्वास करते हैं? बाइबिल उन पर कान लगाने के लिए कहती है। नबी ने ऐसा कहा था, कि एक ऐसा समय आएगा, जब ना तो दिन होगा और ना ही रात, परन्तु वह एक प्रकार से धूमिल सा दिन होगा। परन्तु सूर्य के अस्त होने से ठीक पहले , सांझ के समय उजियाला होगा। क्या यह सही है?

115 अब देखिए, हमारे पास क्या रहा है? अब, आइये हम बस दृष्टि डालें। किस प्रकार से सूर्य.... सूर्य कहाँ उदित होता है? भूगौलिक रीति पर पूरब में ! क्या यह सही है? वह पश्चिम में अस्त होता है। मैंने चाहा था कि मैं... कल रात को मैं एक मानचित्र लूंगा, और आपको दिखाऊँगा।

जब पवित्र आत्मा यरुशलेम में उतरा, तो उसके पथ ने अंग्रेजी के आठ की एक सिद्ध आकृति बनायी। वह सीधा ही पार करते हुए आयरलैंड़ में जाता है, वापस फिर से पीछे को जाता है; और आगे बढ़ता है; और पश्चिम तट पर आता है, और फिर से वापस उतरता है; जहाँ जहाँ सुसमाचार गया, उसके उस पथ की अंग्रेजी के आठ की आकृति बनती चली गयी।

अब देखिए, सभ्यता सूर्य के साथ साथ आगे बढ़ती चली गयी। कितने लोग यह जानते हैं? आपको इसकी शिक्षा दी गयी है, और आप यह जानते हैं। हमारे पास जो प्राचीनतम् सभ्यता है वह चीन की सभ्यता ही है, और फिर वहाँ से वह पूर्वी देशों में से होते हुए आगे बढ़ती है। और जब पवित्र आत्मा आया, सूर्य नहीं, वरन पु-त्र (not s-u-n; but S-O-N)....

116 जब सूर्य -जब सूर्य ...रात के कोहरे और पाले में से होकर नीचे चमकता है, तो फिर इससे कोई मतलब नहीं होता है कि बीज कहाँ पर पड़ा हुआ है वह जीवंत हो उठेगा ; क्योंकि सारे वनास्पतिक जीवन सूर्य के द्वारा ही जीवित रहते हैं। हम यह जानते हैं। आप घास के टुकड़े के ऊपर कांकरिट बिछा सकते हैं, और अगले वंसत में सबसे घनी घास कहाँ पर होती है? ठीक उसी कांकरिट के किनारे पर ! क्यों ?क्योंकि यह जीवन ही था जो उसके नीचे पड़ा हुआ था। आप असली जीवन को छिपा कर नहीं रख सकते हैं। वह छोटा सा जीव ज्यों ही यह जान जाता है, कि सूर्य वहाँ से होकर हिलोरे खा रहा है, यह त्यों ही शहर के लगभग आधे खंड़ के जितना आगे बढ़कर अपना मार्ग बनाता हुआ उस कांकरिट के नीचे से होता हुआ, आगे चलता हुआ तब तक आगे को बढ़ता रहता है, जब तक कि वह अपना सिर हवा में बाहर नहीं निकाल लेता है, और परमेश्वर का जयजयकार नहीं करने लगता है। आप जीवन को दबाकर-छिपाकर नहीं रख सकते हैं। यह सच है ; जीवन... जब आप नये सिरे से जन्म ले लेते हैं, तो आप उसे छिपाकर- दबाकर नहीं रख सकते हैं।

जब आपको जीवन मिल जाता है, तो कोई न कोई तो ऐसी चीज होती है जिसे उच्च स्वर से पुकार उठना होता है।

117 अब देखिए, वे सारी वस्तुएँ जो मरी हुई हैं, और वह... और वह पुराना बीज जो स्फूटन करके खुल गया है; और जो गूदा सूख गया है और वह जो मर चुका है... लेकिन वहाँ अभी भी जीवन होता है। और अब जब वंसत में सूर्य चमकने लगता है, तो छोटे छोटे पुष्प उगने लगते हैं, और हर एक वस्तु उस कांकरिट से होकर, लठ्ठों के नीचे से होकर, चट्टानों के नीचे से होकर अपना सिर ऊपर को फिर से उठाती है। वह फिर से जी उठेगा और फिर से जीवित रहेगा; (क्या यह सही है?), क्योंकि सूर्य (S- U-N) चमक रहा होता है।

अब किसी दिन पु-त्र (S-O-N) जो कि अनन्त जीवन का रचियेता है चमकेगा, और हर एक वह चीज जो उसकी खातिर अनन्त जीवन

के लिए अंकुरित हुई है जीवंत हो उठेगी, क्योंकि उसने कहा था, "मैं उसे अन्तिम दिन फिर से जिला उठाऊँगा।' क्या आप समझते हैं कि मेरे कहने का क्या तात्पर्य है? अनन्त जीवन अन्तिम दिन में जिला उठाया जाएगा।

चाहे वे आपको समुद्र में दफना दें, चाहे वे आपकी देह को जला डालें, और उसे पृथ्वी की चारों दिशाओं में उड़ा डालें, परमेश्वर उसे अन्तिम दिनों में जिला उठायेगा। चाहे आपको भूखे शेरों का पेट भरना पड़े या... या आपको धधकते गढ़ड़े में जाना पड़े....इससे तो आपके वे सारे सोलाह पैट्रोलियम पदार्थ और कॉस्मकि किरणें तथा अन्य सभी कुछ बाहर निकलेगा जिसे परमेश्वर फिर से जिला उठाएगा। "तुम्हारे सिर के बाल भी गिने हुए हैं।" आमीन ! परमेश्वर उसे जिला उठायेगा।

अब, यहाँ पर देखिएं! अब देखिए, यदि हर एक मनुष्य स्त्री के द्वारा मरता है, तो हर एक मनुष्य पुरुष के द्वारा जीवित रहता है। उस प्रकार के जीवन में स्त्री के संग भागी होने का अर्थ है, कि आप जानते हैं, कि आप मर जायेंगे। उससे बाहर निकलने का और कोई तरीका है ही नहीं। आपको तो मरना ही होता है। और यह बात ऐसे ही सुनिश्चत है, कि ज्यों ही आप उसके भागी होते हैं, आप जीवित रहने जा रहे होते हैं; इसके अलावा और कोई बात नहीं है ; आपको तो जीना ही होता है। आमीन ! यदि वह निश्चित तौर पर मृत्यु उत्पन्न करती है तो यह निश्चित रुप से जीवन उत्पन्न करता है। जीवन पाने का केवल यही एक तरीका है, कि आप उसे ग्रहण कर लें।

118 अब देखिए, नबी ने कहा था, "सांझ के समय उजियाला होगा।" अब देखिएं ! एक ऐसा समय होगा जब ना तो दिन होगा और ना ही रात; उसे दिन या रात नहीं कहा जायेगा वह तो एक धूमिल सा, धुंधला सा, बादलों वाला सा ठंड़ा सा ही दिन होगा। उस कुहरे, और धुंध तथा ऐसी ही और दूसरी चीजों के ऊपर सूर्य उजियाला दे रहा होगा। यह इतना अधिक उजियाला देता है कि आप चल फिर सकते हैं; और आप देख सकते हैं कि आप को इधर उधर कैसे जाना है ; तथा आप ऐसे ही और काम कर सकते हैं। परन्तु फिर भी यह... यह एक उजला-सुंदर दिन नहीं है। समझे? अब , मुश्किल से कोई भी उस दिन में नहीं जी सकता है।

आप किसी भी उस जगह के नीचे कोई भी बीज बो सकते हैं जहाँ सूर्य नहीं पड़ता है; वह बौना रह जाता है। आप कहीं पर जहाँ छाया हो, या ऐसी ही किसी जगह पर मक्के का दाना बो दें, देखिएगा ; वह बौना रह जाता है। प्रेड़, आपको तो यह बात अपने गेहूँ के द्वारा अवश्य ही जान लेनी चाहिए। आप उसे वहाँ बाहर बो दें; और यदि आपको खराब ग्रीष्म ऋतु मिलती है; और ओह, यदि ठंड़ा, और बरसात वाला मौसम ही रहता है, तो वह बौना रह जाता है।

119 ठीक है, इस कलीसिया के साथ जो इन सभी कालों के दौरान रही है ठीक यही मामला रहा है : वह बौनी हो चुकी है। इसे उन नामधारी गिरजों के द्वारा बौना बना दिया गया है जो कहते हैं, "तुम अपना नाम पुस्तिका में लिखवाओ। हमारे पास यह जानने के लिए काफी उजियाला है, कि एक ही परमेश्वर है।" मैं इस बात के कारण आनन्दित हूँ। "हमारे पास यह जानने के लिए प्रर्याप्त उजियाला है, कि एक मसीह है; एक न्याय का आना है। हमारे पास उजियाला है ; अत: हम अपने अपने नामों को पुस्तिका में लिखवाते हैं। हमने पादरी से हाथ मिलाया है, और हमने ऐसे ही और दूसरे काम किये हैं।" यह बिलकुल ठीक बात है; परन्तु अब तो सांझ का समय है।

अब देखिए, सभ्यता पूरब से चल कर पश्चिम में आती है ; और अब हम पश्चिम तट पर हैं। हम इससे आगे और नहीं जा सकते हैं; यदि हम यहाँ से पार निकलते हैं तो हम फिर से पूरब में ही पहुँच जाते हैं। हम और आगे नहीं जा सकते हैं; हम पश्चिम तट पर हैं।

120 अब देखिए, बाइबिल में कहा गया है, कि सांझ के समय उजियाला होगा । अब, यह किस प्रकार का सूर्य होता है जो सांझ के समय में चमकता है? क्या यह उस सूर्य से अलग होता है जो सुबह को उगता है? यह तो ठीक वही सूर्य ही होता है। क्या यह ठीक है?

ठीक है, तो फिर परमेश्वर ने क्या प्रतिज्ञा की थी? अब हम इसी पर ही पहुँचने जा रहे हैं ; यह ठीक इस काल में विद्यमान रही है, इसे थामा गया है। बाइबिल ऐसा ही कहती है। जैसे जैसे हम इन कलीसियायी कालों का अध्ययन करते चले जाते हैं मैं इसे प्रमाणित कराँगा, कि सांझ के समय में पश्चिम में एक ऐसा उजियाला चमकेगा जो धार्मिकता के उस पु-त्र (S-O-N) को फिर से लेकर आयेगा जिसकी किरणों के द्वारा हम चंगे होते हैं।

और अंत के दिन में पवित्र आत्मा के फिर से उंडेले जाने के द्वारा ठीक वही चिन्ह और आश्चर्य कर्म जो पूरब में हुए थे यहाँ पश्चिम में होंगे।

सांझ के समय उजियाला होगा;
महिमा का पथ तुम्हें अवश्य मिलेगा,
उस जल मार्ग में ही उजियाला है,
यीशु के अमूल्य नाम में दफन हो लो, बच्चों और बूढ़ों,
अपने पापों से तौबा कर लो
पवित्र आत्मा निश्चय ही तुम्हारे अंदर आयेगा।
सांझ का उजियाला आ पहुँचा है।
यह सच है कि परमेश्वर और मसीह एक ही हैं।
ओह, सांझ के समय का उजियाला .....
ओह, सांझ के समय उजियाला होगा;
महिमा का पथ तुम्हें अवश्य मिलेगा,
उस जल मार्ग में ही उजियाला है,
यीशु के अमूल्य नाम में दफन हो लो,
बच्चों और बूढ़ों, अपने पापों से तौबा कर लो
पवित्र आत्मा निश्चय ही तुम्हारे अंदर आयेगा।
सांझ का उजियाला आ पहुँचा है।

ठीक यही बात पतरस ने कही थी, "तुम यह जान लो, कि जिस यीशु को तुमने क्रूस पर चढ़ाया था, परमेश्वर से उसी यीशु को प्रभु और मसीह दोनों ठहराया है। तुम में से हर एक प्रायश्चित करे, और अपने अपने पापों की क्षमा के लिए यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले।"

121 आइये मैं आपको कुछ बताता हूँ, जैसा कि मैं किसी दूसरी रात्रि को चिकित्सक के नुसखे के ऊपर बोल रहा था। लोगों को चिकित्सक का नुसखा लेना पसंद नहीं होता है। यदि — उसके पास एक ऐसा उपचार है जो आपकी बीमारी को ठीक करेगा; और आप चूक जाते हैं... आप उसे लेने से इंकार कर देते हैं, तो यह चिकित्सक का दोष नहीं है कि आप मर जाते हैं। जी नहीं, श्रीमान ! यह तो आप का ही कसूर है, क्योंकि आपने उसे लेने से इंकार कर दिया था।

और अब देखिए, यदि चिकित्सक एक नुसखा लिखता है, और वह.... और आप उसे किसी नकली औषधि -विक्रेता के पास ले जाते हैं और वह उसमें कोई ऐसी चीज डाल देता है, जो उस में नहीं होनी चाहिए; तो यह आपको जान से भी मार डालेगा। क्या यह सही है? उस चिकित्सक ने उसका इतना अधिक अध्ययन कि हुआ होता है, कि जानता है, कि उस नुसखे में इतना अधिक विष होना चाहिए जो उन कीटाणुओं को मार दे जो आपकी देह के अन्दर हैं; और उसमें इतना अधिक प्रतिविष होता है जो उस विष को संतुलित रखे रहता है, कि वह आपको नहीं मारेगा। और यह एक स्तर तक होना होता है। यदि आप उसमें बहुत अधिक प्रतिविष मिला देते हैं, तो यह मरीज का भला न करेगा; यदि आप उसमें बहुत अधिक विष मिला देते हैं, तो यह मरीज को जान से मार देगा। यह तो संतुलित मात्रा में ही होना चाहिए।

122 एक प्रश्न था जो नबी ने पूछा था ; "क्या गिलाद में कोई बालाम नहीं है? क्या वहाँ कोई वैध नही है? तो फिर मेरी पुत्री का रोग क्यों चंगा नहीं हुआ?" कलीसिया के साथ मामला क्या है? यह क्या मामला है जो हमारे पास इतनी अधिक पुरानी बीमार कलीसियाएँ हैं? क्योंकि हमारे पास कुछ नकली औषधि-विक्रेता है जो कि गलत नुसखा दे रहे हैं। यह सच बात है। उसने कभी भी पिता , पुत्र, और पवित्र आत्मा... नहीं कहा था...उसने तो...

नुसखे ने क्या बतलाया था? ये रही वह बात है जो पतरस ने बतलायी थी। कितने लोग जानते हैं, कि पतरस के पास स्वर्ग राज्य की कुंजियाँ थीं? यीशु ने ऐसा ही कहा था। उसने क्या कहा था ? दूसरे शब्दों में यह है कि उसके पास नुसखा लिखे के लिए स्याही-कलम थी।

जब उन्होंने दूर दूर तक इन सब आवाजों को सुना (वे ऊँचे स्वर से जयजयकार कर रहे थे, वे ऊँचे शब्द से गुणोवाद कर रहे थे, और अन्यान्य भाषाओं में बोल रहे थे; और उनका एक ऐसा बढ़िया समय चल रहा था।) तो लोगों ने कहा, "ये लोग तो नई मदिरा के नशे में हैं।"

पतरस ने कहा, "जैसा तुम समझ रहे हो, ये नशे में नहीं हैं, क्योंकि अभी तो दिन का तीसरा पहर ही चढ़ा है। परन्तु यह वह बात है जो योएल नबी के द्वारा कही गयी, कि परमेश्वर कहता है : कि अंत के दिनों में ऐसा होगा, कि मैं अपना आत्मा सब मनुष्यों पर उंडेलूंगा, और तुम्हारे बेटे और तुम्हारी बेटियाँ भविष्यवाणी करेंगी; और मैं अपने दास और दासियों पर भी अपने आत्मा में से उंडूलूंगा, और वे भविष्यवाणी करेंगे।

"और मैं ऊपर आकाश में अद्भुत चिन्ह और नीचे धरती पर काम दिखाऊँगा अर्थात् लोहू, और आग और धुंए का बादल दिखाऊँगा। और ऐसा होगा, कि जो प्रभु का नाम नहीं लेगा....जो प्रभु का नाम लेगा वही उद्धार पायेगा।"

123 और इसके आगे उसने दाऊद के विषय में कहा, और यह बोला, "कुलपति दाऊद ने इसे पहले से ही देखा, और उसने कहा था, कि 'मेरा शरीर भी आशा में बसा रहेगा, क्योंकि वह मेरे प्राणों को अधोलोक में न छोड़ेगा, और न वह अपने पवित्र जन को सड़ने देगा।'

हे भाइयों, मैं उस कुलपति दाऊद के विषय में तुम से साहस के साथ कह सकता हूँ, कि वह तो मारा गया, और गाड़ा भी गया, और इस दिन तक उसकी कब्र हमारे यहाँ वर्तमान है। परन्तु एक नबी होने के कारण उसने मसीह का मरे हुओं में से जी उठना देख लिया था। अतः तुम यह जान लो, कि तुम ने जिस यीशु को अधर्मियों के हाथों पकड़वाकर क्रूस पर चढ़वाकर मार डाला, परमेश्वर ने उसी यीशु को प्रभु और मसीह दोनों ठहराया है।"

जब उन्होंने यह सुना, तो उनके हृदय छिद गये, और वे बोले, "हे पुरुषों, और हे भाइयों," या बोले, "वैध शिमौन पतरस, हमारे लिए एक नुसखा लिख, कि हम इसे कैसे पा सकते हैं? हम पापों के लिए एक उपचार चाहते हैं।" ओह !

124 अब, उस पर दृष्टि लगाकर देखिएं ; कि उसने क्या कहा था। अब, आपको मालूम पड़ता है, कि कहाँ पर ये कलीसियाऐं पथ भ्रष्ट हो गयीं। उसने कहा, "ज़रा एक मिनट रुको। मैं एक नुसखा लिखने जा रहा हूँ, और यह एक अनन्तकालीन नुसखा ठहरने जा रहा है। यह तुम और तुम्हारी संतानों और दूर दूर के उन लोगों के लिए है जिन्हें प्रभु हमारा परमेश्वर अपने पास बुलायेगा।'

उसने क्या कहा था? उसने इसे किस प्रकार से ठहराया था? क्या वैसे ही जैसे कैथोलिक ने इसे ठहराया है? क्या जैसे बैपटिस्ट ने इसे ठहराया है? क्या जैसे मैथोडिस्ट ने इसे ठहराया है? उनमें से हर एक ने तो इसमें कुछ जोड़ा है और इसमें से कुछ बाहर निकाला है। क्या पिन्तेकोस्तलों के जैसे? उन्होंने तो उसमें कुछ जोड़ा है और उसमें से कुछ बाहर निकाला है। परन्तु उसने क्या कहा था? "तुम में से हर एक मन फिराये, और अपने अपने पापों के क्षमा के लिए यीशे मसीह के नाम से बपतिस्मा ले, तो तुम पवित्र आत्मा का दान पाओगे। यह एक अनन्तकालीन नुसखा है, यह तुम और तुम्हारी संतानों के लिए है, यह प्रत्येक कलीसियायी काल में होकर कायम रखा जायेगा; इसे उनमें से हर एक को देना।'

125 हे परमेश्वर, मेरे हाथों को साफ कर। प्रभु, मेरे हृदय को शुद्ध कर यह होने पाये, चाहे मुझे यह अपने प्रत्येक उस मित्र को जो मेरे पास है देना पड़े, मैं इसे ठीक उसी रीति से दें जैसा चिकित्सक ने इसे कहा था।

यही कारण है जो हमारे पास इतनी अधिक मरी हुई कलीसियाऐ हैं: जो हमारे पास इतने अधिक मरे हुए सदस्य हैं : आप इसमें प्रतिविष मिला रहे हैं, और इसमें से इतना अधिक निकाल रहे हैं, कि यह नुसखा अपने में वैसा नहीं रहा है जैसा कि यह था; यह तो किसी को भी चंगा नहीं करेगा। वे हाथ मिला रहे हैं और कलीसियाओं में शामिल हो रहे हैं, और जल का छिड़काव कर रहे हैं। ओह, परमेश्वर ही दया करे। यह तो वह नुसखा नहीं है; यह तो मौत ही है।

यदि आप जीवन पाना चाहते हैं और पवित्र आत्मा पाना चाहते हैं, तो उसका पालन करें जो परमेश्वर ने कहा था ; आप उसे नुसखे को स्वीकार करें। ठीक इसी प्रकार से ही उसने यह कहा था, "इसमें से ना तो कुछ निकालना और ना ही इसमें कुछ जोड़ना।" इसके बाद ठीक यहाँ पर प्रकाशितवाक्य आता है, और वह कहता है, "जो कोई इसमें कुछ जोड़े या इसमें से कुछ बाहर निकालें, तो उसका भाग भी जीवन की पुस्तक में से बाहर निकाला जायेगा।" ओह, मेरे परमेश्वर, यह तो मुख्य चिकित्सक ही है जिसने ऐसा कहा है। ओह, मैं उस से प्रेम करता हूँ? क्या आप नहीं करते हैं?

126 ओह, उस महान काल में जो कि इफिसुस की कलीसिया का काल था , यह पुरोहित तन्त्र... यह वचन-विरोधी मत रेंगता हुआ अंदर प्रवेश करने लगा था, ताकि संस्थाएं बना डाले। और पादरी और डीकन... या डीकन नहीं, वरन पादरी.... चरवाहे नहीं... कलीसिया के कार्डिनल, बिशप, पोप, ओवरसियर, ठहरा दिये गये जो पवित्र आत्मा से कह रहे थे, जो सच्ची कलीसिया से कह रहे थे, "अब, तुम यहाँ पर इसे नहीं कर सकते हो।" कुछ भी हो कौन प्रधान है? ऐसा ही एक बार पतरस से कहा गया था, उससे कहा गया था, "तू यीशु के नाम से बिलकुल भी प्रचार नहीं कर सकता है। यदि तू चाहे तो प्रचार कर, मगर यीशु के नाम में प्रचार न कर ।' ओह, शैतान उस नाम से घृणा करता है।

पतरस ने कहा, "क्या मेरे लिए यह उचित है.... बाइबिल कहती है, "पतरस जो.... से भरा हुआ था.... (ओह, क्या यह नामधारी

कलीसिया से भरा हुआ था?)... पवित्र आत्मा से भरा हुआ था।' क्या उसने कहा, "रुको; मैं जरनल ओवरसियर के पास जाकर मिलूंगा; और देखूगा, कि वह मुझे इसके विषय में क्या बताता है?"

127 आइये मैं आपको बताता हूँ। क्या आप जानते थे, कि असम्बलीस ऑफ गॉड के पास उन्हें जाँचने परखने के लिए एक मनोवैज्ञानिक होता है और वे मनोवैज्ञानिक के सामने अपने मिशनरियों को लेकर जाते हैं, ताकि यह देखें, कि क्या उस मनुष्य में एक मिशनरी बनने की मानसिक योग्यता है? पिन्तेकोस्तल एसम्बली ऑफ गॉड ऐसा ही करती है। कितनों ने कभी यह बात सुनी है? निश्चय ही; यह सब जगह व्याप्त हैं; हर कोई इसे जानता है। किसको एक मिशनरी के ऊपर निगाह लगाकर रहनी चाहिए और उसको जाँचना-परखना चाहिए; क्या मनोवैज्ञानिक को या पवित्र आत्मा को? देखिए, उन लोगों के मिलने के द्वारा आपको मानव निर्मित धार्मिक मतसिद्धान्त, मानव निर्मित शिक्षाएं मिलती हैं। आप तब तक ठहरे रहें जब तक कि हम पिन्तेकोस्तल युग पर नहीं आ जाते हैं। परमेश्वर उस चीज को निश्चय ही वैसे ही जला डालेगा जैसे वह जगत को जला डालेगा। जी हाँ, श्रीमान, निश्चय ही! और आप देखेंगे, कि वह सब तरफ से आग पकड़ रही है। समझे आप? यह बिलकुल ठीक बात है।

128 परन्तु किसी महिमामय दिन वह आयेगा।

और स्मरण रखिए ; सुनिएँ : सात कलीसियायी काल है। क्या यह सही है? सात कलीसियायी काल हैं। और जब वे दुल्हन...दुल्हे से भेंट करने के लिए गयीं, तो कुछ तो पहले पहर में ही सो गयी थीं, (क्या यह सच है?) दूसरे पहर, तीसरे पहर में (नहीं—नही, वे मरी नहीं थीं, वे तो सो गयी थीं)..तीसरा पहर, चौथा पहर, पांचवां पहर, छठवां पहर, सातवां पहर होता है,

और सांतवें पहर में धूम मचती है, "देखो, दुल्हा आ रहा है। चलो उससे भेंट करने को चले।" क्या हुआ था? वे सब कुंवारियाँ जो सोयी हुई थीं जाग उठती हैं।

ओह, उस उज्जवल, बादलोंरहित वाली सुबह
मसीह में मरे हुए जाग उठेंगे (वह बादलरहित होगी,
और सांझ का उजियाला चमक रहा होगा)
जब धरती पर उद्धार पाये हुए लोग आकाश
के पार अपने अपने घरों में इकट्ठा होंगे।
जब नामों को स्वर्ग में पुकारा जायेगा, तो मैं वहाँ पर होऊँगा।...
जब नामों को स्वर्ग में पुकारा जाएगा, जब नामों को स्वर्ग में पुकारा जाएगा,
जब नामों को स्वर्ग में पुकारा जाएगा, जब नामों को स्वर्ग में पुकारा जाएगा,
तो मैं वहाँ पर होऊँगा आओ हम स्वामी के लिए करे सूर्य अस्त होने तक
काम आओ करे हम चर्चा उसके अद्भुत काम और ध्यान जब ज़मी पर होंगा
सारा जीवन होगा समाप्त पूरे होंगे ज़मी पर
जब हमारे सारे जब स्वर्ग में नामों को पुकारा जाएगा...
(अब, परमेश्वर की हर एक संतान अपने हाथों को ऊपर उठाये)...
जब नामों को स्वर्ग में पुकारा जाएगा जब नामों को स्वर्ग में पुकारा जाएगा
जब नामों को स्वर्ग में पुकारा जाएगा जब नामों को स्वर्ग में पुकारा जाएगा
तब मैं वहाँ पर होऊँगा

129 ओह, बहता है जो मधुर - मधुर हम,

उस सुन्दर तट पर मिलेंगे बहता है;

जो मधुर-मधुर हम उस सुन्दर तट पर मिलेंगे...

क्या आपको कलीसिया के पुराने गीत अच्छे लगते हैं?

ओह! हम अपने ज़लाली पिता को अपने स्तुतिगान करेंगे

अर्पण उसके प्रेम के अद्भुत दान उसकी आशीषं रहती

चौगिर्द हमारे दिन और रात करेंगे उसके लि अर्पण

उसे अपने स्तुतिगान हम मिलेंगे उस सुन्दर तट पर,

मिलेंगे जो बहता मधुर-मधुर हम उस सुन्दर तट पर

मिलेंगे जो बहता मधुर मधुर

(कहता हूँ, "भाई, मैं आप से मिलूंगा।")

ओह, बहता है जो मधुर - मधुर हम,

उस सुन्दर तट पर मिलेंगे बहता है;

जो मधुर-मधुर हम उस सुन्दर तट पर मिलेंगे...

क्या आपको कलीसिया के पुराने गीत अच्छे लगते हैं?

ओह! हम अपने ज़लाली पिता को अपने स्तुतिगान करेंगे

अर्पण उसके प्रेम के अद्भुत दान उसकी आशीषं रहती

चौगिर्द हमारे दिन और रात करेंगे उसके लि अर्पण

उसे अपने स्तुतिगान हम मिलेंगे उस सुन्दर तट पर,

मिलेंगे जो बहता मधुर-मधुर हम उस सुन्दर तट पर

मिलेंगे जो बहता मधुर मधुर।

उस सुंदर तट पर हम मिलेंगे,

हम मधुरता में होकर एक एक करके मिलेंगे,

हम उस सुंदर तट पर मिलेंगे...

अब हर कोई मधुरतापूर्वक मंद मंद इसे गायें।

130 जब कि अब हमने अपने सिरों को झुकाया हुआ है, आइये हम इसे कहें, (मंड़ली भाई ब्रन्हम के पीछे पीछे बोलती है-सम्पा.) "प्रभु यीशु, मैं आप से प्रेम करता हूँ। मैं विश्वास करता हूँ कि यीशु मसीह परमेश्वर का पुत्र है,-परमेश्वर मेरे पापों को दूर करने के लिए देहधारी हुआ। मैं अपनी योग्यताओं पर भरोसा नहीं करता हूँ; मुझ में कोई योग्यता नहीं है; पर मैं तो पूरी तौर से यीशु मसीह की ही योग्यता पर भरोसा कर रहा हूँ जो मेरा उद्धारकत्ताई, मेरा परमेश्वर, मेरा महाराजा है। मैं उस से प्रेम करता हूँ। आमीन !

131 यदि प्रभु ने चाहा, तो कल रात को सात बजे हम स्मुरना की कलीसिया का अध्ययन करेंगे। मधुरता में...(जबकि अब हमारे सिर झुके हुए हैं)... (ओह, एक एक करके ....)

उस सुंदर तट पर हम मिलेंगे,

हम मधुरता में होकर एक एक करके मिलेंगे,

हम उस सुंदर तट पर मिलेंगे...

अब हर कोई मधुरतापूर्वक मंद मंद इसे गायें:

ओह, हम अपने जलाली पिता,

को अपने स्तुतिगान की भेंट चढ़ायेंगे,

क्योंकि उसके प्रेम की महिमामय भेट ने....

और आशीर्वाद जो हमारे दिनों को पवित्र करता है।

उस सुंदर तट पर हम मिलेंगे,

हम मधुरता में होकर एक एक करके मिलेंगे,

हम उस सुंदर तट पर मिलेंगे...

अब हर कोई मधुरतापूर्वक मंद मंद इसे गायें।